Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 09 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 318 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

गलत तरीके अपनाकर सफल होने से यही बेहतर है सही तरीके के साथ काम करके असफल होना।

रणबीर कपूर के बाद अब आलिया भट्ट...

SHARE

सेंसेक्स	:	69,825.60
निफ्टी	:	20,969.40

SARAFA

सोना	:	6,104
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आदित्य एल-1 के एसयूआईटी ने खींचीं सूर्य की पहली पूर्ण डिस्क तस्वीरें

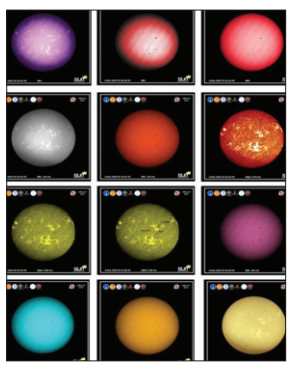

NEW DELHI : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सूर्य मिशन आदित्य एल-1 अंतरिक्ष यान पर लगे सन अल्ट्रा वायलट इमेजिंग टेलीस्कोप (एसयूआईटी) ने सूर्य की पहली पूर्ण-डिस्क तस्वीरों को अपने कैमरे में कैद किया है। एसयूआईटी ने विभिन्न वैज्ञानिक फिल्टरों का उपयोग करके सूर्य के फोटोस्फीयर यानी बाहरी परत और क्रोमोस्फीयर यानी मध्यपरत की तस्वीरों को कैद किया है। इसरो ने शुक्रवार को एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि 20 नवंबर को आदित्य एल-1 का एसयूआईटी पेलोड चालू किया गया। इस पेलोड में लगे टेलीस्कोप ने 6 दिसंबर को 11 अलग-अलग फिल्टर के साथ सूर्य की पहली प्रकाश विज्ञान तस्वीरें लीं। इनका अध्ययन वेधशाला में किया जा रहा है।

आशा लकड़ा एमपी, अर्जुन मुंडा छत्तीसगढ़ के बने पर्यवेक्षक

RANCHI : भाजपा ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पर्यवेक्षकों के नाम का ऐलान कर दिया है। झारखंड से भी दो नेताओं (अर्जुन मुंडा और आशा लकड़ा) को पर्यवेक्षक बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री और झारखंड के पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, सवार्नद सेनवाल और दुष्यंत गौतम को छत्तीसगढ़ का पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर, के लक्ष्मण और रांची की पूर्व मेयर और भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा को मध्य प्रदेश का पर्यवेक्षक बनाया गया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और सरोज लकड़ा राजस्थान के पर्यवेक्षक बनाये गये हैं। ये पर्यवेक्षक तीनों राज्यों में विधायक दल की बैठक में विधायकों की राय लेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जायेगा।

कोलकाता उच्च न्यायालय के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने जतायी आपत्ति कहा, किशोरियों को न दें उपदेश

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले की आज शुक्रवार को कड़ी आलोचना की, जिसमें किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखने की सलाह दी गयी थी। रउ ने उच्च न्यायालय की इन टिप्पणियों को आपत्तिजनक और गैर-जरूरी करार दिया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि ये टिप्पणियां संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त किशोरों के अधिकारों का पूरी तरह से उल्लंघन हैं। पीठ ने मामले में पश्चिम बंगाल सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते हुए कहा, हमारा प्रथम दृष्टया यह मानना है कि न्यायाधीशों से व्यक्तिगत विचार व्यक्त करने या उपदेश देने की अपेक्षा नहीं की जाती। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अपनी सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान को न्याय मित्र नियुक्त किया। न्यायालय ने न्याय मित्र की सहायता के लिए अधिवक्ता लिज मैथ्यू को अधिकृत किया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गोड्डा को 441 करोड़ की दी सौगात

लाभुकों के बीच 300 करोड़ 96 लाख रुपये की परिसंपत्तियों का किया वितरण

PHOTON NEWS GODDA : सीएम हेमंत सोरेन ने गोड्डा जिला स्थित मुंदर कोठी स्टेडियम में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में करीब 441.06 करोड़ रुपए की 217 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस दौरान 181303 लाभुकों के बीच लगभग 300 करोड़ 96 लाख रुपए की परिसंपत्ति बांटी। उन्होंने कहा कि आमजन की आवश्यकता के अनुरूप योजनाएं बना रहे हैं। सर्वजन पेंशन योजना लागू करने के मामले में झारखंड देश का पहला राज्य है। राज्य के 8 लाख से अधिक वंचित परिवारों को अबुआ आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। वर्तमान में हमारी सरकार जो योजनाएं बना रही है, ये योजनाएं आपकी योजन, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त हुए आवेदनों के आकलन के बाद ही तैयार की जाती है। झारखंड की आत्मा गांव में बसती है। जब तक गांव मजबूत नहीं होगा, तब तक राज्य मजबूत नहीं होगा। झारखंड की जड़ कैसे मजबूत हो। इस पर हमारी सरकार गंभीरता के साथ कार्य कर रही है, ताकि आने वाली पीढ़ी को इसका फल मिल सके।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

एसटी-एससी सहित सभी वर्ग के युवाओं को दे रहे मौका

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सुदूरवर्ती तथा पहाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले एसटी/एससी सहित सभी वर्ग के युवाओं को भी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है, ताकि वे भी अधिकारी बन राज्य की सेवा कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोड्डा जिला अंतर्गत करीब 800 किमी सड़क का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे सूचना मिली कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है। जिला प्रशासन इस पर नजर रखें। खराब कार्य करने वाले संवेदकों को ब्लैकलिस्टेड करें। आपके चेहरे के मुस्कान देख आपके बीच आकर हम खड़े हुए हैं। हम लोग झूठा प्रचार करने पर विश्वास नहीं करते हैं। हम लोग जो कहते हैं, उसे करके दिखाते हैं।

आठ लाख वंचित परिवारों को देंगे अबुआ आवास योजना का लाभ

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड 23 वर्ष का हो गया है। यह राज्य अब युवावस्था में आ गया है, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इस राज्य को दिशा देने का काम तो किया नहीं, बल्कि इसे खोखला करते रहे। राज्य के सरकारी कर्मचारी, अनुबंधकर्मी की जिम्मेवारी थी जनता की सेवा करना। सरकार कर्मचारियों को पैसा जनता की सेवा के लिए देती है, लेकिन पूर्ववर्ती सरकार, डबल इंजन की सरकार ने उन कर्मचारियों को आपकी सेवा के लिए नहीं अपनी सेवा में लोगों को लगा दिया। नतीजा है कि वर्तमान में लाखों की संख्या में समस्याओं के आवेदन हमें आज शिविरों में प्राप्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2022 तक सभी गरीबों को आवास देने की बात कही थी। केन्द्र सरकार को मालूम है कि इस राज्य में गरीबों की संख्या अधिक है। हमारी सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए कई कई बार केंद्र सरकार से समन्वय बनाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने हमारी बात अनसुनी कर दी, लेकिन राज्य सरकार ने अपने दम पर 8 लाख गरीब परिवारों को आवास देने का लक्ष्य तय किया है। इस निमित्त अबुआ आवास योजना लागू की गई है।

सभी बेटियों को मिलेगा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से राज्य की 8 लाख बच्चियों को योजना से जोड़ा गया है। परिवार की दो बेटियों को योजना का लाभ देने की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। परिवार की सभी बेटियों को योजना का लाभ मिलेगा। पढ़ाई से कोई भी बच्ची वंचित न रहे इस निमित्त हमारी सरकार कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोड्डा जिला के युवक-युवतियां खिलाड़ियों की खेल में गतिविधि बढ़ी है। यह सुखद है। राज्य खेल को लेकर अलग पहचान बना सकता है, लेकिन 20 वर्ष तक इसको लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई। वर्तमान में गांव-गांव खेल के मैदान का निर्माण किया जा रहा है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अब सरकार सम्मानित भी कर रही है। राज्य के ग्रामीणों को अब मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना का लाभ मिल सकेगा। इस योजना के तहत ट्रांसपोर्टर को राज्य सरकार आर्थिक सहायता भी देगी। यह योजना जल्द शुरू होने वाली है, जिससे यहां के आंदोलनकारी, बुजुर्ग, महिला, छात्र-छात्राएं निःशुल्क बस में सफर कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से राज्य सरकार गांव-पंचायत पहुंच कर लोगों को उनका हक-अधिकार देने का कार्य कर रही है। पिछले दो साल में लाखों आवेदन हमें शिविर के माध्यम से प्राप्त हुए। कई तरह की समस्याएं सामने आईं। प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए चरणबद्ध तरीके से सूची तैयार की गई। उसका परिणाम यह हुआ कि सबसे पहले हमारी सरकार ने राज्य के बुजुर्गों, दिव्यांगों, विधवा माताओं-बहनों सहित सभी जरूरतमंदों के प्रति सरकार ने संवेदना दिखाते हुए राज्य में सर्वजन पेंशन योजना लागू की। सर्वजन पेंशन योजना लागू करने वाला झारखंड देश का पहला राज्य है। सभी जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाते हुए ससमय राज्य सरकार पेंशन उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने इन सभी जरूरतमंद वर्ग को बिचौलियों के चक्कर में फंसने को मजबूर कर दिया था। अब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आने वाले पात्र लोगों को पेंशन के लिए विभिन्न कार्यालयों चक्कर नहीं काटना पड़ रहा है। अब उन्हें किसी के पास जाने की जरूरत नहीं है। हमने बुजुर्गों को सहारा दिया है। उनके हाथों में लाठी दी है। झारखंड जैसा पिछड़ा राज्य अब सभी पात्र लाभुकों को एक हजार रुपए पेंशन दे रहा है।

मऊ : हल्दी की रस्म के दौरान दीवार ढहने से 20 लोग दबे

चार महिला सहित पांच लोगों की मौत

घटना के बाद लगी लोगों की भीड़। ● फोटोन न्यूज

AGENCY UTTAR PRADESH : उत्तर प्रदेश के मऊ में शादी की रस्म के दौरान दीवार ढहने से चार महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। भारी संख्या में पुलिस - प्रशासन के अधिकारी की निगरानी में मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास जारी है। घायल लोगों का अस्पताल भेजा गया है। बचाव कार्य पूरा होने के बाद हताहतों की संख्या आदि की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शुक्रवार की शाम घोसी के रोडवेज के पास गली में मांगलिक कार्यक्रम चल रहे थे। दूल्हे को हल्दी लगाई जा रही थी। इसी रस्म के दौरान घोसी के रोडवेज के पास गली में दीवार ढह गई। एक ही पल में कई दर्जन लोग इसमें दब गए। हताहतों में महिलाएं और बच्चों की संख्या अधिक है। ग्रामीणों की मदद से दीवार के नीचे दबे हुए लोगों को निकालने का कार्य जारी है। घायल लोगों को जिला अस्पताल भेजा जा रहा है। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने इस घटना को लेकर बयान जारी किया है। डीएम का कहना है " एक पुरानी दीवार ढह गई। घटना में 4 महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई है, बाकी घायलों का इलाज चल रहा है।'

जेसीबी लगाकर निकाले गए लोग : दीवार के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने के लिएजेसीबी मशीन लगाई गई है। फिलहाल सभी तक कितने लोग और दबे हुए हैं यह जानकारी नहीं हैं। कई घायल लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोसी में भी भर्ती कराया गया है। अन्य अस्पतालों में भी बेड सुरक्षित कराए गए हैं। मौके पर हजारों की संख्या में लोग भी जुट गए हैं।वह घायलों की मदद कर रहे हैं।

हादसे में मरने वालों में पूनम (50), चंदा (20), पूजा (35) और बच्ची आनवी की मौत हुई है। कुल 16 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में मीरा (36), रीना (35), उर्मिला (36), पुष्पा (38), लालती (60), चंद्रावती (50), नम्रता (25), रेशमी (40), अनन्या (18), अनुप्रिया (45), रुचि (15), रेखा (45), किरण (18), सीमा (50), निर्मला (50) और कृष्णा (51) हैं। जिलाधिकारी अरुण कुमार का कहना है कि नगर पंचायत स्थित कस्बा बाजार में मांगलिक कार्यक्रम के दौरान दीवार गिरी।

धीरज साहू के ठिकानों पर तीसरे दिन भी आईटी की छापेमारी जारी

अब तक 220 करोड़ नोटों की गिनती, 156 बैग बरामद

PHOTON NEWS BHUBANESHWAR : कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू और उनके संबंधित स्थानों पर आईटी की तीसरे दिन भी छापेमारी जारी रही। बरामद हुए 300 करोड़ रुपये कैश का बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। आयकर विभाग ने ओडिशा स्थित शराब बनाने वाली एक कंपनी (बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज) के खिलाफ कर चोरी के आरोप में तीसरे दिन भी छापेमारी में नकदी से भरे 156 बैग बरामद किये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन बैग से बरामद नकदी में से अब तक 220 करोड़ रुपये बरामद किये गये हैं तथा नोटों की गिनती जारी है। कयास लगाये जा रहे हैं कि 300 करोड़ से ज्यादा के नोट बरामद हुए हैं।

जान लें कि यह कंपनी झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू से जुड़ी हुई है। खबरों के अनुसार विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को बोलांगीर जिले के सुदापाड़ा में छापेमारी के दौरान नकदी से भरे 156 बैग बरामद किये। एक अधिकारी ने कहा, 156 बैग में से केवल छह-सात की गिनती की गयी, जिसमें 20 करोड़ रुपये की रकम पायी गयी। विभाग ने संबलपुर, बोलांगीर, टिटिलागढ़, बौध, सुंदरगढ़, राउरकेला और भुवनेश्वर में छापेमारी की। कंपनी ने अभी तक छापे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

वायरल वीडियो से खड़े हुए कई सवाल

वायरल हो रहे इस वीडियो में एक बात गौर करने की है, वो ये कि सारे नोट 500, 200, 100 और 50 के हैं, जैसा हम सब जानते हैं कि 2000 रुपये के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं और इन्हे बदलने की अवधि 8 अक्टूबर 2023 तक ही थी। इतने बड़े नोटों का जखीरा और उसमें 2000 के नोट का नहीं होना कई बातों की तरफ इशारा कर रहा है, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

गुरुवार को लगभग 200 करोड़ रुपये नकद जब्त किये गये थे : देश की सबसे बड़ी शराब बनाने वाली और बिक्री करने वाली कंपनियों में शुमार बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज के बोलांगीर कार्यालय पर छापेमारी के दौरान गुरुवार को लगभग 200 करोड़ रुपये नकद जब्त किये गये थे। बुधवार को सुंदरगढ़ शहर के सरगीपाली में कुछ घरों, कार्यालयों और शराब उत्पादन इकाई पर छापेमारी की गयी थी। आयकर विभाग के पूर्व आयुक्त शरत चंद्र दास ने कहा कि यह ओडिशा में आयकर विभाग द्वारा अब तक की सबसे बड़ी नकदी जब्ती हो सकती है। दास ने कहा, ह्यमैंने राज्य में इतनी बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होते कभी नहीं देखी।

झारखंड के भाजपा नेताओं ने धीरज साहू की गिरफ्तारी की मांग की है : झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू और उनके करीबियों के ठिकानों से आयकर छापे में बरामद की गयी रकम की गिनती 200 करोड़ से भी ज्यादा पहुंच गयी है।

कैश 300 करोड़ में नहीं दिखा एक भी गुलाबी नोट

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू और उनके संबंधित स्थानों पर आयकर विभाग की छापेमारी में 300 करोड़ रुपये कैश का बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। इस छापेमारी में 30 सुरक्षित अलमारियों में नोटों की भरमार थी और इन नोटों की गिनती के लिए मशीनों की भी आवश्यकता पड़ी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 300 करोड़ रुपये की गिनती पूर्ण हो चुकी है, लेकिन इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है। 30 अलमारियों में पाए गए 300 करोड़ रुपये कैश के संबंध में बताया जा रहा है कि धीरज साहू एक विशाल उद्योगपति हैं और उनका जुड़ाव शराब निर्माण कंपनी, बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज से है। आयकर विभाग ने इस ग्रुप के झारखंड-ओडिशा और बंगाल के 10 स्थानों पर छापेमारी की। बलदेव साहू कंपनी के बोलांगीर में स्थित कार्यालय से 30 किलोमीटर दूर स्थित सतपुड़ा ऑफिस में आयकर विभाग ने 200 करोड़ रुपये कैश का सहीगलबा। इस छापेमारी के दौरान, नोटों के बंडल ऑफिस की नौ अलमारियों में संग्रहित थे, जिनमें नोटों की दरें 500, 200, और 100 रुपये की थीं। इस भारी मात्रा में नकदी मिलने के बाद, आयकर विभाग की टीम ने मशीनों का उपयोग करके नोटों की गिनती की, जिसके परिणामस्वरूप 157 बैगों में भरकर उन्हें एक ट्रक में स्थानांतरित किया गया, जो बैंक में पहुंचाया गया।

पीएम मोदी ने एक्स पर किया पोस्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे जुड़ी मीडिया में प्रकाशित एक खबर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के भाषणों को सुनें... जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। जान लें कि प्रधानमंत्री ने अपने इस पोस्ट में हंसी वाली इमोजी डाली है भाजपा की केंद्रीय कमेटी और झारखंड राज्य इकाई ने भी इसे रिपोस्ट किया है। प्रधानमंत्री का पोस्ट सामने आने के बाद झारखंड के भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सांसद धीरज साहू की गिरफ्तारी की मांग की है।

तृणमूल कांग्रेस सांसद को संसद से निष्कासित करने का प्रस्ताव को लोकसभा में ध्वनिमत से पारित

कैश फॉर क्वेरी मामले में महुआ मोइत्रा की सदस्यता रद्द

AGENCY NEW DELHI : कैश फॉर क्वेरी मामले में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता रद्द कर दी गयी है। एनडीए की तरफ से महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने के लिए लाये गये प्रस्ताव को आज लोकसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। संसद के शीतकालीन सत्र में शुक्रवार को पांचवें दिन टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ कैश-फॉर-क्वेरी आरोपों पर लोकसभा में एथिक्स कमेटी ने रिपोर्ट पेश की। लोकसभा की आचार समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर ने सदन के पटल पर रिपोर्ट रखी। रिपोर्ट में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की गयी थी।

महुआ मोइत्रा।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में शुक्रवार को लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट के आधार पर अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण के लिए सदन की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मोइत्रा के निष्कासन का प्रस्ताव पेश किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। विपक्ष विशेषकर तृणमूल कांग्रेस ने आसन से कई बार यह आग्रह किया कि मोइत्रा को सदन में उनका पक्ष रखने का मौका मिले, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पहले की संसदीय परिपाटी का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया।

रिपोर्ट में महुआ के खिलाफ आरोपों को गंभीर करार दिया गया था।। रिपोर्ट पेश होने के बाद संसद में विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। हंगामे लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गयी। दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद स्पीकर ओम बिरला ने इस पर चर्चा के लिए विपक्ष को समय दिया।

बता दें कि रिपोर्ट पर चर्चा के बाद वोटिंग हुई और प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने वॉकआउट कर दिया। जान लें कि एथिक्स कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में महुआ पर लगे आरोपों को गंभीर करार देते कार्रवाई की मांग की थी। संसद सदस्यता रद्द करने की भी मांग की गयी थी। सदन में रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान टीएमसी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसदों ने महुआ मोइत्रा को बोलने का मौका देने की मांग की। भाजपा सांसदों ने इस मांग का विरोध किया। स्पीकर ने विपक्षी सांसदों की मांग ठुकरा दी।

महुआ पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप लगे थे। साथ ही महुआ पर आरोप था कि अपने दोस्त हीरानंदानी को संसद की लॉगइन आईडी और पासवर्ड शेयर किया था। एथिक्स कमेटी ने इन आरोपों को सही पाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, यह सदन समिति के निष्कर्ष को स्वीकार करता है कि सांसद महुआ मोइत्रा का आचरण एक सांसद के रूप में अनैतिक और अशोभनीय था। इसलिए, उनका सांसद बने रहना उचित नहीं है।

107 करोड़ की एमडी ड्रग जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

AGENCY MUMBAI : रायगढ़ जिले में स्थित खोपोली में आंचल केमिकल नामक दवा कंपनी में छापा मारकर पुलिस ने 107 करोड़ का एमडी पाउडर जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। खोपोली के ढेकू गांव में 'इंडिया इलेक्ट्रिक पोल्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी' के अंदर 'आंचल केमिकल' में एमडी ड्रग कंपनी चल रही थी।

रायगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घारगे ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि पुलिस को आंचल केमिकल कंपनी में ड्रग बनाए जाने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर गुरुवार को इस कंपनी में छापा मारा गया और मौके पर 85 किलो 200 ग्राम एमडी पाउडर जब्त किया

गया, जिसकी बाजार कीमत करीब 107 करोड़ रुपये है। इसके अलावा पुलिस ने एमडी ड्रग पाउडर बनाने में इस्तेमाल होने वाले 15 लाख रुपये के कच्चे रसायन और 65 लाख रुपये की एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी भी जब्त की है।

इस मामले में खोपोली पुलिस स्टेशन में एंटी-नारकोटिक्स एक्ट, नारकोटिक ड्रग्स, साइकोएक्टिव सब्सटेंस एक्ट 1985 की धारा 8सी, धारा 22सी और धारा 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है।

आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है पालक की खेती

पत्ती वाली सब्जियों में कैल्सियम, आयरन इत्यादि खनिज तत्व व विटामिन 'ए' 'बी' काम्पलैक्स व 'सी' बहुतायत में पाये जाते हैं। पत्ती वाली सब्जियों में पालक का महत्तवपूर्ण स्थान है। जो कि मुख्यतः अपनी मुलायम एवं कोमल पत्तियों के लिए उगाया जाता है। पालक का कोमल तना भी प्रयोग में लाया जाता हैं पालक की खेती सर्दियों में अधिक की जाती है।

भूमि और जलवायु

पालक की खेती पूरे साल विभिन्न प्रकार की जलवायु में की जा सकती है। परन्तु अत्यधिक तापक्रम इसके लिए हानिकारक होता है। अतः सर्दियों के महीने पालक की खेती के लिए उपयुक्त होते हैं।

भूमि की तैयारी

पालक को पर्याप्त उर्वरता वाली सभी प्रकार की मिट्टीयों में उगाया जा सकता है। भूमि में जल निकास का भी उचित प्रबन्ध होना चाहिए। बलुई दोमट पालक के विकास के लिए अच्छी भूमि होती है। पालक की प्रजाति जैसे जोबनेर ग्रीन इत्यादि को 8 से 10 पी. एच. मान की क्षारीय भूमियों में भी उगाया जा सकता है।

पालक की बुआई के लिए खेत को 3-4 जुताइयाँ करके मिट्टी को भुरभुनी बना लेना चाहिए। उचित जलनिकास के लिए खेत को पाटे द्वारा समतल करना भी आवश्यक होता है।

प्रजातियां

भारत में पालक की बहुत सी प्रजातियां उगाई हैं परन्तु अधिक पोषक तत्वों एवं मुलायम पत्तियों वाली कटाई के बाद अच्छी और जल्दी पुर्नवृद्धि वाली एवं देर से कल्ले फूटने वाली प्रजाति ही अच्छी मानी जाती है। पालक की कुछ मुख्य प्रजातियां निम्नलिखित हैं – पालक आल ग्रीन, पालक पूसा ज्योति, पालक हरित, पालक भारती, जोवनेर ग्रीन ।

बुआई

मैदानी क्षेत्रों में पालक की बुआई वर्ष में तीन बार की जा सकती है। 1 बसन्त ऋतु के शुरू में, 2 वर्षा के शुरू में, 3 मुख्य फ़सल सितम्बर व नवम्बर के मध्य में बीज द्वारा तैयार खेत में पंक्तियों में बुआई करना उचित रहता है। क्योंकि पंक्तियों में बुआई करने से खरपतवार नियंत्रण , अन्तःकर्षण क्रियाएं एवं कटाई आसानी से की जा सकती है। बीज को 20 सें0मी0 की दूरी पर बनी पंक्तियों में 3-4 सें0मी0 की गहराई पर बोना चाहिए। यह ध्यान रहें कि बीज बोने से पहले खेत में पर्याप्त नमी रहनी चाहिए। एक हेक्टेअर क्षेत्र की बुआई के लिए 25-30 कि. ग्राम. बीज काफी रहता है।

खाद एवं उर्वरक

पत्तियों वाली सब्जियों के लिए नाइट्रोजन बहुत ही आवश्यक तत्व है। खेत की तैयारी अर्थात् बुआई से 12-15 दिन पहले 15 - 20 टन प्रति हेक्टेअर के हिसाब से गोबर की खाद मिट्टी में मिला देनी चाहिए। 30 कि0ग्रा0 नाइट्रोजन, 25 कि0ग्रा0 फॉस्फोरस एवं 50 कि0ग्रा0 पोटाश बुआई से पहले खेत तैयार करते समय मिट्टी में मिला दें। हरी एवं मुलायम पत्तियों कटाई के बाद खेत में डालनी चाहिए।

सिंचाई

पालक में सिंचाई मौसम एवं मिट्टी की स्थिति पर निर्भर करती है। यदि खेत में बुआई के समय पर्याप्त नमी न हो तो बुआई के तुरन्त बाद एक हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बसन्त एवं गर्मी के मौसम में छः से सात दिन के अन्तराल तथा सर्दियों में दस से पन्द्रह दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

फसल सुरक्षा

डेम्पिंग ऑफ एवं सरकोस्पोरा लीफ स्पोट मुख्य बीमारियाँ हैं। डेम्पिंक ऑफ से बचने के लिए बीज को बुआई से पहले 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से कैप्टन या थिरम से उपचारित करना चाहिए। जबकि सरकोस्पोरा लीफ स्पाट, जिसमें पत्तियों पर भूरे रंग के गोल घब्बे बन जाते हैं, के नियंत्रण के लिए ब्लाइटाक्स, कॉपर आक्सीक्लोराइड दवाई, दो ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीटल, पत्ती खाने वाला लार्वा, टिड्डा और एफिड कीड़े पालक को नुकसान पहुँचाते हैं। इन कीड़ों की रोकथाम के लिए मिथाइल पेराथियोन 50 ई0सी0 की दो ग्राम प्रति लीटर पानी में छिड़काव करने से पत्तियों को नुकसान पहुँचाने वाले कीडों से बचाया जा सकता है।

खरपतवार नियंत्रण

पालक में खुरपी द्धारा खरपतवार निकालने की एक मुख्य प्रक्रिया है। सामान्यतः दो तीन अन्तः आकर्षण क्रियाएँ ही खरपतवार नियंत्रण के लिए पर्याप्त रहती है।

कटाई एवं उपज

पालक की फसल की पहली कटाई, बुआई के 3-4 सप्ताह बाद की जाती है। जब कि अन्य बाद वाली कटाइयाँ 15 से 20 दिन के अन्तराल पर करनी चाहिएँ। सामान्यतः 4-6 कटाई ली जा सकती हैं जिससे 80-100 कुन्टल प्रति हेक्टेयर पालक की हरी पत्तियों की उपज प्राप्त की जा सकती है।

कृषि : बदले खेती के तरीके

कृषि यंत्रों का ऐतिहासिक सफर

विश्व में खेती का इतिहास जितना पुराना है कमो-बेश कृषि यंत्रों का इतिहास भी उतना ही पुराना है। खेतों को तैयार करने, जोतने बोने, फसल काटने आदि के लिए मनुष्य को आरंभ से ही उपकरणों की जरूरत रही है। आरंभ में वे सब औजार लकड़ी, पत्थर या हड्डी के रहे होंगे लेकिन धातु के आविष्कार के बाद पत्थर और हड्डी की जगह धातु ने ले ली और लकड़ी के हल में भी लोहे के फल लगने लगे। इसी प्रकार कुदाल, फावड़ा, खुरपी, हँसिया आदि दूसरे प्रकार के उपकरण भी बनाए और मानवशक्ति के साथ-साथ पशुशक्ति का उपयोग किया जाने लगा। इसके लिए बैल, घोड़ा, खच्चर, ऊँट अधिक लाभदायक सिद्ध हुए। इन्हीं साधनों और पशुओं में थोड़े से बदलाव के साथ संसार के सभी देशों में 18वीं शताब्दी के आरंभ तक खेती होती रही। अठारहवीं शताब्दी में उद्योगों में यंत्रीकरण के बाद कृषि क्षेत्र में भी लोगों का ध्यान इस ओर गया तथा धीरे-धीरे कृषि उपकरण यंत्र बनते गए। उन्नत देशों में सन 1840 से ही लगभग लोहे के हलों का उपयोग होने लगा था। 20वीं शताब्दी में हलों में पर्याप्त सुधार किए गए, जिनके कारण हलों पर भार घट गया। कोल्टर्स के उपयोग के कारण हलों में खरपतवार भी कम फसते है तथा ये आसानी से चलते भी हैं। अब रबर के पहिए के कारण कृषि यंत्रों और ट्रैक्टरों द्वारा भार के खिंचाव में सुविधा हो गई है। अच्छे डिजाइन और बनावट तथा सुदृढ़ धातु के उपयोग के कारण घर्षण कम हो गया है।

पिछड़े हुए देशों में आज तक भी अच्छे प्रकार के कृषि यंत्रों का मिलना एक समस्या है। सन 1900 के बाद विशेषतः प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात, रूस, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिणी अमरीका और अफ्रीका में कृषि के यंत्रीकरण का प्रचलन अधिक हुआ। श्रम का महत्व समझने वाले अनेक देशों के कृषक जुताई तथा फसल की बटाई आदि कार्यों के लिए ट्रैक्टर का इस्तेमाल करने लगे, किंतु अफ्रीका और एशिया के बहुत से देशों में अभी यांत्रिक शक्ति का उपयोग अधिक मात्रा में नहीं हो रहा है। रूस के साइबीरिया क्षेत्र में सामूहिक खेतों पर तथा दक्षिण व मध्य अमरीका में मक्का उगाने के लिए, अर्जेंटीना में कपास तथा ईख आदि के लिए यंत्रों का उपयोग विशेष रूप से होता है।

आधुनिक यंत्रों के प्रयोग से खाद्य एवं पहनने की वस्तुओं के उत्पादन में काफी प्रगति हुई है। क्षेत्र और विभिन्न प्रकार की फसलों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार के यंत्रों का निर्माण होने लगा है। खेती के काम के लिए शक्ति के बढ़ते हुए उपयोग के कारण, मशीनों को चलाने वाली मोटरों तथा विद्युत का प्रयोग तीव्र गति से बढ़ रहा है। संयुक्त राज्य अमरीका में, खेती की वृद्धि के साथ-साथ विद्युत शक्ति का उपयोग मुर्गी तथा सूअरों के पालने, घास सुखाने, आटा पीसने तथा डेअरी मशीनें आदि चलाने के कार्यों में भी होने लगा है। जिसकी वजह से घोड़ों और ऊँटों का प्रयोग बहुत ही कम हो गया। हाथ तथा पशुओं से चलाए जानेवाले यंत्रों में भी पर्याप्त सुधार हुआ और शक्तिचालित यंत्रों

का आविष्कार एवं उपयोग बढ़ता गया। कृषि अनुसंधानकर्ताओं तथा अभियंताओं ने अब पौधे लगाने वाली, चुकंदर के बीज अलग करनेवाली एवं दाना तथा भूसा अलग करने आदि, कृषि कार्यों के लिए उपयोगी मशीनों को भी शक्तिचालित बनाने में सफलता प्राप्त करली है। संयुक्त राज्य अमरीका में कृषि कार्य में शक्ति और यंत्रों के उपयोगों के प्रारंभ का क्षेत्र बड़ा व्यापक था, वहाँ के खेत विभिन्न प्रकार की मिट्टी के होने के कारण छोटे-छोटे भागों में बँटे हुए थे। अत- वहाँ छोटे से छोटे खेतों में उपयोग करने के निमित्त मशीनें बनीं, जिसका ज्वलंत उदाहरण छोटे ट्रैक्टर हैं। ये पारिवारिक तथा छोटे खेतों के लिए उपयोगी सिद्ध हुए है। यही बात प्लांटिंग मशीन और फर्टिलाइजर डिस्ट्रिब्यूटर के विषय में भी कही जा सकती है।

ग्रेट ब्रिटेन में जुताई के लिए भाप से चलने वाले ट्रैक्टर उपयोग में लाए जाते थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वहाँ पेट्रोल से चलने वाले ट्रैक्टरों की संख्या अधिक हो गई। कृषि संबंधी श्रमिकों की कमी ने खेतों पर शक्ति तथा यंत्रों के उपयोग में दिनों दिन वृद्धि की है। वहाँ के किसानों ने घास से अधिक लाभ उठाने के हेतु मशीनों का उपयोग विशेष रूप से किया। वर्षा के कारण घास को अच्छी दशा में रखना कठिन था, अत- घास को साइलों में रखने की प्रथा का पर्याप्त विकास हुआ। परिणामस्वरूप इनसाइलेज कटर (चारा काटने की मशीन), साइलोफियर, साइलेज हारवेस्टर जैसी मशीनें प्रचलन में आई। वहाँ कुछ फसलों की कटाई रीपर के द्वारा होती है, जो फसल को बिना गट्ठर बनाए ही भूमि पर डाल देता है। यह कटी हुई फसल ट्रकों में भरकर मड़ाई के लिए जाती है। वहाँ की थ्रेशिंग मशीनें केवल भूसे को ही दाने से अलग नहीं करतीं, वरन छोट-छोटे खरपतवार, लकड़ी, पत्थर और मिट्टी को भी अनाज से अलग करती है। हवा में अधिक नमी होने के कारण ब्रिटेन के बहुत से चरागाहों में काई पैदा हो जाने से गर्मी में हैरो का उपयोग होने लगा है।

सोवियत रूस में सहकारी खेती, पंचवर्षीय योजना, भूमिसुधार और छोटे-छोटे खेतों को तोड़कर बड़े फार्म बनाने की योजनाओं के कार्यान्वित होने से ही यांत्रिक खेती की प्रगति हुई है। सुनिश्चित समय में योजनाओं के अंतर्गत यंत्रीकरण उन्नति की ओर विशेष तथा सस्ते ईधंन की प्राप्ति, रूस के कृषियंत्रीकरण में विशेष सहायक सिद्ध हुई। देश में ट्रैक्टर बनाने के बहुत से कारखाने खोले गए तथा आदमियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। लगभग सन 1940 तक रूस में खेती का एक बड़ा भाग सामूहिक खेती के रूप में होता रहा। अंत में इन छोटे भागों को मिलाकर बड़ी इकाई का रूप दे दिया गया, जिसके प्रबंध में पर्याप्त सुविधा हुई। मध्यम तथा छोटे सामूहिक खेत वाले आवश्यकता पडने पर राजकीय खेतों से मशीनें लाकर कार्य करते हैं। सन 1936 के बाद रूस में मशीनें गेहूँ, जौ, जई, राई और दूसरे अनाज उगाने के काम में आने लगीं और जो मशीनें अन्यत्र यांत्रिक खेती के लिये प्रयुक्त होती रहीं उनका उपयोग कपास, चुकंदर इत्यादि फसलों की खेती में भी किया जाने लगा। अब वहाँ लगभग सभी कृषि कार्य मशीनों के द्वारा होते हैं। दूसरे शब्दों में कृषि का 95 प्रतिशत यंत्रीकरण हो चुका है, वहाँ विभिन्न प्रकार के 1,000 कृषियंत्र बनने लगे हैं।

जर्मनी में लोगों का झुकाव डीजल तथा सेमिडीजल छोटे ट्रैक्टरो के निर्माण की ओर अधिक है। यांत्रिक शक्ति के उपयोग से फसल उगाने के लिये पुरस्कार स्वरूप जर्मनी के कृषकों को 3 से 5 एकड़ ज़मीन मिल जाती थी। स्वभावत- लोगों का झुकाव ट्रैक्टरों एवं ट्रकों से कृषि उत्पाद बाजार ले जाने की ओर हुआ। वहाँ मशीनों के डिजाइन में खाद्योत्पादन की वृद्धि की और विशेष ध्यान दिया गया, जिससे वहाँ के छोटे छोटे फार्मों से अत्यधिक लाभ उठाया जा सके। कतारों में बुनाई करनेवाली इस देश की मशीनों की सूक्ष्मता दूसरे देशों के लिये एक उदाहरण है। द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व भी जर्मनी के खेतों पर विद्युत शक्ति का उपयोग होता था। सिफ्ट जर्मनी का एक विख्यात ट्रैक्टर है, जिसका निर्माण सन 1947-48 में प्रारंभ हुआ। ट्रैक्टरों से चलनेवाले स्पाइक टुथ हैरो तथा पल्वराइजर इत्यादि इस देश में बहुताएत निर्मित होते हैं।

फ्रांस में छोटे छोटे खेतों की अधिकता के कारण यांत्रिक खेती का उतना विकास नहीं है जितना इंगलैंड, रूस तथा जर्मनी में है। फ्रांस के कृषक अपने शक्तिशाली घोड़ों के लिये प्रसिद्ध हैं। कृषि कार्यों के लिये इनका उपयोग बड़ी मात्रा में होता है, इसके बावजूद इस देश में छोटे ट्रैक्टरों का उपयोग बढ़ा है। इस देश में स्प्रेइंग तथा डस्टिंम मशीनों का प्रयोग एवं फलों तरकारियों की खेती में अधिक तथा कुछ सीमा तक व्यापारिक उर्वरक के लिये होता है। दक्षिणी अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड तथा अर्जेंटाइना में भी कृषि यंत्रों की ओर लोगों का झुकाव है किंतु जहाँ कही भी ईंधन मंहगा और पशु रखने की सुविधा है वहां के किसानों ने पशु शक्ति पर निर्वाह करना उचित समझा। इन देशों में यांत्रिक शक्ति का उपयोग केवल खेत तैयार करने तथा फसल की कटाई तक ही सीमित है। न्यूजीलैंड में डेअरी उद्योगों की उन्नति होने के फलस्वरूप वहाँ पर डेअरी से संबंधित यंत्रों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग तथा विकास हुआ है। अफ्रीका में नील नदी की घाटी और दक्षिणी अफ्रीका के अतिरिक्त अन्य सभी जगह खेती अब भी पुराने ढंग से की जाती है और सामान्य यंत्र तथा पशु उपयोग में लाए जाते हैं। यही स्थिति एशिया के बहुत से देशों की है।

अधिक जनसंख्या होने के कारण चीन में ट्रेक्टरों तथा बड़ी मशीनों का उपयोग बहुत ही सीमित है। मानव एवं पशुचालित यंत्र ही वहाँ विशेष प्रचलित हैं। चीन में कृषि कार्यों की शक्ति का मुख्य साधन मनुष्य ही है। यहाँ तक कि हल तथा गाडियाँ भी मनुष्यों द्वारा चलाई जाती हैं। साइलेज कटर, पनचक्की, राइस हलर, राइस थ्रैशर, दो पहिए वाले हल इत्यादि कुछ उन्नतिशील कृषि यंत्रों का निर्माण अब चीन में होने लगा है। यूरोप और संयुक्त राज्य अमरीका में विद्युतचलित यंत्रों का प्रयोग होने लगा है क्योंकि वहाँ बिजली अधिक सस्ते दर पर उपलब्ध है एवं इसको उपयोग में लाना भी सरल होता है। इसके अतिरिक्त विद्युत-चालित औजार और यंत्र भी पर्याप्त समय तक ठीक दशा में रखे जा सकते हैं, समय की बचत होती है, कार्य निपुणता बढ़ती है और व्यय कम होता है। भारत में कृषि यंत्रों का व्यवहार हालांकि हरित क्रान्ति के बाद से आरंभ हुआ है और आज उसका तेजी से विस्तार हो रहा है। हमारे यहां किसान की जरूरतों के आधार पर कृषि यंत्र नहीं बनाए जाते, यहां आज तक विदेशों की नकल पर तैयार यंत्रों का चलन है।

BRIEF NEWS

पंकज मिश्रा रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती

RANCHI : मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती कराया गया है। उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार से रिम्स लाया गया, जहां सेंट्रल इमरजेंसी एंड ट्रॉमा सेंटर में इलाज के बाद रिम्स के पेइंग वार्ड के कमरा संख्या 14 में शिफ्ट किया गया। इससे पूर्व 29 जुलाई, 2022 को भी पेट दर्द होने पर उन्हें रिम्स में भर्ती कराया था।

राज्यपाल ने राज्य की मतदाता सूची में दर्ज कराया नाम

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने राजभवन में भेंट की तथा राज्यपाल को राज्य में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस दौरान राज्यपाल ने झारखंड राज्य की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराया।

अज्ञात व्यक्ति का मिला शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

RANCHI : लोअर बाजार थाना इलाके में शुक्रवार सुबह एक शव मिला है। शव की पहचान नहीं हो पाई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद लोअर बाजार थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर जांच में जुटी हुई है। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि फिलहाल अब तक शव की पहचान नहीं हो पाई है, आसपास के लोगों से पूछताछ की गई है लेकिन सभी ने शव को पहचानने से इनकार कर दिया है। वहीं हत्या के कारणों का भी अब तक कोई पता नहीं चल पाया है।

पुलिसकर्मियों से मारपीट के आरोपी ने कोर्ट में किया सरेंडर

RANCHI : पुलिसकर्मियों से मारपीट करने और उपद्रव करने के आरोपी साजिद ने शुक्रवार को रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में होटवार जेल भेज दिया। साजिद पर डेली मार्केट थाना में एक जुलूस के दौरान थाना में पदस्थापित पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने और पथराव करने का आरोप है। इस संबंध में डेली मार्केट थाना में कांड संख्या 24/2018 दर्ज की गई है। इसे केस के सूचक डेली मार्केट थाना में तत्कालीन सब-इंस्पेक्टरअनिल कुमार गुप्ता हैं। साजिद ने रांची सिविल कोर्ट के सीजीएम (मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी) की कोर्ट में सरेंडर किया।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

1984 के सिख दंगा पीड़ितों के मामले पर हाई कोर्ट ने जताई कड़ी नाराजगी

मुआवजा भुगतान के मामले में तीन दिनों में मांगा स्टेटस रिपोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में वर्ष 1984 के सिख दंगा में झारखंड में प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने एवं सिख दंगा से संबंधित केस क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग करने को लेकर दायर सतनाम सिंह गंभीर जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई।

मामले में मुआवजा भुगतान को लेकर कोर्ट के 15 सितंबर के आदेश के आलोक में राज्य सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को तीन दिन में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर बताने को कहा है कि सिख दंगा पीड़ितों को किन-किन जिलों में कितना मुआवजा भुगतान किया गया है।

कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा है की बोकारो जिला में मुआवजा भुगतान के लिए एक करोड़ 20 लाख की अतिरिक्त राशि कंटीन्जेंसी फंड से उपलब्ध कराए जाने पर क्या हुआ। कैबिनेट ने भी इस पर अप्रूवल दे दिया है। इसके बाद भी बोकारो में मुआवजा भुगतान के लिए बोकारो जिला को एक करोड़ 20 लाख क्यों नहीं आवंटित की गई।

इसके अलावा मुआवजा को लेकर रिटायर्ड जस्टिस डीपी सिंह की अध्यक्षता में वन मैन कमिशन की रिपोर्ट की कॉपी भी कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था लेकिन सरकार द्वारा इसे प्रस्तुत नहीं किया जा सका, जिसे सरकार की ओर से कोर्ट के समक्ष नहीं लाया गया था।

चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय एवं हस्तक्षेपकर्ता की ओर से फैसल अल्लाम ने पैरवी की।

कोर्ट ने 15 सितंबर को अपने आदेश में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर सरकार को बताने को कहा था कि सिख दंगा के पीड़ितों को मुआवजा देने के कमीशन की रिपोर्ट पर क्या कार्रवाई हुई है। मुआवजा की राशि किन-किन जिलों में भुगतान की जानी है। बोकारो में मुआवजा भुगतान को लेकर क्या पहल की जा रही है।

राज्य सरकार ने बताया था कि तीन जिलों रांची, पलामू और रामगढ़ में पीड़ितों को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शुरूआत कर दी गई है जबकि बोकारो में मुआवजा वितरण के लिए अतिरिक्त फंड की आवश्यकता है। फंड मिलते ही बोकारो में भी मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

हाई कोर्ट ने देवघर एम्स से जुड़े मामले में राज्य सरकार को दिया 10 दिनों का समय

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में देवघर, एम्स में बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। याचिका में उठाए गए बिंदुओं पर ऊर्जा विभाग एवं पेयजल स्वच्छता विभाग का ही जवाब आ सका, जिस पर चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार को सभी विभागों को जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिनों का समय दिया।

सांसद निशिकांत ने राज्य के चीफ सेक्रेटरी के जवाब पर अपना शपथ पत्र दाखिल किया था। इसमें सांसद की ओर से देवघर एम्स में सुविधा को लेकर कई बिंदु उठाए गए थे। कहा गया था कि चीफ सेक्रेटरी ने देवघर एम्स के पावर सबस्टेशन के लिए 64 करोड़ रुपये की लागत आने की बात कही है, जिसके लिए कैबिनेट की मंजूरी जरूरी बताया है। सांसद का कहना है कि विगत एक माह में दो-तीन बार कैबिनेट की बैठक हुई हैं लेकिन देवघर एम्स के लिए सरकार 64 करोड़ रुपये स्वीकृत करने पर दिलचस्पी नहीं दिख रही है। देवघर एम्स को पानी देने के सवाल पर कहा गया कि देवीपुर मल्टी विलेज स्कीम के तहत पंचायतों को मात्र दो-तीन दिन ही पानी मिलता है। ऐसे में देवघर एम्स के लिए पुनासी डैम से जोड़कर पानी की व्यवस्था की जाए।

चीफ सेक्रेटरी ने अपने जवाब में बताया था कि देवघर एम्स में फायर फाइटिंग के लिए एक अग्निशमन वाहन उपलब्ध करा दिया गया है, जिसके जवाब में याचिकाकर्ता निशिकांत दुबे की ओर से कहा गया है कि यह अग्निशमन वाहन मात्र चार-पांच तल्ला में आग बुझाने में सक्षम है, जबकि देवघर एम्स 24 मंजिला है, ऐसे में इस अग्निशमन वाहन से काम नहीं होगा।

कांग्रेस में शामिल होंगे संजय सिंह एवं हृदयानंद यादव

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ह्यआ अब लौट चलेंह्न कार्यक्रम के प्रति लोगों का रूझान बढ़ा है और यही कारण है कि राजनैतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक स्तर के लोग कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। इस कड़ी में 10 दिसम्बर को प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे एवं प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के समक्ष राज्य प्रशासनिक पदाधिकारी डॉ संजय सिंह एवं कारगिल युद्ध के योद्धा हृदयानंद यादव कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

HC ने 20 दिसंबर तक जेजे बोर्ड और राज्य बाल संरक्षण आयोग में रिक्त पदों पर सरकार से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजे बोर्ड), चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) और राज्य बाल संरक्षण आयोग में रिक्त पदों को लेकर दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए सरकार को 20 दिसंबर तक समय दिया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव कृपानंद झा और बचपन बचाओ आंदोलन की ओर से जगजीत सिंह छाबड़ा वर्चुअल मोड में उपस्थित हुए। मामले में राज्य सरकार एवं सचिव कृपानंद झा की ओर से कहा गया कि रांची एवं जमशेदपुर में एक-एक अतिरिक्त जेजे बोर्ड के गठन को कैबिनेट ने स्वीकृति दी थी, राज्यपाल से भी इसकी अनुमति मिल गई थी।इसके बाद रांची में अतिरिक्त जेजे बोर्ड गठन कर लिया गया है, जबकि जमशेदपुर में इसके गठन की प्रक्रिया जारी है।

चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) में चेयरमैन के 6 जिलों में रिक्त पदों के लिए दो सप्ताह में नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल कुछ उम्मीदवारों के बारे में कुछ शिकायत आई थी, जिसका वेरीफिकेशन कर दो सप्ताह में नियुक्ति पर किया शुरू कर ली जाएगी।

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि छह जिलों दुमका, हजारीबाग, कोडरमा, लोहरदगा, साहिबगंज, सिमडेगा को छोड़कर बाकी सभी जगह सीडब्ल्यूसी कार्यरत है। राज्य सरकार की ओर से मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल नहीं की जा सकी। कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए सरकार को 20 दिसंबर तक समय दिया है। इस मामले में बचपन बचाओ आंदोलन की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने पैरवी की।

विदेशों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे राज्य के युवा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के वंचित और शोषित समाज के मेहनती और होनहार आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक बच्चों की प्रतिभा दुनिया के सामने लाने का जो सपना मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने देखा था, आज वह हकीकत में बदल रहा है। झारखंड के युवा अब शिक्षा के क्षेत्र में विदेशों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहें हैं। ऐसी ही प्रतिभा का प्रदर्शन पूर्वी सिंहभूम के पोटका प्रखंड स्थित भाटिन गांव निवासी अजय हेंब्रम ने दिखाई है।

अजय ने लंदन की यूनिवर्सिटी से डिस्टिंक्शन मार्क्स के साथ डिग्री प्राप्त की। अजय खुश है। कहते हैं भले ही डिग्री के लिए मैंने पढ़ाई की लेकिन इसका श्रेय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और मंत्री चंपई सोरेन को जाता है, जिन्होंने हम जैसे युवाओं को वैश्विक मंच पर छा जाने का अवसर मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के जरिए दिया। अब हमलोग यहां के लोगों के बीच अपने समाज, राज्य और देश की और भी बेहतर छवि बनाने का प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बढ़ाया हौसला : मुख्यमंत्री ने एक्स पर अजय से कहा, आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी कहा करते हैं कि गरीब और वंचित समाज के युवाओं को शिक्षा के अवसर मिलते हैं तो सिर्फ वो ही नहीं, उनका घर, गांव और समाज भी आगे बढ़ता है। आप सदैव अपनी मेहनत और लगन से सफलता की बुलंदियों को छूते रहें। मुख्यमंत्री ने अजय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे बधाई और शुभकामनाएं दी।

अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाता पंजीकरण को लेकर बैठक

स्पेशल कैंप लगाकर सभी कर्मियों का किया जाएगा निबंधन : सीइओ

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत अपने कार्यालय सभागार में शुक्रवार को अनिवार्य सेवाओं से संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में के. रवि कुमार ने कहा कि एक भी मतदाता छूटे नहीं इस लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग काम कर रहा है।

बैठक में शामिल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

निर्वाचन के दौरान अनिवार्य सेवाओं जैसे रेलवे, स्वास्थ्य, अग्निशमन, विद्युत निगम, मीडिया आदि संस्थाओं में काम करने वाले पदाधिकारी एवं कर्मी अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हों, इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा न केवल इन संस्थाओं में एक-एक दिन का स्पेशल कैंप लगाकर सभी कर्मियों के मतदाता पहचान पत्र संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या का समाधान किया जाएगा, बल्कि इसके साथ साथ वैसे मतदाता जो अनिवार्य सेवाओं से जुड़े होने के कारण मतदान के दिन बूथ पर संभव न हो उनके लिए पोस्टल बैलेट की व्यवस्था कराई जाएगी।

बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकरी (मुख्यालय) संजय कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, स्वास्थ्य सेवा के उप निदेशक डॉ. अनिल कुमार, अग्निशमन के कमिश्नर अमित कुमार सिंह सहित मुख्य निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

नेहरू युवा केंद्र संगठन का राज्यस्तरीय युवा उत्सव आयोजित

देश आत्मनिर्भर एवं विकसित तब होगा जब हम विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करेंगे : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को रांची विश्वविद्यालय, रांची के आर्यभट्ट सभागार में नेहरू युवा केंद्र संगठन की ओर से आयोजित राज्यस्तरीय युवा उत्सव-2023 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह संगठन युवाओं को आगे बढ़ने एवं समाज की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए अगले 25 वर्षों के लिए पांच संकल्प लेने का आह्वान किया है। भारत को विकसित राष्ट्र

कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल व अन्य। ● फोटोन न्यूज

बनने की दिशा में ये पांच संकल्प लोगों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे और इस दिशा में युवाओं का उत्तरदायित्व काफी बढ़ जाता है। इस प्रकार के कार्यक्रम से युवाओं में देशभक्ति की भावना और प्रबल होती है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश आत्मनिर्भर एवं विकसित तब होगा जब हम विभिन्न क्षेत्रों यथा कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थ केयर, स्पोर्ट्स इत्यादि में आत्मनिर्भर होंगे एवं प्रगति करेंगे। इसके लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए युवाओं को सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया करानी होगी। युवाओं को भी निरंतर प्रयास करते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर होना होगा। प्रधानमंत्री इस दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि अपनी विरासत पर गर्व करते हुए युवाओं को चरित्र निर्माण के साथ-साथ अपनी योग्यता से समाज को आगे ले जाने में अहम भूमिका निभानी होगी। हम सब प्रयास करें तो रांची विश्वविद्यालय एक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बन सकता है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह द्वारा पंच प्रण की शपथ ली गयी।

भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड की चार खिलाड़ी शामिल

PHOTON NEWS RANCHI : स्पेन के वालेंसिया में 15 से 22 दिसंबर तक पांच देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया-2023 का आयोजन होगा। इसके लिए हॉकी इंडिया ने 22 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। इसमें झारखंड की चार खिलाड़ी निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, संगीता कुमारी और ब्यूटी डुंगडुंग भी शामिल की गई हैं। निक्की खूंटी जिला की रहने वाली हैं। सलीमा,गीता और ब्यूटी सिमडेगा जिले की हैं।

प्रतियोगिता में भारत आयरलैंड, जर्मनी, स्पेन और बेल्जियम के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम में शीर्ष गोलकीपर सविता को कप्तान और अनुभवी प्रचारक वंदना कटारिया को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में गोलकीपर के रूप में सविता के साथ बिचू देवी खारीबाम को शामिल किया गया है। बैकलाइन में गुरजीत कौर के साथ-साथ डिफेंडरों की सूची में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी और अक्षता अबासो ढेकाले की वापसी होगी।

मिडफील्ड में निशा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, मोनिका, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, ज्योति और बलजीत कौर शामिल हैं। फॉरवर्ड पंक्ति में ज्योति छत्री, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया, ब्यूटी डुंगडुंग और शर्मिला देवी हैं।

खबरें राउरकेला की

बाइक चोरी की घटना से लोग परेशान

ROURKELA : राउरकेला में बाइक चोरी की घटना बढ़ने लगी है। 2 दिन पूर्व पावर हाउस रोड से रात को एक बाइक चोरी हो गई। डेली मार्केट मेन रोड से खेमका जनरल स्टोर के सामने से साम करीब 8 बजे चोरों ने बाइक उड़ा ली। बाइक चोरी का एक और मामला में इस बार वारदात की जगह राउरकेला रेलवे स्टेशन के पास क्रॉसरोड मॉल है। ठीक एक महीने पहले फोरम गैलेरिया मॉल में भी ऐसी ही एक चोरी की घटना सी सी टीवी में कैद हुई है।

बंडामुंडा केबिन में नाली निर्माण का काम शुरू

ROURKELA : बंडामुंडा केआर केबिन बस्ती में लोगों की सहूलियत के लिए राज्य सरकार की और राउरकेला नगर निगम के तरफ से ड्रेन-नाली का निर्माण कार्य किया जा रहा है। बहुत दिनों से लोगो की इसकी मांग कर रहे थे। बीजेडी के महिला नेत्री वी. पद्मा राव ने पत्र लिखकर आरएमसी को अवगत कराया था। जिसके बाद आरएमसी ने तत्परता दिखाते हुये ड्रेन का काम का शुरू किया है। इसके लिए बस्तीवासियों की तरफ से राज्य सरकार को और आरएमसी को धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।

बारिश से नुकसान का होगा सर्वे

SUNDARGARH : जिले के नुआगांव और कुआरमुंडा ब्लॉक में चक्रवाती बारिश के कारण फसलें क्षतिग्रस्त हो गईं। असामयिक बारिश से फसल की नुकसान का मुआवजा के लिए किसान मांग कर रहे है। एसआरसी ने सभी जिलापाल को 12 दिसंबर तक चक्रवात से हुई बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया गया है। अतिरिक्त एसआरसी ज्ञान रंजन दास ने बताया कि कृषि और राजस्व विभाग के अधिकारी जांच करेंगे और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

तीन दिवसीय वार्षिक बाल महोत्सव सरगी फूल शुरू 15 जिलों के 638 विद्यार्थी ले रहे भाग

SUNDARGARH : ओडिशा के आदिवासी स्कूली छात्रों की प्रतिभा को पहचानने और बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा वार्षिक बाल उत्सव 'सरगी फूल' का आयोजन किया जा रहा है। सुंदरगढ़ जिले के सांस्कृतिक भवन में उत्तर ओडिशा के जोन स्तरीय 'सरगी फूल' का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने किया। इस दौरान सारदा प्रसाद नायक ने कहा कि आदिवासी समुदाय राज्य का गौरव हैं। इस वर्ग के विद्यार्थियों में अनेक विलक्षण प्रतिभाएँ होती हैं। सरगी फुल कार्यक्रम के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का विशेष अवसर दिया जा रहा है। सारदा प्रसाद नायाक ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों में प्रतिस्पर्धी भावना, संचार कौशल और नेतृत्व के साथ-साथ सभी प्रकार के प्रतिभा का विकास किया जा सकता है। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति विकास, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा किया गया। सुंदरगढ़ में आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में 15 जिलों के 638 छात्र-छात्राओं ने भाग ले रहे है। कार्यक्रम के दौरान सुंदरगढ़ विशेष विकास परिषद अध्यक्ष विनय टोप्पो, सुंदरगढ़ विधायिका कुसुम टेटे, तलसरा विधायक भवानी शंकर भोई, राजगांगपुर विधायक डॉ राजेन एक्का, सुंदरगढ़ जिला परिषद अध्यक्ष कुंती प्रधान, सुंदरगढ़ उद्घाटन समारोह में जिलापाल पराग हर्षद गभली उपस्थित थे। अंत में अतिरिक्त जिलापाल रवीनारायण साहू ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आयकर रेड मामले में एक दूसरे के खिलाफ आए विधायक कुसुम टेटे और पूर्व विधायक योगेश सिंह

SUNDARGARH : शराब व्यवसायी राजकिशोर जायसवाल के घर इनकम टैक्स की रेड को लेकर भाजपा विधायक कुसुम टेटे और पूर्व विधायक व वरिष्ठ बीजेडी नेता योगेश सिंह के बीच विवाद आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। विधायक कुसुम टेटे ने सीधे तौर पर योगेश सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, योगेश सुंदरगढ़ के राजकिशोर शराब कारोबार में पार्टनर था। राजकिशोर की शराब भट्टी की जमीन योगेश की मां और भाई के नाम पर है। योगेश बाबू शराब के पैसे से चुनाव लड़ रहे थे। कुसुम टेटे कहा कि विधानसभा में बार-बार यह सवाल उठाया है कि सुंदरगढ़ में मंदिरों, स्कूलों और अस्पतालों के पास शराब की कई दुकानों को क्यों नहीं बंद किया जाता है। लेकिन क्योंकि बीजू जनता दल इन शराब डीलरों का समर्थन करके उनके पैसे से चुनाव लड़ रहा है, इसलिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं पूर्व विधायक और बीजेडी नेता योगेश ने इसका जवाब दिया उन्होंने कहा, आरोप निराधार हैं। राजकिशोर से उनका कोई व्यापारिक रिश्ता नहीं है। केवल पारिवारिक रिश्ते हैं। शराब भट्टी की जमीन राजकिशोर और उसके भाई के नाम पर है। हमारे परिवार का शराब से कोई लेना-देना नहीं है। योगेश ने कहा कि उनकी मां के नाम पर बेहद निम्न स्तर की राजनीति कर रही हैं। जिनका 13 साल पहले निधन हो चुका है। उन्होंने आह्वान किया कि यदि कोई साक्ष्य है तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इसके साथ ही याद रखें कि कुसुम टेटे पहले अपने गांव में हंडिया बेचा करती थी। यह सच है कि स्पीकर बनने के बाद कुसुम टेटे विधानसभा में शराब पर सवाल उठाया था, लेकिन फिर अचानक उनके मुंह पर ताले क्यों लग गया। योगेश ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह शराब डीलरों से हर महीने 4 से 5 लाख रुपये लेती हैं।

राउरकेला नगर निगम में बना वर्टिकल गार्डेन

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम की ओर से हरित एवं स्वस्थ्य वातावरण बनाने के लिए एक अभिनव पहल की गई है। आरएमसी प्रधान कार्यालय में एक मनोरम और समृद्ध वर्टिकल गार्डेन बनाया जा रहा है। आने वाले दिनों में शहर में ओवरब्रिज के दीवारों पर ऐसे इको-फ्रेंडली गार्डन बनाने की योजना है। इस प्रकार का उद्यान इस्पात नगरी राउरकेला के तापमान और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में प्रमुख भूमिका निभाएगा।

हाथियों व ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग चिंतित, गजसाथी प्रशिक्षण शुरू

BANAI : हाथियों की सुरक्षा और हाथियों के हमलों से मनुष्यों की रक्षा करना अब वन विभाग के लिए एक चुनौती बन गया है। पहले हाथी एक निश्चित रास्ते से आते-जाते थे, इसे हाथी कॉरिडोर कहा जाता था। लेकिन अब हाथी के झुंड अब गांव के ओर बढ़ रहे है। जंगल छोड़कर गांवों की ओर चलने से कॉरिडोर की संख्या बढ़ रही है। जब कोई हाथी गांव में घुसता है तो लोग आग फेंकते हैं और लाठी-डंडों से हाथी को भगाते हैं। इससे हाथी परेशान हो जाता है और अपना रास्ता बदल लेता है। वर्तमान में, बणई उप-जिले में 7 वन रेंजों में हाथियों और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए वन विभाग कर्मचारियों और माली गजसाथी को प्रशिक्षित किया जा रहा है। तमारा वन रेंज में एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण शिविर में भालुडुंगुरी वनपालों, वन रक्षकों के साथ-साथ गार्डों के 4 वर्गों के गजसाथी भाग लिया।

दोनों राज्यों में होगी सीएम की रैली

झारखंड और यूपी में भी लोकसभा चुनाव लड़ेगी जदयू

पटना: जेडीयू बिहार के साथ झारखंड और यूपी में भी लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट गई है। पार्टी की रणनीति के तहत बिहार के सीएम नीतीश कुमार बिहार की यात्रा के साथ-साथ झारखंड और यूपी में भी चुनावी रैली करेंगे। रैली की शुरूआत दिसंबर महीने से ही हो जाएगी। हालांकि, किस राज्य में कितनी रैलियां करेंगे। इसकी जानकारी फिलहाल पार्टी की तरफ से नहीं दी गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने बताया कि यूपी और झारखंड में नीतीश कुमार रैली करेंगे। उन्होंने कहा कि रैलियों का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। जल्द ही इसकी डिटेल जानकारी जारी की जाएगी। नीतीश कुमार को जहां से बुलाहट आएगी, वहां-वहां रैली करेंगे। जदयू की उत्तर प्रदेश इकाई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से लगातार यूपी के फूलपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का आग्रह कर रही है। अक्टूबर अक्टूबर महीने में उत्तर प्रदेश जदयू का एक प्रतिनिधि मंडल बिहार आया था।

उन्होंने नीतीश कुमार से यूपी में चुनाव लड़ने के साथ-साथ रैली करने की भी मांग की थी। प्रतिनिधियों के साथ नीतीश कुमार की अलग से बैठक हुई थी इसमें उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया था कि वे दिसंबर में यूपी में रैली करेंगे। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहली रैली झारखंड के रामगढ़ में होगी। 21 दिसंबर को नीतीश जोहार के नाम से प्रदेश जदयू झारखंड में उनकी विशाल जनसभा आयोजित कराएगी। पार्टी की तरफ से बताया गया है कि आने वाले दिनों में हमारी कोशिश होगी कि झारखंड के सभी प्रमंडलों में उनकी सभा हो। झारखंड की रैली को सफल बनाने के लिए जदयू नेता मधुकर सिंह को इसका कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। मधुकर सिंह प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में एक टीम बनाकर रैली को सफल बनाने के लिए काम करेंगे।

संक्षिप्त डायरी

बसांव मठ से हुई संतों की विदाई

बक्सर: स्टेशन रोड स्थित बसांव मठिया से गुरुवार को संतों की विदाई की गई। बता दें कि बीते बुधवार को पंचकोशी परिक्रमा के अंतिम पड़ाव चरित्रवन में लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करने के बाद साधु-संत व महिलाओं ने बसांव मठ में रात्रि विश्राम किया था। पंचकोशी परिक्रमा समिति के सचिव डॉ रामनाथ ओझा ने बताया कि संत समाज को भोजन कराने के बाद अंगवस्त्र और बहुमान देकर विदाई की गई। उन्होंने कहा कि भारी संख्या में उपस्थित संत समाज ने अगले वर्ष मिलने की मंगल कामना के साथ बसांव मठ से प्रभु श्री राम का जयघोष हुए विदा हुए। वहीं बसांव मठ के पीठाधीश्वर अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने कहा कि पंचकोशी परिक्रमा यात्रा में भारी संख्या में साधु-संत और श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया था।

नया राशन कार्ड बनवाने के लिए भी आधार कार्ड होना अतिआवश्यक है

आदापुर: राशन प्राप्त करने के लिए आधार जुड़ना अति अनिवार्य है। बिना आधार राशन कार्ड से नाम कट जाएगा। इसके अलावा नया राशन कार्ड बनवाने के लिए भी आधार कार्ड होना जरूरी है। अगर संयुक्त परिवार में हैं और अलग कराना है, उसके लिए भी अपेक्षित प्रक्रिया के तहत फॉर्म भड़कर देना होगा। ये बातें अनुमंडल पदाधिकारी रविकांत सिन्हा ने गुरुवार को बखरी पंचायत में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपनी समस्याओं को सीधे या उचित माध्यम से सूचित करने की बात कही। पंचायत स्थित झिटकहिया गांव के बहेरवा पोखरा पर आयोजित इस समारोह के दौरान जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी उपस्थित आमजनों से सम्बंधित पदाधिकारियों ने बारी बारी से साझा किया। डीसीएलआर रश्मि सिंह, इसमे बीडीओ सुनील कुमार ने आवास योजना, पेंशन योजना, सीओ संजय कुमार झा ने राजस्व व आपदा से जुड़े जानकारियां साझा की। एमओ विक्रम कुमार ने राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया, राशन प्राप्ति की प्रक्रिया व वन नेशन वन राशन , गैस एवं एजेंसी से सम्बंधित आवश्यक जानकारियां दी गई। वहीं पीओ विनोद प्रभाकर के द्वारा मनरेगा के तहत होने वाले योजनाओं एवं कार्यो, जॉब कार्ड बनाने आदि के बारे में जानकारियां दी। बीसीओ मृत्युंजय कुमार ने धान अधिप्राप्ति व पैक्स से जुड़े जानकारियां दी गई। वहीं जीविका के बीपीएम अभिषेक कुमार के द्वारा जीविका समूहों का गठन, बैंकिंग जानकारियां, ग्राम संगठनों के ढांचा, स्किल डेवलोपमेन्ट आदि के बारे में बताया गया। समारोह में पहुंचे आमजनों में शामिल रामबालक यादव, लालबाबू यादव, ने दाखिल खारिज व पेंशन की समस्या को बताया। वहीं प्रखंड मुख्यालय में स्थापित आधार केंद्र में व्याप्त अनियमितता के अलावा पंचायत के अधिकांश वार्डों में स्थापित नल जल योजना में व्याप्त गड़बड़ी एवं पेयजल उपलब्ध नही होने की शिकायतें ज्यादातर लोगों ने की। मौके पर थानाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद, मुखिया अख्तर शाह, स्वच्छता समन्वयक भारत कुमार, कृषि समन्वयक बीरेंद्र प्रसाद, रामबिनोद ठाकुर, चंदा कुमारी, पुष्पांजलि कुमारी, संजय यादव, जेआरपी मनोज कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

परिवार के साथ तिरुपति के लिए रवाना हुए लालू प्रसाद

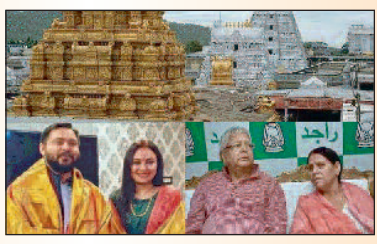

पटना: लालू प्रसाद यादव परिवार के साथ शुक्रवार को बालाजी के दर्शन और पोती के मुंडन के लिए विशेष विमान से तिरुपति के लिए रवाना हुए। वे परिवार के साथ बालाजी के दर्शन करेंगे। शनिवार को तेजस्वी की शादी की सालगिरह है। लालू यादव के साथ राबड़ी देवी, तेज प्रताप, तेजस्वी यादव, राजश्री और इनकी बेटी भी हैं। वहां लालू प्रसाद की पोती का मुंडन भी है। हालांकि, पटना एयरपोर्ट पर लालू यादव ने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। लालू प्रसाद की फ्लाइट पटना से चलकर डायरेक्ट तिरुपति जाएगी। शुक्रवार की देर रात पूरे परिवार के साथ बालाजी के दर्शन करेंगे। वहीं, पर पोती कात्यायनी के मुंडन का भी कार्यक्रम है। तेजस्वी की शादी की सालगिरह भी वहीं मनाई जाएगी। लालू यादव शनिवार को ही पूरे परिवार के साथ पटना पहुंचेंगे।

रंगदारी नहीं देने पर राशन डीलर को मारी गोली

भागलपुर: भागलपुर के नाथनगर थाना क्षेत्र के गुदरी बाजार के समीप शुक्रवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर जा रहे राशन डीलर को अपराधियों ने घर से महज 20 मीटर के दूरी पर जबरे में गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल है। घटना को अंजाम देकर अपराधी बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोगों ने घायल को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल मो. शोराव (50) से अपराधियों ने रंगदारी मांगी थी, नहीं देने पर जान करने का धमकी दिया था। घायल के बेटे ने बताया कि अपराधियों ने तीन राउंड गोली फायरिंग किया है। गोली का चिट्ठा पिता के जबड़े में लग गया, जिससे कि वह घायल है। उन्होंने गोलीबारी का आरोप मोहम्मद चांद नामक शख्स पर लगाया है। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले पांच लाख रुपए रंगदारी मांग थी नहीं देने पर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है। घायल की पत्नी ने बताया कि घरेलू विवाद को लेकर मेरे पति के ऊपर गोलीबारी करवा रहे हैं। गोलीबारी में मेरे घर के लोग शामिल हैं। उन्होंने किसी का नाम जिक्र नहीं किया है। इधर प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले भी राशन डीलर पर हमला हो चुका है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है। नाथनगर थाना अध्यक्ष ने बताया कि मौके से खोखा बरामद की गई है। अपराधियों की तलाश जारी है।

तेलंगाना के सीएम की बिहार में एंट्री होगी बंद

गया: तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के डीएनए के बयान से भाजपा आक्रोश में है। जिला भाजपा ने वजीरगंज विधायक के नेतृत्व में टावर चौक पर रेवंत रेड्डी का पुतला फूंका। इस मौके पर जमकर प्रदर्शनकारियों ने रेवंत रेड्डी के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि रेवंत रेड्डी देश को बांटना चाहते हैं। वे देश में द्वेष पैदा करना चाहते है। यह गलत है। उनकी इस हरकत से पूरे उत्तर भारत के लोगों में रोष है। हिंदी पट्टी के लोगों के प्रति दुर्भावना रखना गलत है। सभी भारतीय इस देश के संतान हैं। ऐसे सीएम को बिहार की धरती पर भविष्य में कदम नहीं रखने दिया जायेगा। जिला भाजपा कार्यकारिणी के सदस्य बड़ी संख्या में टावर चौक पर एकत्रित हुए। पहले रेवंत रेड्डी के खिलाफ वजीरगंज विधायक वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में नारेबाजी की फिर रेवंत रेड्डी का पुतला फूंका। पुतला दहन के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चिंटू ने कहा कि तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी का बयान उनकी सोच को दशार्ता है। ऐसे सीएम को बिहार की धरती पर भविष्य में कदम नहीं रखने देंगे। रेड्डी के खिलाफ भाजपा निरंतर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने बिहार की धरती को अपमानित किया है। बिहार के लोगों को अपमानित किया है। ऐसी सोच रखने वाले लोग ही देश में सद्भावना और भाईचारे को नष्ट करते हैं। देश अखंड है। खुद को बड़ा और दूसरे को कमतर आंकना उनकी भूल है। इस मौके पर भाजपा मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

धार्मिक नारा लगाने की धमकी देने पर कार्रवाई

गया : में इंस्टाग्राम पर सांप्रदायिक सद्भावना बिगाड़ने वाले वीडियो बनाने के मामले में तीन नाबालिगों के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वायरल वीडियो में नाबालिग को जबरदस्ती धार्मिक नारा लगाने के लिए धमकी देते हुए देखा जा रहा है। वीडियो के सामने आने के बाद रऱढ के निर्देश पर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई। जांच की जिम्मेदारी मुफस्सिल थानाध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद को दी गई। मुफस्सिल थानाध्यक्ष के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में वायरल हो रहे वीडियो के सत्यापन के क्रम में पता चला कि वीडियो को बनाने में तीन नाबालिग शामिल हैं। पुलिस तीनों नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

दबंग पड़ोसी ने घर में घुसकर पूरे परिवार को पीटा

बेगूसराय : बेगूसराय में जमीन का एडवांस पैसा मांगना एक परिवार को उसे वक्त महंगा पड़ गया, जब दबंग पड़ोसी ने घर में घुसकर पूरे परिवार को बेरहमी से लाठी डंडे से पिटाई कर दी। इस पिटाई में एक ही परिवार के दो महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज बेगूसराय के सदर अस्पताल चल रहा है। घटना साहेवपुर कमाल थाना क्षेत्र के चौकी गांव की है। पीड़ित कारेलाल ने बताया कि उसके भाई दिनो यादव ने सुबोध कुमार नामक व्यक्ति को एक जमीन की खरीद के लिए दस हजार रुपए एडवांस के तौर पर दिया था। आठ लाख में उस जमीन की बात हुई थी। लेकिन वह जमीन सुबोध कुमार के मां के नाम से होने की वजह से उसकी मां ने जमीन लिखने से मना कर दिया। तत्पश्चात क्बेगूसराय में जमीन को लेकर मारपीटःदबंग पड़ोसी ने घर में घुसकर पूरे परिवार को पीटा, जमीन का एडवांस बेगूसराय में जमीन का एडवांस पैसा मांगना एक परिवार को उसे वक्त महंगा पड़ गया, जब दबंग पड़ोसी ने घर में घुसकर पूरे परिवार को बेरहमी से लाठी डंडे से पिटाई कर दी। इस पिटाई में एक ही परिवार के दो महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज बेगूसराय के सदर अस्पताल चल रहा है। घटना साहेवपुर कमाल थाना क्षेत्र के चौकी गांव की है। पीड़ित कारेलाल ने बताया कि उसके भाई दिनो यादव ने सुबोध कुमार नामक व्यक्ति को एक जमीन की खरीद के लिए दस हजार रुपए एडवांस के तौर पर दिया था। आठ लाख में उस जमीन की बात हुई थी। लेकिन वह जमीन सुबोध कुमार के मां के नाम से होने की वजह से उसकी मां ने जमीन लिखने से मना कर दिया। तत्पश्चात कारेलाल के भाई के द्वारा एडवांस के तौर पर दिए गए 10000 वापस करने के मांग की गई। इसी से आक्रोशित होकर दबंग सुबोध कुमार ,नंदलाल सहित अन्य लोग कारे लाल यादव के घर में घुस गए और लाठी डंडे और ईंट पत्थर से सभी लोगों की जमकर पिटाई करने लगे। इसमें दो महिला समेत चार लोग घायल हैं।

बालू माफिया ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा पुलिस को

किशनगंज : में बालू माफिया ने खनन विभाग की टीम पर हमला कर दिया। पुलिस वालों पर बालू माफिया लाठी-डंडे लेकर टूट पड़े। इस पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। इसे दिख रहा है कि पुलिस के साथ मारपीट की गई। उड़ती रेत के बीच पुलिस को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। भागने के दौरान पुलिसकर्मी गिरे तो वहीं लाठी-डंडे बरसाने लगे। वीडियो में खनन विभाग की टीम पिटाई के बाद दहाड़े मारकर रोती नजर आई। विभाग के सुरक्षा गाड्र्स को गंभीर चोटें आई हैं। घटना पोठिया थाना क्षेत्र के चमरानी घाट की है। टीम खनन माफिया के अवैध रूप से भंडारण किए गए बालू की जांच करने पहुंची थी। घटना मंगलवार की है, जिसका वीडियो अब सामने आया था। मामले को लेकर थाने में शिकायत की गई है। पुलिस विभाग गृह मंत्रालय में आता है, जो प्रदेश के मुखिया नीतीश कुमार के पास है। खनन विभाग ने पोठिया थाना में लिखित आवेदन दिया था। आवेदन में बताया गया है कि मंगलवार दोपहर तीन बजे बालू के अवैध खनन और ओवर लोडिंग के मामले में खनन विभाग की टीम किशनगंज खनन निरीक्षक उमाशंकर सिंह के नेतृत्व में चमरानी घाट पहुंची। विभाग की गाड़ी को देख सभी ट्रैक्टर चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर भाग गए। इसके बाद खनन विभाग की टीम ने इस बात की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी। इसी बीच 21 नामजद और अन्य अज्ञात व्यक्ति मौके पर पहुंचे और खनन विभाग से गाली-गलौज करते हुए हमला बोल दिया। उनके साथ मारपीट की गई। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही पोठिया आंचलाधिकारी निष्चल प्रेम और थानाध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक बदमाश वहां से भाग चुके थे। घटनास्थल पर खड़ा एक ट्रैक्टर की ट्रॉली और बाइक को पुलिस ने जब्त किया, जिसे चिचुआबाड़ी ओपी में रखा गया है। किशनगंज खनन निरीक्षक उमाशंकर सिंह ने गुरुवार को पोठिया थाना में लिखित आवेदन दिया था। पोठिया थाना के अध्यक्ष निशाकांत कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज की गई है। नामजद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

शैक्षणिक परिभ्रमण पर राजगीर व नालंदा गए छात्र-छात्राओं के बस को किया रवाना

अलीगंज : इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महिमा कांसेप्ट स्कूल बालाडीह के छात्र-छात्राएं को विद्यालय की ओर से ऐतिहासिक धरोहर के दर्शन के लिए शैक्षणिक परिभ्रमण पर गए। बस को हरी झंडी दिखाकर विद्यालय डायरेक्टर अजय कुमार व प्राचार्य कुमारी जयोतिमणी देवी ने संयुक्त रूप से रवाना किया। डायरेक्टर ने बताया कि विद्यालय के 50 बच्चों को ऐतिहासिक धरोहर के दर्शन के लिए राजगीर व नालंदा के लिए रवाना किया गया ।

शैक्षणिक परिभ्रमण से छात्र-छात्राओं को इतिहास की जानकारियां हासिल करने में काफी सहूलियत मिलती है।

प्राचार्य ने बताया कि बच्चे व बच्चियों को इतिहास के अध्ययन करने में यह टूर काफी सहायक सिद्ध होगीहै। टूर पर नालंदा विश्वविद्यालय तथा राजगीर में देवस्थान खरमास के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी हासिल करेंगे। बच्चों को इतिहास का अध्ययन में ऐतिहासिक धरोहरों का दर्शन करने से उन्हें उसके विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

ससुराल जा रही विवाहिता का पोखर में मिला शव

समस्तीपुर: के विभूतिपुर थाने के साखमोहन गांव में शुक्रवार को पति के साथ ससुराल जा रही विवाहिता का शव गांव के पास ही पोखर में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना पर पहुंची विभूतिपुर पुलिस ने शव को जब्त कर लिया है। विवाहिता की पहचान बेगूसराय जिले के चेरियाबरियारपुर थाने के बरकुरवा गांव के मुकेश कुमार की पत्नी आरती कुमारी 21 वर्ष के रूप में की गई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए सदर भेजा है। घटना के संबंध में मृतक विवाहिता का भाई विभूतिपुर थाने के साख मोहन गांव निवासी संतोष कुमार ने बताया कि उसकी बहन की शादी तीन वर्ष पूर्व हुई थी। कुछ दिन बाद से ही उसकी बहन और जीजा के बीच अच्छा संबंध नहीं था। इन दिनों उसकी बहन मायके में ही रह रही थी। गुरुवार शाम काफी दबाव देकर उसका जीजा उसकी बहन की विदाई करा कर अपने साथ ले गया था। देर शाम सूचना दी कि उनकी बहन डूब गई है। जब उनके परिवार के लोग पोखर के पास पहुंचे तो वहां पर उसका जीजा नहीं था। जबकि उनकी बहन का शव पोखर के पानी में उपला रहा था। जिसके बाद हल्ला होने पर जुटे लोगों ने शव को पोखर से निकाल पुलिस को सूचना दी।

10 दिसंबर को होगी सीता राम विवाह महोत्सव, तैयारी शुरू

54 निर्वाण दिवस महोत्सव पर होगा आयोजन

बक्सर: बक्सर के नया बाजार स्थित विश्व प्रसिद्ध नौ दिवसीय श्री सीता राम विवाह महोत्सव की तैयारियां अब अंतिम रूप में है। राम जानकी मंदिर के पीछे बने फील्ड में टेंट तंबू के साथ बड़े बड़े पंडाल मंच बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिले में जगह जगह स्वागत गेट बड़े लगा दिया गया है। महर्षि खाकी बाबा सरकार के निर्वाण दिवस पर यह महोत्सव हर साल किया जाता है।इस उनका 54 वें निर्वाण दिवस मनाया जाएगा ।यह महोत्सव 10 दिसंबर से प्रारम्भ होकर मार्गशीर्ष शुक्ल षष्ठी सोमवार 18 दिसंबर तक सम्पन्न होने जा रहा है। जानकारी देते हुए आश्रम के महंत राजा रामशरण दास महाराज ने बताया कि कार्यक्रम देश-विदेश से कई संत और महात्मा पधार रहे हैं। वही इस मेले के आयोजन से लोगों में अच्छी कमाई की उम्मीद है। जिससे आयोजन स्थल के आसपास दुकानें और झूला लगाना प्रारंभ हो गया है। आश्रम के महंतराजा रामशरण दास महाराज ने बताया कि कार्यक्रम में देश-विदेश से कई संत और महात्मा पधार रहे हैं। बताया कि इस बार के कार्यक्रम में नवदिवसीय अष्टयाम श्री हरिनाम संकीर्तन, दमोह (म0प्र0) की संकीर्तन मंडली द्वारा होगा। श्री राम चरितमानस का सामूहिक नवाह पारायण नित्य प्रति प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक होगा। प्रातः 10 बजे से 1:00 बजे तक नित्य श्री कृष्ण लीला राष्ट्रपति पदक प्राप्त बज कोकिल श्री फतेह कृष्ण स्वामी जी के निर्देशन में होगा। भोजन प्रसाद अपराह्न 1.00 बजे से 2.00 बजे तक वितरित होगा। अपराह्न 2:00 बजे से 3:00 बजे तक श्री सीताराम विवाह मिथिला पद गायन एवं झाँकी श्री विश्वनाथ शुक्ला श्रृंगारी जी, श्री मिथिला धाम के द्वारा की जाएगी। इस बार कुछ विशेष तैयारी इसलिए है की मालुक पीठ वाले श्री राजेंद्र दास जी का कथा का समय लिया गया है।सायं 3:00 बजे से 6:00 बजे तक श्री मलूक पीठाधीश्वर जगदगुरु श्री राजेन्द्र देवाचार्य जी महाराज, श्री धाम वृन्दावन के द्वारा श्रीमद्भागवत कथा होगी जबकि सायं 6:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक समागत आचार्य, सज्जन तथा विद्वतजनों के द्वारा कथा, कीर्तन एवं प्रवचन किया जाएगा। रात 8:00 बजे से 12:00 बजे तक नित्य रामलीला पूज्य श्री मामाजी के परिकरों द्वारा की जाएगी। इनके आलवें संत और महात्मा पधार रहे हैं उनमें हिमालय के जगदगुरू श्री शंकराचार्य श्री ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी श्री वासुदेवानन्द सरस्वती, राजस्थान के सीकर के श्वासाधाम से अग्रपीठाधीश्वर राघवाचार्य वेदान्ती विश्व विख्यात राम कथा वाचक रमेश भाई ओझा, श्री अयोध्या धाम के लक्ष्मण किला से मैथिली रमण शरण जी महाराजन, श्रीधाम अयोध्या से ही श्री राघवाचार्य जी महाराज और श्री श्री अनन्त श्री सम्पन्न श्री विटेट नंदिनी शरण जी पधार रहे हैं। महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि पर प्रति वर्ष होने वाले इस विवाह महोत्सव का लाखो श्रद्धालुओ को इंतजार रहता है।वही झूले वाले और दुकनादार को भी इस मेले में अपना दुकान लगा अच्छी कमाई की उम्मीद बनी रहती है।

जिलाधिकारी ने किया बुद्धा घाट व पाथवे का निरीक्षण

घाट एवं पाथवे के सौंदर्यीकरण के डीएम ने दिए निर्देश

संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर स्थित बुद्धा घाट (रामाभार स्तूप के निकट) हिरण्यवती नदी घाटों पर बने पाथवे का निरीक्षण जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अंकिता जैन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद कुशीनगर के ईओ से बुद्धा घाट व नदी के निकट कराए गए विकास परक निर्माण कार्यों एवं आसपास की साफ सफाई की जानकारी ली।

जिलाधिकारी द्वारा स्वयं बुद्धा घाट हिरण्यवती नदी के घाटों पर बने पाथवे का निरीक्षण बुद्धा घाट से लेकर देवरिया रोड तक किया गया। जिलाधिकारी ने 2 सप्ताह के अंदर पाथवे के इर्द गिर्द फैली गन्दगी की उचित साफ सफाई कराने तथा हिरण्यवती नदी में उगे जलकुंभी व शैवालों को साफ सफाई कराते हुए सौदर्यीकरण कराने हेतु ईओ कुशीनगर, नगर पा0 प0 कुशीनगर अध्यक्ष को निर्देशित किया।

उन्होंने नदी में नियमित रूप से साफ पानी बने रहने तथा साफ सफाई के प्लान पर विस्तृत चर्चा की तथा विशेषज्ञों के सलाह उपरांत विस्तृत कार्य योजना बनाकर समक्ष प्रस्तुत करने के भी निर्देश ईओ कुशीनगर को दिये। उन्होंने कहा की इसकी नियमित

रूप से उचित साफ सफाई होनी चाहिए ताकि पर्यटन हेतु आए पर्यटकों और आस पास के निवासियों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बन सकें। पर्यटन के क्षेत्र में यहां अपार संभावनाएं हैं जिसे हम सब को मिलकर विकसित करना है।

आए हुए पर्यटकों के जानकारी के लिए हिरण्यवती नदी का इतिहास व उसकी महत्ता को बोर्ड पर लिखवाने तथा दोनों तरफ एप्रोच के ठीक कराने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा घाट के आसपास ग्रीन बेल्ट एरिया का विकास करने हेतु ईओ और उपजिलाधिकारी कसया को निर्देश दिया गया।

इसी क्रम में पानी की कनेक्टिविटी को जोड़ने के परिदृश्य से कुशीनगर स्थित बाबा साहब आप्टे नगर, तीर्थराज नहर का भी निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने नहर का सर्वे कर संपूर्ण रिपोर्ट समक्ष प्रस्तुत करने हेतु उपजिलाधिकारी कसया को निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कसया योगेश्वर सिंह, नायब तहसीलदार कसया, अधि0 अधि0 कुशीनगर, न0पा0प0 कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, पर्यटन सूचना अधिकारी प्राण रंजन, संग्रहालय अध्यक्ष अमित द्विवेदी तथा सम्बन्धित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कसया ब्लाक के गांव कुडवा उर्फ दिलिप नगर में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन के अवसर पर मुख्य अतिथि कुशीनगर विधायक पीएन पाठक के द्वारा सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। विधायक श्री पाठक ने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री मोदी सरकार द्वारा चलाई जारही जनकल्याणकारी योजनाओं व उपलब्धियों से ग्रामसभा के प्रत्येक जन को अवगत कराया जा रहा है। इस अभियान से जुड़े लाभार्थियों को लाभार्थी पत्र वितरण करते हुए उन्हें संकल्प दिलाया गया। ग्रामीणों ने सरकार की योजना की सराहना की। कहा कि यह सराहनीय कदम है जो प्रधानमंत्री जी ने उठाया है। गाँव के लोग उनकी यात्रा को बहुत पसंद कर रहे हैं और साथ ही उनकी योजनाओं की प्रशंसा की जा रही है। यह यात्रा न सिर्फ गाँव के लोगों के लिए बल्कि पूरे देश के विकास के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। वहां मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी ।चौपाल में आवा, पेंशन, किसान सम्मान निधि के अत्यधिक मामले आए। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी रवि रंजन, मंडल अध्यक्ष रामायण कुशवाहा, जिला पंचायत सदस्य नीतीश यादव, सुदर्शन शर्मा, सतीश शर्मा, शिवाकांत सिंह, शुभम दिक्षित, छेदी शर्मा, विनोद गिरी आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जमकर किया डांस

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार पांच राज्यों में हुए चुनावों में फिर अपना दम दिखाया है। निर्वाचन आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक मध्य प्रदेश की 230 सीट में से भाजपा 163 सीट पर और छत्तीसगढ़ की 90 में से 53 सीट पर आगे है। इसी तरह राजस्थान में भाजपा 199 में से 111 सीट पर आगे चल रही है, जबकि कांग्रेस तेलंगाना में बढ़त बनाये है। भारतीय जनता पार्टी ने चार राज्यों के अभी तक जारी चुनावी नतीजों में तीन राज्यों में अजेय बढ़त बना ली है। मध्य प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा स्पष्ट बहुमत की तरफ बढ़ गयी है जबकि तेलंगाना में कांग्रेस लीड कर रही है। भाजपा की जीत की खुशी में कार्यकर्ता लखनऊ प्रदेश भाजपा कार्यालय पर जश्न मना रहे हैं। यहाँ जमकर आतिशबाजी के बीच ढोल नगाड़ों के शोर में जमकर डांस हो रहा है। महिला कार्यकताओं की खुशी देखते ही बन रही है। सभी जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दे रहे हैं।

आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने अपने प्रत्याशी की जीत पर जताई खुशी

लखनऊ,। चार राज्यों के अभी तक जारी चुनावी नतीजों में भाजपा को तीन राज्यों में अजेय बढ़त हासिल हो गई है। जबकि तेलंगाना में कांग्रेस ने अपना दम दिखाया है। इसी बीच राजस्थान में भाजपा की जीत के बीच कांग्रेस समर्थित राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी ने भरतपुर सीट से दोबारा जीत हासिल की है। यहाँ आरएलडी उम्मीदवार डॉ सुभाष गर्ग ने बीजेपी प्रत्याशी विजय बंसल को 5180 वोटों से शिकस्त दी है। इसको लेकर रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जनता को बधाई और धन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा है कि अब फिर एक बार पांच साल तक रालोद किसानों के मुद्दों को लेकर काम करेगा। बता दें भरतपुर सीट पर रालोद के सुभाष गर्ग ने दोबारा जीत हासिल की है। चुनाव में रालोद प्रत्याशी को 80464 वोट मिले हैं, जबकि बीजेपी प्रत्याशी विजयबंसल को 75284 वोट मिले हैं। इस सीट पर साल 2018 में भी आरएलडी प्रत्याशी सुभाष गर्ग ने जीत दर्ज की थी।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पर कार्यकर्ता मना रहे जश्न, आतिशबाजी के बीच मोदी-मोदी की गूंज

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने चार राज्यों के अभी तक जारी चुनावी नतीजों में तीन राज्यों में अजेय बढ़त बना ली है। मध्य प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा स्पष्ट बहुमत की तरफ बढ़ गयी है जबकि तेलंगाना में कांग्रेस लीड कर रही है। भाजपा की जीत की खुशी में कार्यकर्ता लखनऊ प्रदेश भाजपा कार्यालय पर जश्न मना रहे हैं। यहाँ जमकर आतिशबाजी के बीच मोदी-मोदी की गूंज सुनाई पड़ रही है। सभी जीत के लिए जनता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दे रहे हैं। इस बीच यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का पूरे देश की राजनीति में डंका बज रहा है। आज पूरे आत्मविश्वास से कह सकते हैं कि भारत के मन में मोदी है, मोदी के मन में भारत है।

पीड़ित परिवार से मिले मंत्री धर्मवीर प्रजापति, कहा- आपकी बदहाली से सीएम को कराऊंगा अवगत

जौनपुर, । उत्तर प्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति जनपद में झकझोर कर देने वाली घटित अजय प्रजापति और अंकित प्रजापति सगे भाई दोहरे हत्याकांड में पीड़ित परिवार को सांत्वना देने खेतासराय नगर पहुँचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना देकर ढाढस बंधाया। कारागार राज्य मंत्री बभनौटी स्तिथ सीधे पीड़ित के घर पहुँचे। मंत्री के सामने मृतकों की एक मात्र बहन विनीता और माँ मनभावती से मुलाकात कर परिवार की आर्थिक हालत की जानकारी ली। परिजनों ने आरोपितों की कठोर सजा, नौकरी व अन्य मांगे रखी। जिस पर मंत्री ने उत्तर देते हुए कहा कि गुनाहगार जेल में है, मुल्जिमों पर कठोर कार्रवाई के लिए सरकार कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुझे यहां भेजा है, हमारी सरकार आपके साथ खड़ी है। परिवार की स्तिथि बहुत ही दयनीय है। सारी रिपोर्ट सीएम के समक्ष रखूंगा। एक सवाल के जवाब में कहा कि इस घटना की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से हुई है। जौनपुर पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरीके से पाँच घण्टे में ही पुलिस इनकाउंटर में गिरफ्तार की है, उसके लिए वह बधाई के पात्र है।

थाईलैंड की राजकुमारी के जन्मदिन पर हुई विशेष पूजा

संवाददाता

कुशीनगर। थाईलैंड की राजकुमारी बजरकितियाभा के 45 वें जन्मदिन पर बौद्ध भिक्षुओं ने विशेष पूजन अर्चन कर उनके दीघार्यु की कामना की। थाई मोनेस्ट्री के प्रमुख भिक्षु पी सोम पोंग की देखरेख में थाई भन्ते पी सों क्रांन, भन्ते पी पवीन, भन्ते डा0 नन्द रतन, भन्ते महेंद्र, भन्ते शीलवासा, भन्ते कुन्चुक लामा, भन्ते नंदका,भन्ते राजेन्द्र, भन्ते

शीलप्रकाश, भन्ते सागर, भन्ते आलोक, भन्ते विनय कीर्ति, भन्ते तेजेन्द्र, भन्ते आलोक,भन्ते उपाली ने मुख्य महापरिनिर्वाण मन्दिर में धम्म मंत्रों के बीच तथागत का विशेष पूजन अर्चन किया और चीवर चढ़ाकर राजकुमारी के दीघार्यु की कामना की। इसके पश्चात थाई मन्दिर में पहुंचकर बुद्ध का भिक्षुओं ने पूजन किया गया। इस अवसर पर अम्बिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, गौतम शर्मा, सूरज यादव आदि मौजूद रहे।

भाजपा की जीत पर खुश नजर आये संजय निषाद

बोले-पीएम मोदी के नेतृत्व में यूपी में करेंगे क्लीन स्वीप

संवाददाता

लखनऊ, । चार राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना में भारतीय जनता पार्टी की तीन राज्यों में बढ़त पर बीजेपी खेमे में खुशी की लहर है। इस जीत को लेकर उत्तर प्रदेश के मत्स्य मंत्री संजय कुमार निषाद की प्रतिक्रिया सामने आई है। संजय निषाद ने कहा कि ये जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व में मिली है। उन्होंने कहा ये चुनाव सेमी फाइनल था आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की 80 में से 80 सीटें जीतकर भारत का नया इतिहास बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल प्रबंधन, भाजपा कार्यकताओं का प्रयास और सहयोगी दलों के साथ रिपोर्ट कार्ड को सेवा के रूप में प्रदर्शित किया। इसे देखते हुए जनता ने हमें वोट दिया। इसके अलावा संजय निषाद ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग राजनीति करके वोट लेते हैं और हम लोगों ने जनता को न्याय, सुरक्षा और नीति दी इसीलिए हमारी जीत हुई।

रस्सी से लटका मिला ग्रामीण का शव

संवाददाता

रामपुर, । टांडा थाना क्षेत्र के गांव रफातपुर में मजदूर का शव आम के पेड़ पर लटका मिला। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्या या आत्महत्या के पहलू पर पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। टांडा थाना क्षेत्र के गांव ग्राम रफतफुर निवासी नन्हे का 45 वर्षीय बेटा रामप्रसाद मजदूरी करके बच्चों का पेट पालता था। शनिवार शाम को वह परिजनों से टांडा जाने

की बात कहकर घर से चला गया था।

देर रात तक जब ग्रामीण घर नहीं पहुंचा, तो परिजनों ने उसको गांव व रिश्तेदारी में पूरी रात तलाश किया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। करीब सुबह करीब नौ बजे जंगल जाते समय उसके शव को आम के पेड़ पर लटका देखा, तो उनकी चीख निकल गई। आसपास के लोग मौके पर आ गए। उसके बाद जानकारी मिलने के बाद ग्रामीण के परिजन भी आ गए। शव को देखकर रोना पीटना शुरू कर दिया। बाद में पुलिस भी आ गई। किसी तरह से लोगों की सहायता से शव को नीचे उतारा। बाद में उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई श्यामलाल ने बताया कि गांव में परिवार से किसी से कोई रंजिश नहीं है। मृतक के परिवार में पत्नी सावित्री देवी व तीन बेटियों तथा एक पुत्र है। युवक का शव रस्सी से बंधा हुआ था लेकिन जमीन से टिका हुआ था।

केजीएमयू के प्रो.अनिल गुप्ता राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित

लखनऊ, । किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग के एचओडी प्रो.अनिल गुप्ता को अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को डॉ.शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. अनिल गुप्ता को पुरस्कृत किया है।

इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया है। प्रो. अनिल गुप्ता को यह सम्मान दिव्यांगों के जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए दिया गया है। साल 2022-23 की बात करें तो महज एक साल में विभाग की ओपीडी में करीब 26 हजार मरीजों को इलाज मिला है। जिसमें दिव्यांगों के 450 पैर बनाये गये हैं। इसके अलावा 4500 स्पेशल जूते भी बनाये गये हैं। जिससे पैरों के टेढ़े पन की समस्या से जूझ रहे मरीजों को राहत मिली है। इस दौरान प्रो.अनिल गुप्ता ने अमृत विचार के साथ हुई बातचीत में बताया है कि विभाग में आने वाले दिव्यांग मरीजों को आत्मनिर्भर बनाने की एक कोशिश है।

इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अभी हमें और काम करने की जरूरत है। जिससे दिव्यांगजन आत्मनिर्भरता के साथ गुणवत्तापूर्ण जीवन जी सकें।

स्कूल प्रबंधक से मांगी रंगदारी, न देने पर जान से मारने की दी धमकी

संवाददाता

आजमगढ़,। यूपी के आजमगढ़ जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र के करतालपुर में स्थित एक निजी स्कूल के प्रबंधक से रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के मुताबिक स्कूल प्रबंधक आलोक मिश्रा से तीन लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है, साथ ही रुपए न देने पर जान से मार देने की धमकी भी दी गई है। मामले में पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पीड़ित ने बताया कि पड़ोस गांव छोटी हरैया के रहने वाले पियूष और उसके पिता जगदीश उपाध्याय अपराधी किस्म के है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग 11 सितंबर को कार्यालय में आए और कहा कि 35 साल पूर्व तुम्हारे पिता को डेढ़ लाख रुपये दिया हूं, उसे अब वापस कर दो। 26 को पिता-पुत्र पुनः आए और कहा कि आज अंतिम दिन है, शाम तक पैसा पहुंचा देना नहीं तो जान से मार देंगे।

हल्की हवाओं के साथ आसमान में बनी रहेगी बादलों की आवाजाही, बढ़ेगी ठंड

संवाददाता

भदोही। बंगाल की खाड़ी में पूर्व में आए चक्रवात मिचौंग के प्रभाव के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश में बादलों की आवाजाही दिखेंगी। जिसके कारण भदोही जनपदों में भी हल्के बादल छाये रहने के आसार है। मौसम वैज्ञानिक सर्वेश बरनवाल ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर अगले कुछ दिनों तक उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल सहित देश के विभिन्न भागों में पड़ने की संभावना प्रबल है। मिचौंग के कारण पूर्वा हवाएं बनी रहेगी, लेकिन उसकी गति में वृद्धि देखे जाने के भी आसार हैं जिससे सिहरन के साथ हवाएं 10 से 12 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच की गति से चल सकती हैं। प्रतिदिन आशिंक धूप होने से रात के तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जाएगी जबकि दिन का तापमान वर्तमान की तरह ही 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच देखा जाएगा। घने कोहरे का प्रभाव भी अभी जनपद में प्रतिदिन देखे जाने के आसार हैं। चक्रवात मिचौंग के कारण पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़,

झारखंड के कुछ क्षेत्र बारिश के प्रभाव में आएंगे। ऐसे में खेत में खड़ी अथवा कटी हुई धान की फसल को तत्काल संवारने की जरूरत है, मौसम के रूख को देखते हुए किसानों से अपेक्षा की गई है कि युद्ध स्तर पर धान की मड़ाई कर उत्पाद को सुरक्षित कर लें।

राजनीति में नया कल्चर

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभाओं के लिए निर्वाचित बीजेपी के 12 सांसदों में से 10 ने बुधवार को संसद से इस्तीफा दे दिया। बाकी दो के बारे में भी माना जा रहा है कि जल्दी ही इस्तीफा भिजवा देंगे। ये सब नवनिर्वाचित विधायकों के रूप में अपनी भूमिका जल्दी ही शुरू करेंगे। देश की राजनीति में संभवतः यह पहला ही मौका है, जब इतनी बड़ी संख्या में किसी पार्टी के सांसदों ने राष्ट्रीय राजनीति से हटकर प्रदेश राजनीति में सक्रिय भूमिका चुनी हो। बीजेपी में क्या नए चेहरे बनेंगे उटः इसका पहला परिणाम तो यह हुआ है कि तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही अटकलबाजी और दिलचस्प हो गई है। मध्य प्रदेश में मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ व राजस्थान में क्रमशः पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमण सिंह और वसुंधरा राजे सिंधिया पहले से इस पद के दावेदार बताए जा रहे हैं, लेकिन प्रेक्षकों का कहना है कि बीजेपी नेतृत्व तीनों राज्यों में नए चेहरे को कमान सौंपना चाहता है। इस रस्साकशी का नतीजा क्या निकलता है यह जल्द स्पष्ट होगा, लेकिन इस्तीफों के बाद यह संभावना मजबूत हो गई है कि पार्टी नेतृत्व इन नेताओं के अनुभव का लाभ उठाने की मंशा से इन्हीं में से किसी को मौका देना चाहेगा। दूसरा नतीजा यह है कि पार्टी के अंदर और बाहर इस सवाल पर भी चर्चा शुरू हो गई है कि इस्तीफों से खाली हुई जगहों को भरने का क्या इंतजाम होगा। चूंकि छह महीने के अंदर लोकसभा चुनाव होने हैं, इसलिए उपचुनावों की कोई संभावना नहीं है। लेकिन केंद्रीय मंत्रिमंडल में जो अहम पद खाली हुए हैं, उन्हें भरने की कोई पहल हो सकती है। स्वाभाविक ही पार्टी के अंदर इस बात को लेकर बेचैनी दिखने लगी है ऐसी कोई पहल होगी या नहीं और होगी तो किन्हें मंत्रिमंडल में प्रवेश का मौका मिलेगा। तात्कालिक सवालों से अलग होकर इस प्रकरण को देखा जाए तो साफ है कि मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री के रूप में भूमिका मिले या न मिले, सांसदी छोड़कर राज्यों में विधायक की भूमिका में आए ये नेता प्रदेश राजनीति को अलग ढंग से समृद्ध करेंगे। अव्वल तो केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में उनका अनुभव उन्हें अपेक्षाकृत छोटे कार्यक्षेत्र में चीजों को ज्यादा बारीकी से देखने का मौका देगा, जिसका लाभ बाकी विधायकों को ही नहीं, पार्टी और सरकार को भी मिल सकता है। दूसरी बात यह कि इनकी मिसाल से यह बात बार-बार रेखांकित होगी कि राजनीति सिर्फ अपनी निजी उपलब्धियों में इजाफा करने या अपना कद बढ़ाते रहने की जद्दोजहद का नाम नहीं है। पार्टी के प्रति समर्पण का यह रूप कम से कम बीजेपी में पॉलिटिक्स के नए कल्चर को मजबूती देगा, ऐसी उम्मीद निराधार नहीं कही जा सकती।

नए नेतृत्व का समय

तेलंगाना राज्य के गठन के बाद पहली बार कांग्रेस सत्ता में आई है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपनी टीम के साथ बडे.ही धूमधाम से सत्ता संभाल ली है। राज्य में कांग्रेस को बहुमत मिलने के तीन दिन बाद हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में स्वाभाविक ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत अन्य अनेक नेता मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह अगर शक्ति प्रदर्शन जैसा लगने लगा, तो आश्चर्य नहीं। चार राज्यों में बुरी तरह निराश हुई कांग्रेस के लिए तेलंगाना एक संजीवनी की तरह है। 119 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस ने अकेले 64 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत वाली सरकार बनाई और पड़ोसी कर्नाटक में भी उसी की सरकार है, अतः दक्षिण में कांग्रेस को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा क्षेत्र मिल गया है। रेवंत रेड्डी के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही सबसे बड़ी खबर यह है कि उन्होंने पहले ही दिन पार्टी के छह वादों को पूरा करने संबंधी फैसला ले लिया। स्वयं कांग्रेस पर यह आरोप रहा है कि वह अपने अनेक वादे निभा नहीं पाती है, पर अब राजनीति में यह परिपाटी बहुत मायने रखती है कि सत्ता संभालते ही पहला निर्णय वादों को पूरा करने के लिए लिया जाने लगा है। शायद जनता भी यही चाहती है। तेलंगाना में लोगों को महालक्ष्मी योजना के तहत 2,500 रुपये हर महीने, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा हासिल हो गई है। रायथु योजना, गृह ज्योति योजना, इंदिरम्मा इंदलु योजना, युवा विकासम योजना भी लागू हो गई है। ये सभी सीधे आर्थिक लाभ वाली योजनाएं हैं, अतः तेलंगाना में लोक-लुभावन योजनाओं का एक नया युग शुरू हो गया है। इन योजनाओं के साथ ही रेवंत रेड्डी को शासन-प्रशासन में सुधार के साथ ही तेलंगाना के विकास को भी तेज करना होगा। तेलंगाना की पिछली सरकार भ्रष्टाचार और परिवारवाद के चलते निशाने पर रहती थी, अब नए मुख्यमंत्री को इन कमियों से दूर रहना होगा। एक बात और ध्यान देने की है कि क्षेत्रीयता पर सियासी जोर के बजाय तेलंगाना को देश की मुख्यधारा से जोड़ना ज्यादा जरूरी है। यह काम कांग्रेस अगर ढंग से करती है, तो उसके लिए अच्छा होगा। नए नेतृत्व, युवा पीढ़ी और नए बदलावों के प्रति आग्रही राजनीतिक दलों का यह दौर है। कांग्रेस जगनमोहन रेड्डी के समय यह गलती कर चुकी है और आज आंध्र प्रदेश की सत्ता कांग्रेस के बजाय जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस के पास है। कांग्रेस को अपनी शैली ऐसी समावेशी रखनी चाहिए, ताकि वह पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश की तरह अपने ही पुराने नेताओं के हाथों हाशिये पर न डाल दी जाए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यात्रा के गौरवशाली 98 वर्ष

ANALYSIS

बृजनंदन राजू

देश दुनिया में आरएसएस नाम से विख्यात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है। संघ की तुलना किसी दूसरे संगठन से नहीं कर सकते क्योंकि तुलना करने के लिए भी इसके जैसा कोई होना चाहिए। इसीलिए बहुत से लोग स्वार्थवश संघ को बुरा-भला कहते हैं। कुछ लोग अज्ञानवश भी संघ की आलोचना करते हैं क्योंकि उनको संघ की असलियत पता नहीं है। नागपुर से शुरू हुआ संघ विशाल वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है। इस वटवृक्ष की छांव में भारत की संस्कृति और परम्परा पुष्पित पल्लवित हो रही है। आज 50 से अधिक संगठन विविध क्षेत्रों में संघ से प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं। यह सभी संगठन स्वायत्त जरूर हैं लेकिन उनके पीछे संघ की शक्ति ही सक्रिय है। विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाले संघ के आनुषांगिक संगठन विश्व के शीर्ष संगठनों में शुमार हैं। चाहे किसान संघ हो, मजदूर संघ हो, विद्यार्थी परिषद हो, वनवासी बंधुओं के बीच कार्य करने वाला संगठन वनवासी कल्याण आश्रम हो, शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती,धर्म के क्षेत्र में सक्रिय विश्व हिन्दू परिषद हो या फिर राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय भारतीय जनता पार्टी। यह सब विश्व में चोटी के संगठन हैं।

हिन्दू संगठन और राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने के जिस उद्देश्य को लेकर सन् 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, उस ध्येय पथ पर संघ निरन्तर बढ़ता जा रहा है। संघ अपनी विकास यात्रा के 98 वर्ष पूर्ण कर चुका है। उपेक्षा व विरोध का सतत सामना करते हुए अत्यंत विपरीत परिस्थितियों से पार पाते हुए संघ कार्य आज अनुकूलता की स्थिति में पहुंचा है। इन 98 वर्षों की यात्रा में हिन्दू संगठन के साथ-साथ आम लोगों का विश्वास जीतने और राष्ट्र जागरण के प्रयास में संघ पूर्णतया सफल रहा है। देश दुनिया में आरएसएस नाम से विख्यात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है। संघ की तुलना किसी दूसरे संगठन से नहीं कर सकते क्योंकि तुलना करने के लिए भी इसके जैसा कोई होना चाहिए। इसीलिए बहुत से लोग स्वार्थवश संघ को बुरा-भला कहते हैं। कुछ लोग अज्ञानवश भी संघ की आलोचना करते हैं क्योंकि उनको संघ की असलियत पता नहीं है। नागपुर से शुरू हुआ संघ विशाल वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है। इस वटवृक्ष की छांव में भारत की संस्कृति और परम्परा पुष्पित पल्लवित हो रही है। आज 50 से अधिक संगठन विविध क्षेत्रों में संघ से प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं। यह सभी संगठन स्वायत्त जरूर हैं लेकिन उनके पीछे संघ की शक्ति ही सक्रिय है। विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाले संघ के आनुषांगिक संगठन विश्व के शीर्ष संगठनों में शुमार हैं। चाहे किसान संघ हो, मजदूर संघ हो, विद्यार्थी परिषद हो, वनवासी बंधुओं के बीच कार्य करने वाला संगठन वनवासी कल्याण आश्रम हो, शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती,धर्म के क्षेत्र में सक्रिय विश्व हिन्दू परिषद हो या फिर राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय भारतीय जनता पार्टी। यह सब विश्व में चोटी के संगठन हैं। भाजपा की आज केन्द्र समेत देश के कई राज्यों में सरकार है। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री व राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण पदों पर संघ के स्वयंसेवक विराजमान हैं। इसलिए भी आज संघ के बारे में जानने को देश दुनिया में उत्सुकता बढ़ी है। किसी भी संगठन के बारे में जानने से पहले उस संगठन को शुरू करने वाले व्यक्ति के बारे में जानना जरूरी होता है। इसलिए यदि संघ को जानना है तो डॉ. हेडगेवार के जीवन के बारे में जानना होगा। उनके जीवन को समझे बिना संघ को नहीं समझा जा सकता। डॉ. हेडगेवार क्रान्तिकारी थे। मेडिकल की पढ़ाई के दौरान कलकत्ता में उनका क्रान्तिकारियों से संपर्क हुआ। पढ़ाई पूरी कर जब वह वापस नागपुर आये तो कांग्रेस में सक्रिय हो गये। कठोर परिश्रम, मितव्यी व्यवहार के कारण शीघ्र ही वह कांग्रेस में प्रान्तीय स्तर के नेता बन गये। बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु के बाद कांग्रेस का नेतृत्व महात्मा गांधी के हाथ में आ चुका था। तिलक की मृत्यु के पहले ही कांग्रेस नरम दल और गरम दल में विभक्त हो चुकी थी। क्रान्तिकारी अंग्रेजों की नाक में दम किये थे। कांग्रेस में तुष्टीकरण की नीति हावी हो रही थी। मुस्लिम कांग्रेसी वंदेमातरम गाने से इनकार कर रहे थे जबकि गांधी जी ने मुस्लिमों का विश्वास जीतने के लिए देश में खिलाफत आन्दोलन शुरू कर दिया। खिलाफत आन्दोलन का भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति से कोई मतलब नहीं था। तुर्की के खलीफा को उसकी गद्दी से हटा देने के बाद भारत के मुसलमानों ने इस आन्दोलन को शुरू किया था। आन्दोलन असफल हो गया। क्योंकि तुर्की के मुसलमान स्वयं खलीफा नहीं चाहते थे। आन्दोलन असफल होने से भारत में इसका उल्टा परिणाम हुआ। उन्होंने उल्टे हिन्दुओं पर हमले करने शुरू कर दिये। मोपला विद्रोह हुआ। इन सब घटनाओं का डॉ. हेडगेवार ने बारीकी से अध्ययन किया। उस समय की परिस्थिति को देखकर यह लग रहा था कि भारत जल्द आजाद होने वाला है। लेकिन आजादी के बाद देश का भविष्य क्या होगा इस बारे में स्पष्ट कल्पना लोगों के दिमाग में नहीं थी। डॉ. हेडगेवार ने सोचा आजादी तो हमें मिल जायेगी लेकिन क्या गारंटी है कि भारत दुबारा गुलाम नहीं होगा। उन्होंने भारत की गुलामी के कारणों का अध्ययन किया तो ध्यान में आया कि भारत धनधान्य से परिपूर्ण था,बड़े -बड़े शूरवीर योद्धा, उन्नत हथियार सारे संसाधन भारत में मौजूद थे। कमी एक चीज की थी कि स्वत्व का अभाव था। यहां का समाज आपस में जातियों में बंटा था। तब ध्यान में आया कि अगर हम एक नहीं हुए तो हम पिटते रहेंगे लुटते रहेंगे और गुलाम बनते रहेंगे। डॉ. हेडगेवार ने निश्चय किया कि हम एक ऐसा संगठन बनायेंगे जिससे जुड़े युवाओं के मन में राष्ट्रभक्ति की भावना, भारत की परम्परा और संस्कृति के प्रति अनुराग और गौरव का भाव होगा। इस महान कार्य के लिए उन्होंने बच्चों को चुना। वह बच्चों के साथ खेलते, उन्हें कहानियां सुनाते और उनसे भी सुनते। शाखा शुरू हुई। धीरे-धीरे कार्यपद्धति का विकास हुआ। दायित्व का नामकरण, आज्ञा, प्रार्थना और गुरू दक्षिणा शुरू हुई। देशकाल परिस्थिति के अनुसार राष्ट्र रक्षा के स्वरूप और प्रक्रिया में बदल आता रहता है। कोई भी संगठन समय और परिस्थिति के अनुसार अगर बदल नहीं करता है तो उसकी स्वीकार्यता समाप्त हो जाती है। ब्रह्म समाज और आर्य समाज कितना बड़ा संगठन था आज उनकी संपत्तियों को देखने वाला कोई नहीं है। कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना भी करीब उसी कालखण्ड में हुई थी आज समाप्ति की ओर है। इसलिए डॉ. हेडगेवार ने शाखा रूपी अनोखी कार्य पद्धति विकसित की। शाखा में नित्य जाना होता है। जबकि देश दुनिया के किसी संगठन में नित्य मिलन की कोई व्यवस्था नहीं है। कोई भी व्यक्ति नजदीक की संघ शाखा में जाकर संघ में सम्मिलित हो सकता है। उसके लिए कोई भी शुल्क या पंजीकरण की प्रक्रिया नहीं है। 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करीब 70 हजार शाखाओं के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का अहर्निश कार्य कर रहा है। उपेक्षा,उपहास,विरोध सहते हुए तथा अनेक झंझावातों को पार करते हुए संघ कार्य आज निरंतर बढ़ रहा है। आजादी के बाद संघ की बढ़ती शक्ति कांग्रेस को हजम नहीं हो रही थी। विभाजन के बाद संघ के स्वयंसेवकों ने जिस तरह कार्य किया उसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही थी। इसी दौरान देश के दुर्भाग्य से महात्मा गांधी की हत्या हो गयी। 04 फरवरी 1948 को संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। संघ स्वयंसेवकों को यातनाएं दी गयी। ऐसे कठिन समय में स्वयंसेवकों ने धैर्य का परिचय दिया। उस प्रतिबंध काल में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नाम से गतिविधियां शुरू की गयी। प्रतिबंध की अग्निपरीक्षा से संघ और तप कर निकला और कार्य विस्तार शुरू किया। उस समय संघ का पक्ष रखने वाला कोई दल नहीं था। आवश्यकता महसूस हुई कि कोई राजनीतिक दल होना चाहिए जो कम से कम हमारी आवाज संसद में उठाये। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने सहयोग मांगा तो गुरूजी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जनसंघ में भेज दिया। संघ सत्ता से अलग रहकर समाज परिवर्तन में विश्वास रखता है क्योंकि सत्ता द्वारा परिवर्तन स्थायी नहीं होता है। संघ राजनीति नहीं करता लेकिन राष्ट्रनीति जरूर करता है। वह राजनीति पर अंकुश जरूर रखता है। वहीं देशभर में दो लाख सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में समरसता लाने का कार्य कर रहे हैं। सर्वविदित है कि अनुसूचित जाति जनजाति के बीच उत्थान का सर्वाधिक कार्य संघ ने किया। आज कश्मीर घाटी में भी हजारों सेवा कार्य चल रहे हैं। ताकि कश्मीरियों के जीवन व व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सके। परम् वैभवन्नेतुमेतत् स्वराष्ट्रम्। यानी संघ का उद्देश्य राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाना है। यह संघ के स्वयंसेवकों की 98 वर्षों की तपस्या का फल है कि आज संघ निरन्तर बढ़ता जा रहा है। अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए समय के साथ परिवर्तन किसी भी जीवंत संगठन का लक्षण है। इन 97 वर्षों में केवल गणवेश ही नहीं, संघ की प्रार्थना, आज्ञाएं, घोष की रचनाएं, सेवा-संपर्क-प्रचार जैसे कार्य विभाग व सामाजिक समरसता,ग्राम विकास, गो सेवा, धर्मजागरण,कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण व जल संरक्षण जैसी अन्यान्य गतिविधियां शुरू की गयीं। संघ कार्यपद्धति की यह अनोखी मिसाल है जो अन्य किसी संगठन में देखने को नहीं मिलेगी। संघ ने इस अवधि में डॉ. हेडगेवार के बाद पांच सरसंघचालक देखे हैं। डॉ. हेडगेवार और गुरूजी ने जो परम्परा शुरू की उसी परम्परा के तहत संघ के सरसंघचालक तय होते हैं। संघ अब सर्वव्यापी के बाद सर्वस्पर्शी संगठन बन चुका है। संघ का उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित कर उसे शक्तिशाली बनाना है। हिन्दू समाज को सामर्थ्य संपन्न और बलशाली बनाना संघ का अंतिम लक्ष्य है। अगर संघ नहीं होता तो आज जो देश में कुछ समस्याएं दिख रही हैं वह कहीं अधिक विकराल होतीं। संघ के कारण ही देश में हिन्दुत्व का वातावरण बना है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर भव्य दिव्य राममंदिर का निर्माण हो रहा है। एक समय ऐसा भी था जब हिन्दू कहना अपमानजनक लगता था । सांस्कृतिक जागरण के कारण आज लोग हिन्दू कहलाने में गर्व की अनुभूति कर रहे हैं। संघ अपने स्थापना काल से राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने के जिस उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ा था आज 98 वर्ष की यात्रा के बाद भी लक्ष्य से भटका नहीं है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वैदिक अनुसंधान की आधुनिक प्रेरणा

भारत जब विश्वगुरु था, तब दुनिया में मानवीय सभ्यता का विकास नहीं हुआ था। लोग भारत में आकर ज्ञान प्राप्त करते थे। वर्तमान सरकार ने इस गौरव को शिक्षा नीति में स्थान दिया। इसके अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे आत्मसात किया। अब राज्य में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक में व्यापक सुधार देखने को मिल रहे हैं। यही कारण है कि विदेशी अखबारों ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था के विषय में लिखा कि उत्तर प्रदेश की शिक्षा में क्रांतिकारी सुधार हो रहा है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का संदेश विद्यार्थियों को नई प्रेरणा देने वाला है। वह भारत की गौरवशाली विरासत पर गर्व करती हैं। वह कहती हैं कि ज्ञान और अनुसंधान के आधार पर ही भारत विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित था। नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारत को फिर विश्व गुरु बनाना संभव होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का संबोधन ऐतिहासिक रहा। उन्होंने कहा कि वैदिक काल से ही हमारे अनुसंधान अत्यंत समृद्ध थे। महर्षि भारद्वाज के विमान प्रौद्योगिकी पर किए गए शोध तो सदैव प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि राइट ब्रदर्स द्वारा विमान के आविष्कार से आठ वर्ष पहले ही भारत में मुंबई की चौपाटी पर अठारह सौ फीट की ऊंचाई पर विमान का परीक्षण किया गया था। भारत में एक ही साथ जल, थल एवं नभ पर उड़ान भर सकने वाले विमान का निर्माण प्राचीन काल में ही किया जा चुका था, इसका वर्णन प्राचीन साहित्य में मिलता है। हमें इस बात का गौरव होना चाहिए। खास बात यह है कि जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ विश्वविद्यालय के दीक्षांत

समारोह का शुभारम्भ किया गया। महत्वपूर्ण यह है कि लखनऊ विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा एकेडमिक ऑटोनमी में ग्रेड वन का दर्जा दिया गया है। एनआईआरएफ में 200वीं रैंक मिली है। दरअसल भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति विदेशी छात्रों को भी भा रही है। भारत आज स्पेस, स्टार्टअप, ड्रोन, एनिमेशन,इलेक्ट्रिक व्हीकल, सेमीकंडक्टर जैसे कई सेक्टर में युवाओं के लिए नए अवसर तैयार कर रहा है। कुलपति प्रो आलोक राय ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या में कहा कि भारत में शिक्षा के महत्व की चर्चा बहुत प्राचीन और विश्व प्रसिद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने फिर से भारतीय मानस के अद्भुत योगदान की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया। भारत में शिक्षा के महत्व को सदैव स्वीकार किया गया है। हमारा मानना था कि शिक्षा मुक्तिदाता होनी चाहिए जो हमें सभी बंधनों से मुक्त कर दे। हम सभी अपने मूल सृजनात्मक शुद्ध स्वभाव से सत्यान्वेषी, सत्यनिष्ठ एवं सदाचारी बनें, ऐसी प्रार्थनाएं हमारे सभी गुरुकुलों में गूंजती रही हैं। अतीत के गौरव को याद करने का महत्व भविष्य में ऊर्जा प्रदान करने में सहायक बन सकता है जिसे हम अपने कार्यों और संकल्पों के माध्यम से उज्ज्वल बना सकते हैं। पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव का विचार है कि यह समय हमारी आजादी का अमृत काल है। आज दुनिया में छह में से एक डॉक्टर भारतीय है। इसी तरह पूरी दुनिया में पांच में से एक नर्स भारतीय है। इस विश्वविद्यालय में आध्यात्मिक साधना के क्षेत्र में ऐसे महान विद्वान, वैज्ञानिक, लोक सेवक, सामाजिक कार्यकर्ता, विचारक और लेखक हैं। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ। शंकर दयाल शर्मा भी यहीं के विद्वान विद्वान थे। विश्वविद्यालय का उदेश्य शिक्षा, अनुसंधान और नवीन तरीकों के माध्यम से ज्ञान के प्रसार के लिए मानव संसाधन विकसित करना है। भारत में 900 से अधिक विश्वविद्यालय और पचास हजार से अधिक उच्च शिक्षा संस्थान हैं। इनमें तीन करोड़ से अधिक विद्यार्थी हैं। भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। सबसे बड़ी ऊंचाई यह है कि इस समय भारत में करीब अस्सी हजार विदेशी छात्र हैं जबकि सात लाख भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के अनुसार भारत में कई अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने की जबरदस्त क्षमता है। राष्ट्रीय क्षमताओं और संसाधनों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

Social Media Corner

सच के हक में...

देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के 'भाषणों' को सुनें... जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

आज से 4 दशक पहले मैंने एवीबीपी के कार्यकर्ता के रूप में अपनी छात्र राजनीति की शुरूआत की थी। संगठनकार्यों में मिली सीख व अनुभव और स्वामी विवेकानंद जी के राष्ट्रसेवा के विचार सदैव मेरी शक्ति रहेंगे। आज दिल्ली में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन में परिषद के कार्यकताओं से संवाद करने के लिए उत्सुक हूँ।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सुरक्षा बलों के शौर्य और पराक्रम को नमन किया। देश सेवा में उनका योगदान अतुलनीय है। इस अवसर पर राज्य सैनिक बोर्ड के सचिव द्वारा आज झंडा लगाया गया। इसे लगवाकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

(पूर्व सीएम रघुवर दास का 'एक्स' पर पोस्ट)

बढ़ता जल संकट और गंभीर चुनौतियां

संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में जल संकट लगातार गहरा रहा है। कई राज्य भू-जल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। रिपोर्ट में ऐसा अनुमान लगाया गया है कि पूरे उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में 2025 तक गंभीर रूप से भू-जल संकट गहरा सकता है। यह काफी हद तक सच है। जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून और उस पर निर्भर जल संसाधनों पर खराब असर पड़ा है। इसका बड़ा उदाहरण हैदराबाद में 30 झीलों का सूख जाना है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार अगस्त में हैदराबाद की 185 झीलों में से 30 के सूखने की सूचना मिली थी। कुछ झीलों पर अतिक्रमण किया जा चुका है। शेखपेट, कुकटपल्ली, मेडचल-मल्काजगिरी और कुतुबुल्लापुर की झीलें सूखे से सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं, लेकिन यह संकट इससे भी कहीं ज्यादा गंभीर है। देश के कई हिस्सों को कई बड़ी नदियों के सूखने के साथ जल संकट का सामना करना पड़ता है। भारत में दुनिया की आबादी का 18 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि देश के पास सिर्फ चार प्रतिशत जल संसाधन हैं। यह आंकड़ा भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा पानी की कमी वाले देशों में से एक बनाता है। यही वजह है कि पिछले कुछ साल से गर्मी आते ही पानी भारत में सोने की तरह कीमती चीज बनती जा रही है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार बड़ी संख्या में लोग जल संकट का सामना करते हैं। पानी की जरूरत के लिए भारत की अनियमित मानसून पर निर्भरता इस चुनौती को और बढ़ा रही है। इससे लाखों लोगों का जीवन और आजीविका खतरे में हैं। फिलहाल 60 करोड़ भारतीयों पर गंभीर जल संकट मंडरा रहा है और पानी की कमी और उस तक पहुंचने में आने वाली मुश्किलों की वजह से हर साल लगभग दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। 2030 तक देश की पानी की मांग, उपलब्ध आपूर्ति से दोगुनी होने का अनुमान है। इससे लाखों लोगों के लिए पानी की गंभीर कमी और देश के सकल घरेलू उत्पाद में करीब छह प्रतिशत का नुकसान होने का अनुमान है। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से पानी की चुनौतियां और बढ़ी हैं। लगातार हो रहे जलवायु परिवर्तन ने पानी के स्रोतों में बाढ़ या सूखे जैसी स्थिति पैदा कर दी है। नीति आयोग की भू-जल संरक्षण समिति के सदस्य उमाशंकर पाण्डेय का कहना है कि स्थिति तो सचमुच गंभीर है। मगर हार मानने से इसका हल नहीं होगा। इसके लिए सरकार के साथ सामुदायिक और स्वैच्छिक प्रयास बहुत जरूरी हैं। जल संरक्षण भी जरूरी है। साथ में पानी की बरबादी को भी रोकना होगा। वह कहते हैं कि बांदा जिले में उनके गांव जखनी में एक समय पानी की घोर कमी थी। हाल यह था कि डेढ़ सौ फीट पर भी पानी नहीं आता था। इसके लिए उन्होंने करीब साढ़े तीन दशक तक 'खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़' अभियान चलाया। पुरखों की इस विधि से गांव में शुरू किए गए सामुदायिक अभियान ने सूखे को मात दे दिया। पद्मश्री से सम्मानित उमाशंकर पाण्डेय का कहना है कि इस विधि की वजह से कुछ साल में ही बरसात का पानी खेतों में ठहरने लगा। खेतों में पानी की ठहराव होने की वजह से मिट्टी के क्षारीय स्वभाव में भी बदलाव आया। मिट्टी की उर्वरा शक्ति बेहतर हुई। दो साल की बारिश में मेड़ पर लगे अरहर और करौंदा जैसे छोटे पेड़ बड़े होकर मेड़ को मजबूती प्रदान कर फल भी देने लगे। 2018 में बांदा के तत्कालीन जिलाधिकारी डॉ. हीरालाल ने तो जखनी मॉडल को बुंदेलखंड के जलसंकट का स्थाई समाधान मानते हुए इसे प्रशासनिक प्रोत्साहन दिया। उन्होंने जखनी मॉडल को जिले की सभी 470 ग्राम पंचायतों में लागू किया। इसकी भनक नीति आयोग को लगी तो उसकी टीम ने इस मॉडल का निरीक्षण किया। टीम ने यह माना कि बुंदेलखंड जैसे सूखाग्रस्त इलाकों के लिए किसान समुदाय 'खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़' के सूत्र का पालन कर जलसंकट से उबारने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

अमेरिका क्यों है चुप

खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर विडियो जारी कर खुली धमकी दी है कि वह 13 दिसंबर को या उससे पहले भारतीय संसद पर हमला करेगा। ध्यान रहे, 13 दिसंबर ही वह तारीख है जब 22 साल पहले 2001 में संसद भवन को आतंकी हमले का निशाना बनाया गया था। पन्नू की यह धमकी ऐसे समय आई है, जब संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है। यह 22 दिसंबर को समाप्त होना है। अमेरिका ने क्यों दी है पन्नू को छूटः ऐसे में संसद की सुरक्षा व्यवस्था का पहलू तो अहम है ही जिस पर सुरक्षा एजेंसियां सभी जरूरी कदम उठा ही रही होंगी, लेकिन बड़ा सवाल यह भी है कि किसी देश की संसद पर हमले की खुलेआम धमकी देने वाला शख्स कैसे दो-दो देशों की नागरिकता धारण किए हुए वहां का सम्मानित नागरिक बना हुआ है। इसी पन्नू की हत्या की कथित साजिश का मसला अमेरिका बार-बार उठा रहा है। हालांकि भारत कह चुका है कि इस मामले की पूरी गहराई से जांच कराई जाएगी। ऐसी उच्चस्तरीय जांच शुरू हो भी चुकी है। यह मसला बेशक गंभीर है, लेकिन अमेरिका को यह भी सोचना होगा कि आखिर पन्नू जैसे लोगों को मनमानी करने की छूट वहां कैसे और क्यों मिली हुई है। भारत विरोधी हरकतों का लंबा इतिहासः यह कोई पहला मौका नहीं है जब पन्नू और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों की धमकी दी है। इनकी भारत विरोधी गतिविधियों का लंबा इतिहास है। इसी संगठन के बैनर तले कनाडा समेत कई देशों के बड़े शहरों में खालिस्तान पर कथित जनमत संग्रह कराया जाता रहा है। पिछले साल इन्हीं खालिस्तान समर्थक तत्वों ने एक परेड निकाली थी, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के दृश्य की झांकी को भी शामिल किया गया था। भारत के दूतावासों के सामने हिंसक प्रदर्शन और तोड़फोड़ की घटनाओं में भी इन तत्वों की शिरकत स्थापित हो चुकी है। सवाल राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता काः ऐसे में चाहे कनाडा हो या अमेरिका या अन्य यूरोपीय देश, सबको इस बात पर गौर करने की जरूरत है कि इन मामलों को लेकर उनके रवैये में ऐसा ढीलापन आखिर क्यों दिख रहा है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अदाणी ने निवेश के लिए खोला पिटारा

नई दिल्ली।

उत्तराखंड में दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आगाज हो गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस दौरान सबसे पहले अदाणी ग्रुप ने उत्तराखंड में बड़े निवेश का ऐलान किया।सम्मेलन में पहुंचे अदाणी एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रणव अदाणी ने आमंत्रित करने के लिए प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देहरादून मेरे दिल में एक खास जगह रखता है। उन्होंने देहरादून ही नहीं, पूरे उत्तराखंड को भौतिक और आध्यात्मिक अनुभवों का खजाना बताया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर कोई और स्थान इतने सारे पवित्र स्थलों का प्रवेश द्वार होने का दावा नहीं कर सकता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि लोग उत्तराखंड को 'देवभूमि' कहते हैं। उत्तराखंड अब निजी क्षेत्र के निवेश के लिए भारत के सबसे आकर्षक प्रवेश द्वारों में से एक बन गया है। क्योंकि, पिछले पांच सालों के विकास और राज्य की स्थिति के दृष्टिकोण से तेजी से बदलाव देखा गया है। उन्होंने इसके लिए सिंगल पॉइंट क्लियरेंस, जमीन की वाजिब कीमतें, सस्ती बिजली और बेहतर डिस्ट्रिब्यूशन, कुशल कामगार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से करीबी और बेहतरीन कानून-व्यवस्था के माहौल को कारण बताया। उनके मुताबिक वर्तमान में अदाणी समूह उत्तराखंड में गैस डिस्ट्रिब्यूशन और सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग तक फैली हुई है। प्रणव अदानी के मुताबिक इंडियन ऑयल और अदाणी टोटल गैस के जॉइंट वेंचर, आईओएजीपीएल, के माध्यम से अदाणी डॉमेस्टिक, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल सभी ग्राहकों को प्राकृतिक गैस पहुंचा रहे हैं। इसके अलावा स्वच्छ ईंधन को सर्वसुलभ बनाने के लिए अदाणी समूह 200 स्टेट ट्रांसपोर्ट बसों को पर्यावरण-अनुकूल सीएनजी बसों में बदलने में योगदान दे रहा है। इसके साथ ही उत्तराखंड में अदाणी समूह अंबुजा सीमेंट्स की मौजूदा क्षमता को बढ़ाने के लिए 1,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा, इसके अलावा रूड़की प्लांट की क्षमता को मौजूदा 1.2 मिलियन टन प्रति वर्ष से अगले साल के आखिर तक 3 मिलियन टन प्रति वर्ष तक ले जाने के लिए 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

शांगहाई मुक्त व्यापार पायलट क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय उच्च-मानक आर्थिक और व्यापार नियम को जोड़ेगा

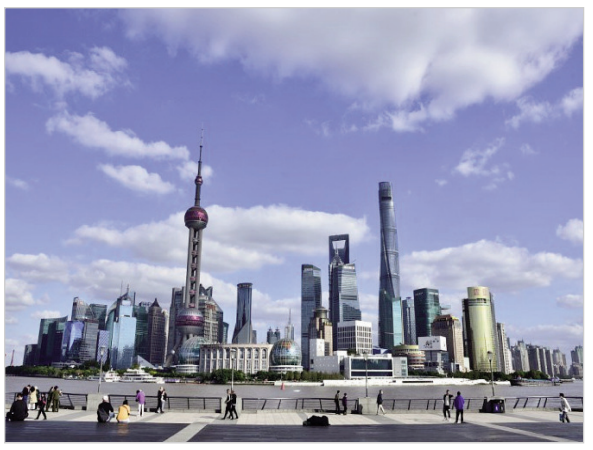

बीजिंग।

चीनी राज्य परिषद ने हाल में अंतर्राष्ट्रीय उच्च-मानक आर्थिक और व्यापार नियम को चतुर्मुखी तौर पर जोड़कर शांगहाई मुक्त व्यापार पायलट क्षेत्र का उच्च स्तरीय संस्थागत खुलापन बढ़ाने के बारे में समग्र योजना जारी की। राज्य परिषद के न्यूज कार्यालय ने शुक्रवार को आयोजित नियमित न्यूज ब्रीफिंग में इसकी जानकारी दी। वाणिज्य मंत्रालय के संबंधित अधिकारी ने कहा कि समग्र योजना में 80 कदम पेश किए गए।

चीन तनाव परीक्षण बढ़ाकर देश में संबंधित क्षेत्रों में सुधार गहराने के साथ उच्च स्तरीय संस्थागत खुलेपन को बढ़ावा देगा। बताया जाता है कि 80 कदमों के तहत शांगहाई मुक्त व्यापार पायलट क्षेत्र चतुर्मुखी तौर पर अंतर्राष्ट्रीय उच्च-मानक आर्थिक और व्यापार नियम को जोड़ेगा। शांगहाई मुक्त व्यापार पायलट क्षेत्र में सेवा व्यापार का खुलापन बढ़ाया जाएगा। माल व्यापार के उदारीकरण और सुविधा का स्तर उन्नत किया जाएगा। डेटा का साझाकरण बढ़ाया जाएगा। ट्रेडमार्क, पेटेंट और भौगोलिक संकेत आदि की रक्षा की जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय नियम को जोड़कर खरीद प्रक्रिया का अनुकूलन किया जाएगा। संबंधित प्रबंधन व्यवस्था में सुधार किया जाएगा और जोखिम नियंत्रण व्यवस्था का निर्माण मजबूत किया जाएगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा बयान, 2024 को लेकर की बड़ी घोषणा

देहरादून।

डेस्टिनेशन उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपना संबोधन दिया। इस बार प्रधानमंत्री मोदी पहाड़ी टोपी में नजर आए। अभी हाल ही में हुए 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में बीजेपी सरकार बनने से खुश और उत्साहित पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव पर बहुत बड़ा बयान दिया। देहरादून में उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने केंद्र में अपनी सरकार के तीसरे टर्म में आने की घोषणा कर दी। उन्होंने देश में लगातार विकास और पॉलिसी लेवल पर सुधार पर बोलते हुए सभी निवेशकों का आह्वान किया कि उत्तराखंड में अधिक से अधिक निवेश करें।

इस दौरान पीएम मोदी ने ऐलान किया कि उनके तीसरे टर्म में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इसका मतलब साफ है कि पीएम मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव को जीतने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त और कॉन्फिडेंट हैं।प्रधानमंत्री ने संबोधन में अपनी लिखी कविता पढ़ी, जहां अंजुली में गंगाजल हो, जहां हर एक मन बस निश्छल हो, जहां गांव-गांव में देशभक्त, जहां नारी में सच्चा बल हो, इस देशभूमि का आशीर्वाद लिए मैं चलता जाता हूं, इस देवभूमि के ध्यान में सदा धन्य हो जाता हूं, हे भाग्य मेरा सौभाग्य मेरा, मैं तुमको शीष नवाता हूं। इस कविता के बाद प्रधानमंत्री ने हाल ही में हुए उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल हादसे का जिक्र किया। उन्होंने उत्तरकाशी टनल के सफल रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए राज्य सरकार समेत सभी का अभिनंदन किया और कहा कि उत्तराखंड राज्य में डिविनिटी और डेवलपमेंट का अनुभव एक साथ होता है। उन्होंने भावनाओं और संभावनाओं को निकट से देखा है, अनुभव किया है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ साल पहले वो बाबा केदार के दर्शन के लिए निकले थे, तभी अचानक उनके मुंह से निकला था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा और ऐसा हो भी रहा है। आज हर से गांव, कस्बा, शहरों को जोड़ने का काम राज्य सरकार तेजी के साथ कर रही है। राज्य में छोटी सड़कों से लेकर चारधाम मार्ग पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने जिक्र किया कि देहरादून और पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तार से एयर कनेक्टिविटी सशक्त होगी। सरकार हेली टैक्सी सेवाओं को विस्तार दे रही है।

एलन मस्क ने कहा, डिज़्नी के सीईओ बॉब आइगर को तुरंत हटाएं

सैन फ्रांसिस्को।

विज्ञापन वापस लेने से नाराज एलन मस्क ने कहा है कि डिज्नी के सीईओ बॉब आइगर को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए। दरअसल, मनोरंजन की दिग्गज कंपनी ने एक्स से विज्ञापन वापस ले लिया क्योंकि एलन मस्क ने अपने मंच पर कथित यहूदी विरोधी साजिश का समर्थन किया था। एलन मस्क ने अपनी लेटेस्ट पोस्ट में कहा, बॉब आइगर को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। जब एक फॉलोअर ने उनसे पूछा कि एक्स को डिज्नी के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक फिल्म स्टूडियो शुरू करना चाहिए तो मस्क ने जवाब दिया, शायद हमें ऐसा करना चाहिए। डिज़्नी ने एलन मस्क को तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। पिछले महीने द न्यूयॉर्क टाइम्स डीलबुक समिट में मस्क ने डिज़्नी के सीईओ के खिलाफ आइगर के बयान पर निशाना साधा था। उन्होंने दर्शकों से कहा, यह विज्ञापन बहिष्कार कंपनी को ख़त्म करने जा रहा है। और पूरी दुनिया को पता चल जाएगा कि उन विज्ञापनदाताओं ने कंपनी को खत्म किया और हम इसका विस्तृत दस्तावेजीकरण करेंगे। मस्क के एक्स पर यहूदी विरोधी सामग्री को बढ़ावा देने की वजह से पिछले कुछ हफ्तों में जिन कंपनियों ने एक्स पर विज्ञापन रोक दिया है या हटा लिया है उनमें एप्पल, कॉमकास्ट/ एनबीसी यूनिवर्सल, डिज़्नी, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी, आईबीएम, पैरामाउंट ग्लोबल, लायंसगेट और यूरोपीय आयोग शामिल हैं। आइगर ने कहा

था, हमें बस यह महसूस हुआ कि एलन मस्क और एक्स के साथ जुड़ाव जरूरी नहीं कि हमारे लिए सकारात्मक हो। रिपोर्ट के मुताबिक, 100 से अधिक ब्रांडों ने अपने विज्ञापन रोक दिए हैं और कंपनी को साल के अंत तक 75 मिलियन डॉलर का नुकसान होने का खतरा है।

भारत 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर: पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार और उद्योग के सामूहिक प्रयासों से भारत 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, ताकि पूर्ण रूप से विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सके। मंत्री ने शीर्ष व्यापार संगठन फिक्की की 96वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पहले ही मजबूत बुनियादों के साथ 'फ्रेजाइल 5' से निकलकर दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है।

उन्होंने बताया कि देश का 600 अरब डॉलर का मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार सबसे कठिन समय में भी स्थिर रहा है, चाहे वह भू-राजनीतिक उथल-पुथल हो जैसे कि यूक्रेन में युद्ध या महामारी। निवेशकों ने भारत में रहने और बाहर न जाने को प्राथमिकता दी है, जिससे पता चलता है कि उन्हें देश की अर्थव्यवस्था पर कितना भरोसा है। उन्होंने कहा कि विदेशी बैंकर भी भारतीय मुद्रा को दुनिया में सबसे सुरक्षित मानते हैं।

गोयल ने कहा कि देश की विदेशी मुद्रा स्थिति इतनी मजबूत है कि अगले पांच से छह वर्षों तक मौजूदा चालू खाते के घाटे पर देश के आयात का ध्यान रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों में भारी मंदी और यहां तक कि संकट के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास के साथ आगे बढ़ रही है। इससे दूसरे देशों के बीच देश का सम्मान बढ़ा है और इसके बाजार के बड़े आकार को देखते हुए अन्य देश भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए उत्सुक हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि कुछ देश ऐसे भी हैं जिन्हें इस बात की शिकायत है कि भारत व्यापार समझौतों के मामले में उन्हें पीछे छोड़ देगा। मंत्री ने उद्योग जगत के दिग्गजों को आश्वासन दिया कि भारत व्यापार समझौतों में अपने हितों से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ भी सरकार व्यापार मुद्दों पर अपनी बात पर कायम है।

प्याज निर्यात पर अगले साल मार्च तक प्रतिबंध

मुंबई । देश में प्याज की बढ़ती कीमत को नियंत्रित करने के लिए मोदी सरकार ने बड़ी कार्यवाही की है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर रोकथाम के लिए प्याज के निर्यात पर अगले साल मार्च तक प्रतिबंध लगा दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्याज के निर्यात की नीति को 31 मार्च, 2024 तक मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया गया है। गौरतलब है कि घरेलू बाजार में प्याज की कीमत 60 से 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। प्याज और टमाटर की बढ़ती कीमतों के कारण नवंबर में सामान्य शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत में मासिक आधार पर वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्याज और टमाटर की कीमतों में मासिक आधार पर 58 प्रतिशत तथा 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण दाम बढ़े हैं। त्योहारी मांग और अनियमित वर्षा के कारण खरीफ के मौसम में कम उत्पादन के कारण प्याज और टमाटर की कीमतों में वृद्धि हुई।

मेगा बिटकॉइन रैली का कमाल, 5 प्रतिशत से अधिक की उछाल पर 2,382 डॉलर पर पहुंचा एथेरियम

नई दिल्ली। बिटकॉइन की प्रभावशाली रैली, जिसका लक्ष्य अब प्रति कॉइन 50,000 डॉलर तक पहुंचना है, ने एथेरियम और सोलाना जैसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी को नई ऊंचाई पर पहुंचने में मदद की है। एथेरियम (ईटीएच) 5 प्रतिशत से अधिक उछला और शुक्रवार को 2,382 डॉलर पर पहुंच गया, जो मई 2022 के बाद इसका उच्चतम स्तर है।कॉइनडेस्क की रिपोर्ट के अनुसार, सोलाना (एसओएल) 8 प्रतिशत से अधिक उछलकर 69 डॉलर पर पहुंच गया, जो मई 2022 के बाद सबसे अधिक है। इस सप्ताह की शुरुआत में 45,000 डॉलर के करीब चढ़ने के बाद, बिटकॉइन शुक्रवार को 43,500 डॉलर के आसपास मंडरा रहा था। ईथर क्लासिक (ईटीसी) में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि लिक्विड स्टेकिंग प्रोटोकॉल लिडो के गवर्नेंस टोकन (एलडीओ) में 11 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हुई। क्रिप्टो एनालिटिक्स फर्म सेंटिमेंट के मुताबिक, व्यापारियों को डर है कि क्रिप्टो बाजार इस समय तेजी के जाल में फंस सकता है। बिटकॉइन की कीमतों में उछाल ने मई 2022 के बाद पहली बार क्रिप्टो बाजार पूंजीकरण को 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक बढ़ा दिया है, जब टेरा क्रिप्टो टोकन के पतन ने क्रिप्टो विंटर की शुरुआत की थी। व्यापक आर्थिक माहौल भी बिटकॉइन की कीमत में वृद्धि का समर्थन कर रहा है। डिजिटल एसेट इन्वेस्टमेंट फर्म गैलेक्सी के शोध प्रमुख एलेक्स थॉर्न के हवाले से कहा गया, 'कुछ फेड अधिकारियों की बातचीत, कमजोर डॉलर और अपेक्षाकृत मजबूत घरेलू आंकड़ों ने वीकेंड में बाजारों को आगे बढ़ाने में मदद की।' बिटकॉइन में अब तक 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, और यह जोखिम-समायोजित आधार पर दुनिया की सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली संपत्तियों में से एक है। विश्लेषकों ने कहा, चलने के बावजूद, बिटकॉइन बहुत रचनात्मक बना हुआ है।

आरबीआई ऋण उत्पादों के वेब-एग्रीगेटर्स के लिए नियामक ढांचा लाएगा

चेन्नई। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही ऋण उत्पादों के वेब-एग्रीगेशन के लिए नियामक ढांचा तैयार करेगा क्योंकि ग्राहकों को अब नुकसान हो रहा है।दास ने कहा, उपभोक्ताओं के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले ऋण उत्पादों के ऐसे वेब-एग्रीगेशन से संबंधित कई चिंताएं हमारे ध्यान में आई हैं। दास ने कहा, इसलिए, ऋण उत्पादों के वेब-एग्रीगेशन के लिए एक नियामक ढांचा तैयार करने का निर्णय लिया गया है। इससे डिजिटल ऋण देने में ग्राहक को केंद्र में रखा जा सकेगा और पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।उन्होंने कहा कि आरबीआई ने अगस्त/सितंबर 2022 में डिजिटल ऋण देने के लिए नियामक ढांचा पेश किया था। डिजिटल ऋण पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसी सेवाएं भी शामिल हैं जो ग्राहकों के मार्गदर्शन के लिए ऋणदाताओं के सभी ऋण उत्पादों को एक साथ पेश करती हैं (जिन्हें ऋण उत्पादों का वेब-एकत्रीकरण कहा जाता है)।

मॉनेटरी पॉलिसी रिव्यू से झूमा बाजार, निफ्टी 50 पहली बार 21,000 के पार

मुंबई ।

आरबीआई के मॉनेटरी पॉलिसी रिव्यू के बाद घरेलू शेयर बाजारों में जोरदार उछाल दिखाई दिया। शुक्रवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 304 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 68 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि व्यापक बाजारों में तेज मुनाफावसूली देखी गई और दोनों बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 1 प्रतिशत तक नीचे आ गए। केंद्रीय बैंक ने रीपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा और वित्त वर्ष 2024 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया।

इसके पहले मॉनेटरी पॉलिसी रिव्यू से उत्साहित होकर दोपहर के कारोबार में निफ्टी 50 बेंचमार्क ने पहली बार 21,000 का आंकड़ा पार किया। निफ्टी 50 को 20,000 से 21,000 अंक पार करने में 60 कारोबारी सत्र लगे। निफ्टी 50 ने इसी साल 11 सितंबर को पहली बार 20 हजार के स्तर को छूआ था। बीएसई सेंसेक्स में भी बढ़त रही और यह 300 अंक उछलकर 69,888 के नए ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी दोनों की बढ़त कुछ कम हो गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 303.91 अंक की बढ़त के साथ 69,825.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शुक्रवार को 69,506.12 और 69,893.80 के रेंज में कारोबार हुआ।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 68.25 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,969.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शुक्रवार को 20,862.70 और 21,006.10 के रेंज में कारोबार हुआ।

दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को उम्मीद के अनुरूप लगातार पांचवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इस 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इकोनॉमिक ग्रोथ रेट के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया। वहीं खुदरा महंगाई के अनुमान को 5.4 फीसदी पर बरकरार रखा। रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का सीधा मतलब है कि मकान, वाहन सहित विभिन्न कर्जों पर ईएमआई में कोई बदलाव नहीं होगा।

यूट्यूब पर गूगल के जेमिनी एआई डेमो वीडियो को लेकर उठ रहे सवाल

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने अपना जेमिनी नाम से नया एआई मॉडल लॉन्च किया, लेकिन कंपनी का वीडियो जिसका टाइटल 'हैंड्स-ऑन विद जेमिनी- इंटरेक्शन विद मल्टीमॉडल एआई' था, जिसे केवल एक दिन में 1.5 मिलियन से अधिक बार देखा गया, वह काफी हद तक नकली हो सकता है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, जेमिनी का वीडियो डेमो इमेज के साथ ट्यून किए गए टेक्स्ट प्रॉम्प्ट की एक सीरीज दिखाता है, जो स्पष्ट रूप से चयनित और छोटा किया गया है ताकि यह दर्शाया जा सके कि इंटरैक्शन वास्तव में कैसी है। रिपोर्ट में कहा गया, ऐसा प्रतीत होता है कि जेमिनी ने वास्तव में वीडियो में दिखाई गई प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की हैं। लेकिन दर्शकों को स्पीड, एक्यूरेसी और मॉडल के साथ बातचीत के बुनियादी तरीके के बारे में गुमराह किया जाता है। गूगल ने कहा कि वीडियो जेमिनी के वास्तविक आउटपुट दिखाता है और हमने गूगल डीपमाइंड के रिसर्च वीपी ओरिओल विनाइल्स ने एक्स पर पोस्ट किया कि वह 'हैंड्स-ऑन विद जेमिनी' वीडियो में रुचि देखकर खुश हैं। हमने इस मामले में जेमिनी को विभिन्न तौर-तरीकों की इमेज और टेक्स्ट के अनुक्रम दिए और आगे क्या हो सकता है इसकी भविष्यवाणी करके प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, वीडियो में सभी यूजर्स प्रांप्ट और आउटपुट वास्तविक हैं, संक्षिप्तता के लिए संक्षिप्त किए गए हैं। वीडियो दिखाता है कि जेमिनी के साथ निर्मित मल्टीमॉडल यूजर एक्सपीरियंस कैसा दिख सकता है। हमने इसे डेवलपर्स को प्रेरित करने के लिए बनाया है। गूगल ने बुधवार को तीन पुनरावृत्तियों में कई प्रमुख बेंचमार्क में अत्याधुनिक प्रदर्शन के साथ अपने सबसे सक्षम और सामान्य मॉडल जेमिनी को पेश कर जेनेरिक एआई दौड़ को तेज कर दिया। पहला वर्जन, जेमिनी 1.0, विभिन्न आकारों के लिए अनुकूलित है: अल्ट्रा, प्रो और नैनो। गूगल का एआई चैटबॉट बार्ड ज्यादा एडवांस रीजनिंग, प्लानिंग, अंडरस्टैंडिंग के लिए जेमिनी प्रो के लिए एक बेहतर वर्जन का इस्तेमाल करेगा।

होंडा जल्द ला रही है इलेक्ट्रिक बाइक

-बाइक जापान और यूरोप में भी होगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

टू व्हीलर बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल के कई विकल्प मौजूद हैं। कई स्कूटर और बाइक्स अब इलेक्ट्रिक अवतार में आपको नजर आ जाएंगे। इसी को देखते हुए लंबे समय से होंडा एक्टिवा के इलेक्ट्रिक वेरिएंट की मांग की जा रही थी। कुछ समय पहले इसको लॉन्च करने की भी बातें सामने आई थीं। लेकिन अब कंपनी पहले इलेक्ट्रिक बाइक को लेकर प्लान कर रही है। खबर है कि होंडा आने वाले समय में इलेक्ट्रिक बाइक इंडियन ऑटोमोबाइल बाजार में लॉन्च करने जा रही है।जानकारी के अनुसार होंडा 2024 में ही अपनी एक बाइक को भारतीय बाजार में उतार देगी। इसके बाद इसे जापान और यूरोप में भी लॉन्च किया जाएगा। इस मोटरसाइकिल में कई तरह की खासियत भी होंगी जो इसे पूरी तरह से अलग बनाएंगी। आइये आपको बताते हैं ये कैसे दूसरी गाड़ियों को टक्कर देगी। होंडा ने बाइक में बेहतरीन टेक्नोलॉजी दी है और ये बाइक स्वैपेबल बैट्री के साथ दी जाएगी। जिसके चलते इसके साथ आपको रेंज की समस्या नहीं होगी। इस बात की जानकारी होंडा मोटरसाइकिल और पावर प्रोडक्ट्स इलेक्ट्रिफिकेशन बिजनरेस डवलपमेंट यूनिट के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर डाइकी मिहारा ने कहा कि 2024 में कंपनी इंडिया में स्वैपेबल बैटरी वाली एक मोटरसाइकिल लॉन्च करेगी और इसके बाद इसको जापान और यूरोप में भी पेश किया जाएगा। गौरतलब है कि होंडा 2030 तक 30 नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें ग्लोबली लॉन्च करने जा रही है। इन बाइक्स में एडवांस

कनेक्टिविटी के साथ ही ओटीए अपडेट और डाटा कले के शन सिस्टम जैसी टेक्नोलॉजी दी जाएंगी। बाइक्स की रेंज को भी काफी बेहतर बनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि कंपनी स्वैपेबल बैटरी टेक्नोलॉजी के साथ ही इसका इंफ्रास्ट्रक्चर भी देश में डवलप करेगी। वहीं कंपनी आने वाले समय में एलएफपी बैटरी सेल का यूज मोटरसाइकिलों में करेगी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर को बढ़कर 604 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। चार माह में पहली बार विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार हुआ है। इससे पहले इस साल 11 अगस्त को विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से ऊपर था। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को दिसंबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर, 2023 को 604 अरब डॉलर था। इससे हम अपनी बाहरी वित्तपोषण जरूरतों को सुगमता से पूरा कर सकते हैं। इससे पहले 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 597.93 अरब डॉलर था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसके बाद पिछले साल से वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपये को दबाव से बचाने के लिए केंद्रीय बैंक ने इस भंडार का इस्तेमाल किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। दास ने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने और मजबूत अमेरिकी मुद्रा के बावजूद 2023 के कैलेंडर साल में भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्रा की तुलना में कम रहा है।

गंगा में डुबकी लगा करें विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी को बनारस तथा काशी के नाम से ही जाना जाता है जो उत्तर प्रदेश राज्य के उत्तरी भारत में प्रमुख शहर है। पवित्र नदी गंगा के किनारे स्थित इस शहर का हिन्दुओं के लिए अत्यंत धार्मिक महत्व है। वाराणसी काशी विश्वनाथ मंदिर का घर है जो भगवान शिव का समर्पित है। इसमें बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक स्थापित हैं। ऐसा कहा जाता है कि यह मंदिर कई बार बनाया गया। नवीनतम संरचना जो आज यहां दिखाई देती है वह 18वीं शताब्दी में बनी थीं। हजारों धार्मिक यात्री यहां पवित्र ज्योतिर्लिंगम के दर्शन करने के लिए उनके अभिषेक के अवसर पर यहां जमा होते हैं, जिसमें गंगा नदी का पानी लिया जाता है।

इसके धार्मिक महत्व के अलावा यह मंदिर वास्तुकला की दृष्टि से भी अनुपम है। इसका भव्य प्रवेश द्वार देखने वालों की दृष्टि में मानो बस जाता है। ऐसा कहा जाता है कि एक बार इंदौर की रानी अहिल्या बाई होलकर के स्वप्न में भगवान शिव आए। वे भगवान शिव की भक्त थीं और इसलिए उन्होंने 1777 में यह मंदिर निर्मित कराया। विश्वनाथ खण्ड को पुरान शहर भी कहा जाता है जो दशाश्व मेध घाट और गोदुलिया के बीच मणिकर्णिका घाट के दक्षिण और पश्चिम तक नदी की उत्तर दिशा में वाराणसी के मध्य स्थित है। यह पूरा क्षेत्र ही घूमने योग्य है जहां अनेक मठ और लिंग हर कोने में दिखाई देते हैं और यहां धार्मिक यात्रियों, पंडों की गतिविधियां तथा भक्तों को मंदिर में अर्पित करने की सामग्री की दुकानें बड़ी संख्या में हैं।

सकरी गलियों से विश्वनाथ गली तक पहुंचते हुए यह विश्वनाथ या विश्वेश्वर मंदिर सभी के भगवान माने जाते हैं और इसके शिखर पर स्वर्ण लेपन होने के कारण इसे स्वर्ण मंदिर भी कहते हैं। परिसर के अंदर, जो एक दीवार के पीछे छुपा है और यहां एक अत्यंत अनोखे प्रकार के द्वार से पहुंचा जाता है, जो भारत का सबसे महत्वपूर्ण शिवलिंग है और यह चिकने काले पत्थर से बना हुआ है और इसे ठोस चांदी के आधार में रखा गया है। महाकाल और दण्ड पाणी के करुद्ध संरक्षकों के आश्रम और अविमुक्तेश्वर के लिंग भी इस मंदिर के संकुल में हैं। यहां भक्त जन आकर संकल्प करते हैं और पंच तीर्थ यात्रा शुरू करने के पहले अपने मन की भावना यहां व्यक्त करते हैं। मुख्य सड़क पर कुछ उत्तर दिशा में 13वीं शताब्दी में बनी रजिया की मस्जिद दिखाई देती है जो पूर्व विश्वनाथ मंदिर के भग्नावशेषों के साथ खड़ी है।

वाराणसी एक ऐसा स्थान कहा जाता है जहां प्रथम ज्योतिर्लिंग है, शिव द्वारा प्रकाश के उज्जवल स्तंभ से अन्य देवाओं पर उनकी श्रेष्ठता प्रदर्शित होती है जो पृथ्वी की पर्त तोड़ कर निकली और स्वर्ग की ओर इसकी ज्वाला गई। यहां घाटों और गंगा नदी के अलावा मंदिर में स्थापित शिव लिंग वाराणसी का धार्मिक आकर्षण बना हुआ है।

मंदिर और धर्मिक ज्ञान की पाठशाला बनारस

बनारस शहर में अनगिनत मंदिर हैं। जगन्नाथ मंदिर अस्सीघाट के निकट स्थित है। इस मंदिर का निर्माण 17वीं शताब्दी में पुरी के प्रसिद्ध मंदिर के अनुकृति के रुप में किया गया था। आषाढ़ महीने (जून-जुलाई) में यहां भी रथ यात्रा आयोजित की जाती है। लक्ष्मीनारायण पंचरत्न मंदिर भी अस्सीघाट के निकट है। अस्सी संगमेश्वर मंदिर भी यहीं पर है।

अन्नपूर्णा मंदिर- काशी विश्वनाथ मंदिर से कुछ ही दूरी पर माता अन्नपूर्णा का मंदिर है। इन्हें तीनों लोकों की माता माना जाता है। कहा जाता है कि इन्होंने स्वयं भगवान शिव को खाना खिलाया था। इस मंदिर की दीवाल पर चित्र बने हुए हैं। एक चित्र में देवी कलछी पकड़ी हुई हैं।

साक्षी गणेश मंदिर- पंचकरोशी यात्रा को पूरा कर तीर्थयात्री साक्षी गणेश मंदिर को देखने जरुर आते हैं। इस मंदिर के दर्शन के बाद ही वे अपनी यात्रा को पूर्ण मानते हैं।

लोलार्क कुंड- तुलसीघाट से पैदल दूरी पर पवित्र लोलारक कुंड है। महाभारत में भी इस कुण्ड का उल्लेख मिलता है। रानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस कुण्ड के चारों तरफ कीमती पत्थर से सजावट करवाई थी। यहां पर लोलाकेश्वर का मंदिर है। भादो महीने (अगस्त-सितम्बर) में यहां मेला लगता है।

दुर्गा कुंड- अस्सी रोड से कुछ ही दूरी पर आनन्द बाग के पास दुर्गा कुण्ड है। यहां संत भास्करानंद की समाधि है। यहां पर एक दुर्गा मंदिर भी है। मंगलवार और शनिवार को इस मंदिर में भक्तों की काफी भीड़ रहती है। इसी के पास हनुमान जी का संकटमोचन मंदिर है। महत्ता की दृष्टि से इस मंदिर का स्थान काशी विश्वनाथ और अन्नपूर्णा मंदिर के बाद आता है।

केदारेश्वर मंदिर- केदार घाट के पास केदारेश्वर मंदिर है। यह मंदिर 17वीं शताब्दी में औरंगजेब के कहर से बच गया था। इसी के समीप गौरी कुण्ड है। इसी को आदि मणिकार्णिका या मूल मणिकार्णिका कहा जाता है।

मणिकार्णिका घाट के समीप विष्णु चरणपादुका है। इसे मार्बल से चिन्हित किया गया है। इसे काशी का पवित्रतम स्थान कहा जाता है। अनुश्रुति है कि भगवान विष्णु ने यहां ध्यान लगाया था। इसी के समीप मणिकार्णिका कुण्ड है। माना जाता है कि भगवान शिव का मणि तथा देवी पार्वती का कर्णफूल इस कुण्ड में गिरा था। चक्रपुष्करर्णी एक चौकोर कुण्ड है। इसके चारो ओर लोहे की रेलिंग बनी हूई है। इसे विश्व को पहला कुण्ड माना जाता है। यहां का काली भैरव मंदिर भी प्रसिद्ध है। यह मंदिर गोदौलिया चौक से 2 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में टाउन हॉल के पास स्थित है। इसमें भगवान शिव की रौद्र मूर्ति स्थापित है। इसी के नजदीक बिंदू महावीर मंदिर है। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय- यह विश्वविद्यालय गोदौलिया चौक से 31.5 किलोमीटर दक्षिण में है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना पंडित मदन मोहन मालवीय ने की थी। यहां का भारत कला भवन संग्रहालय काफी समृद्ध है। इस संग्रहालय में लगभग 100000 वस्तुएं हैं जो नौ गैलरियों में रखी गई हैं। इसी परिसर में प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर भी है। मानसिंह वेधशाला भी इसी परिसर में स्थित है। पत्थरों की बनी यह वेधशाला के अब ध्वंशावशेष ही शेष बचे हैं। यह वेधशाला पर्यटकों के लिए सूर्योदय से सूर्यास्त तक खुली रहती है। शुक्रवार तथा सार्वजनिक अवकाश के दिन यह बंद रहता है। मन मंदिर घाट के पास एक स्मारक भी है। नदी के दूसरी ओर रामनगर किला तथा संग्रहालय है। (समय10-30 बजे सुबह से शाम 4-30 बजे तक, जुलाई से अप्रैल महीने तक, 7-30 बजे सुबह से 12-30 दोपहर तक मई से जून महीने के बीच, रविवार तथा विश्वविद्यालय में छुट्टी के दिन बंद)

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यवकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली -3028

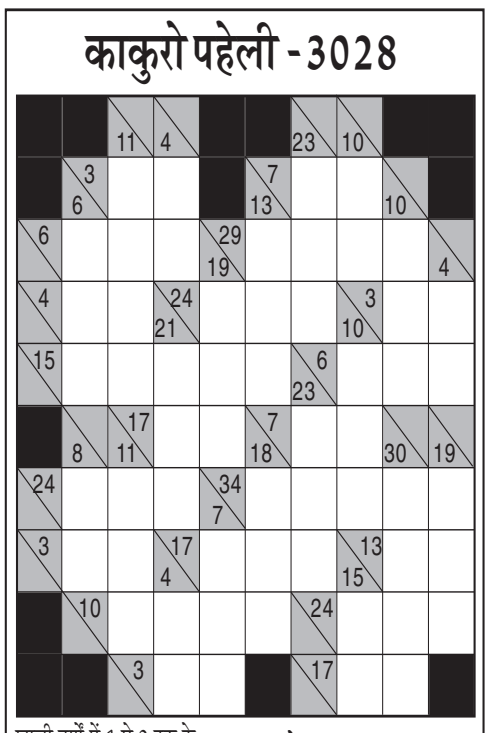

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

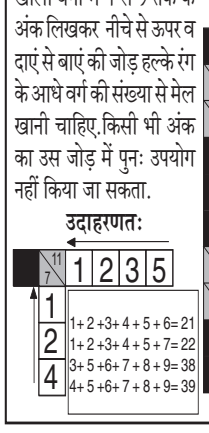

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3027 का हल

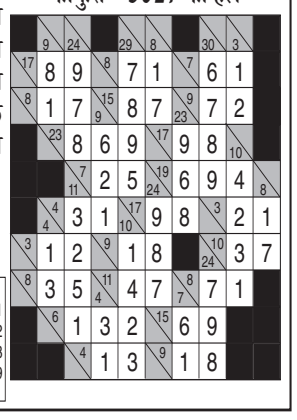

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

□ □ □

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3028

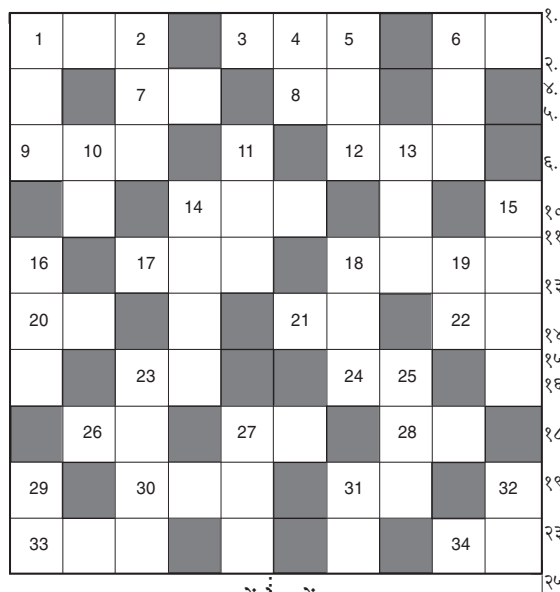

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, खवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3027

अ	न	मो	ल	■	फि	जा	■	य	श
भ	■	ह	व	स	■	न	गिं	स	■
य	■	ब्ब	■	नी	ल	म	■	बॉ	बी
■	जी	तें	द्र	■	ख़	■	जीं	स	■
घा	त	■	■	आ	ई	ना	■	■	मु
त	■	आ	वा	रा	■	रा	जा	जा	नी
क	री	ना	■	ध	■	ज	■	■	म
■	ना	■	बे	ना	म	■	मौ	■	जी
हे	■	दा	ता	■	हि	रा	स	त	■
मा	या	■	ब	ल	मा	■	म	■	माँ

सूडोकु -3028

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3027 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3028

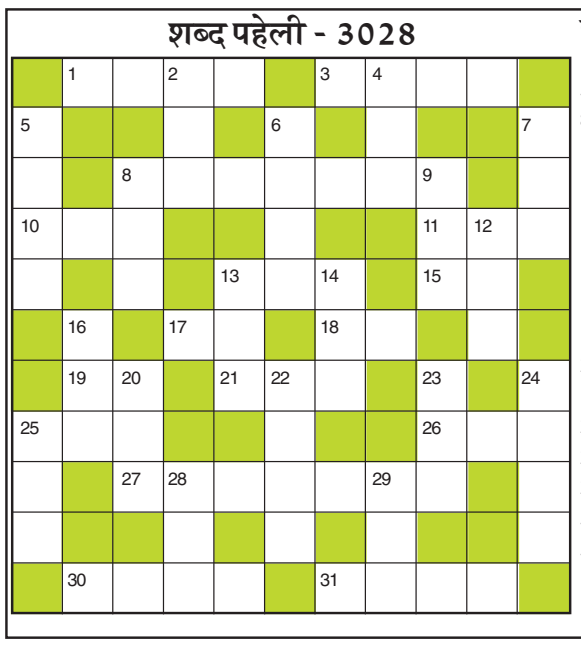

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -3027का हल

स	ज	दा	क	र	ना	■	म	त	वा	ला	
ह	रा	■	त	■	का	म	ना	■	दा	वा	
न	■	वे	र	ह	म	■	ना	रा	■	रि	
शी	ल	वा	न	■	या	द	■	नी	र	स	
ल	■	प	■	ख़	ब	र	धी	■	न	■	
ता	र	न	हा	र	■	का	न	भ	र	ना	
■	म	■	र	ह	ब	र	■	यं	■	प	
प्र	ण	य	■	रा	हु	■	ब	क	वा	स	
ति	■	दा	स	■	बे	क	रा	र	■	व्द	
का	न	■	चि	रा	ग	■	म	■	क	हो	
र	म	जा	न	■	म	द	द	क	र	ना	

अंडर 19 एशिया कप 2023 में भारत का जीत के साथ आगाज, अर्शिन कुलकर्णी का बेहतरीन प्रदर्शन

मुंबई (एजेंसी)। एशियन क्रिकेट काउंसिल अंडर 19 मेंस एशिया कप 2023 का आगाज हो चुका है। वहीं इस आगाज के साथ ही भारत की जीत भी हुई है। दरअसल, भारत ने अपने पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया है। जबकि पाकिस्तान ने भी नेपाल को सात विकेट से ही हराया।

भारत की ओर से अर्शिन कुलकर्णी ने अपने ऑलराउंडर खेल से सबका दिल जीत लिया। अर्शिन ने पहले गेंदबाजी करते हुए आठ ओवर में महज 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए और फिर बैटिंग के दौरान नॉचआउट 70 रनों की पारी खेली। उनके ऑलराउंडर खेल ने सबका दिल जीत लिया। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए अफगानिस्तान को 50 ओवर में 173 रनों पर समेट दिया। अफगानिस्तान की ओर से जमशिद जदरान ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। जवाब में भारत ने 37.3 ओवर में ही तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

अर्शिन 70 जबकि मुशीर खान 48 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। भारत ने 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 76 रनों तक तीन विकेट गंवा दिए थे। आदर्श सिंह 17 रन बनाकर आउट हुए थे। अर्शिन हालांकि, एक छोर संभाले रखे। रुद्र पटेल के रूप में भारतीय टीम को दूसरा झटका लगा था, जबकि कप्तान उदय सहारन भारत की ओर से आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज थे।

ऐसा लग रहा था कि अफगानिस्तान की टीम कुछ उलटफेर कर सकती है, लेकिन अर्शिन और मुशीर ने इसके बाद काफी सूझबूझ से बैटिंग की और भारत को एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के पहले मैच में जीत दिलाई।

शेन वॉटसन बने क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी शेन वॉटसन क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच बन गए हैं। जानकारी के अनुसार वह पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के आगामी संस्करण के लिए क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच नियुक्त हुए है। फ्रेंचाइजी ने इसकी घोषणा कर दी है। घोषणा में टूर्नामेंट के उद्घाटन के बाद से ग्लेडियेटर्स का पहला कोच परिवर्तन देखा गया, क्योंकि पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मोइन खान, जिन्होंने आठ साल तक कोच के रूप में कार्य किया, को टीम निदेशक की भूमिका में पदोन्नत किया गया। टीम के मालिक नदीम उमर ने टीम के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा कि शेन संन्यास लेने से पहले देश की प्रीमियर लीग के शुरुआती सीज़न में क्वेटा ग्लेडियेटर्स की सफलता का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और टीम को प्रशिक्षित करने और उन गौरवशाली दिनों को वापस लाने के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है जिनके लिए हम प्रसिद्ध हैं।

गौरतलब है कि वॉटसन का ऑस्ट्रेलिया के लिए एक ऑलराउंडर के रूप में शानदार करियर रहा है, उन्होंने टीम के हिस्से के रूप में 2007 और 2015 में विश्व कप जीता था। 42 वर्षीय वॉटसन ने 2020 में सभी क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह 2022 में अपने पूर्व ऑस्ट्रेलिया टीम के साथी रिकी पोंटिंग के साथ सहायक कोच के रूप में आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हुए। इस साल की शुरुआत में, उन्हें मेजर लीग क्रिकेट फ्रेंचाइजी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। ग्लेडियेटर्स अपने पहले चार संस्करणों के दौरान पीएसएल की सबसे लगातार फ्रेंचाइजी थी, जब वे तीन बार फाइनल में पहुंचे, और 2019 में खिताब भी हासिल किया है।

वर्ल्ड कप 2023 फाइनल की पिच को औसत करार दिया गया, आईसीसी ने दी चौंकाने वाली रेटिंग

मुंबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की उस पिच को औसत करार दिया है जिस पर 19 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे विश्व कप का फाइनल खेला गया था। आईसीसी मैच रेफरी और जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज एंडी पाइक्रॉफ्ट ने हालांकि मैदान की आउटफील्ड को बहुत अच्छा करार दिया। जिस पिच पर फाइनल खेला गया वह काफी धीमी थी। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को छह विकेट से हराकर खिताब जीता था। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में केवल 240 रन बना पाई। ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 120 गेंद पर 137 रन की लाजवाब पारी खेली। भारत लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमशः कोलकाता, लखनऊ, अहमदाबाद और चेन्नई की जिन पिचों पर खेला था, आईसीसी ने उन्हें भी औसत करार दिया है।। भारत ने सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम कि जिस पिच पर न्यूजीलैंड का सामना किया था, आईसीसी ने उसे 'अच्छी' रेटिंग दी है। इस मैच से पहले हालांकि मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया था कि कि भारत ने पिच बदलवा दी थी और यह मैच नई पिच के बजाय पहले इस्तेमाल की गई पिच पर खेला गया था। आईसीसी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस की उस पिच को भी औसत करार दिया है जिस पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला गया था। इस कम स्कोर वाले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 49.4 ओवर में 212 रन पर समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद 47.2 ओवर में सात विकेट होकर लक्ष्य हासिल किया था।

महिला क्रिकेट टीम के लिए इंग्लैंड के खिलाफ आज करो या मरो का मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। पहले मैच में हार से आहत भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीन मैचों की श्रृंखला में बने रहना हैं, तब इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड ने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करके 38 रन से जीत दर्ज की और इस तरह से भारत पर दबदबा बनाए रखा। इंग्लैंड की यह भारत के खिलाफ 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 21वीं और भारतीय धरती पर 10 मैच में आठवीं जीत थी।

भारतीय टीम पहले मैच में परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल नहीं बिठा सकी थी और इसके अलावा टीम ने कुछ गलतियां भी की थी जिससे यह मैच एकतरफा बन गया था। सपाट पिच पर गेंदबाजों को खास मदद नहीं मिल रही थी तथा भारत ने चार स्पिनरों का उपयोग किया जिन्होंने कुल मिलाकर 12 ओवर में 121 रन लुटाए। भारत ने बाएं हाथ की दो स्पिनर श्रेयंका पाटिल और सैका इशाक को पदार्पण का मौका दिया लेकिन इन दोनों का अपनी गेंदों पर नियंत्रण नहीं था और वे महंगे साबित हुए। यहां तक की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा भी प्रभावित नहीं कर पाई और

उन्होंने अपने कोटे के पूरे चार ओवर भी नहीं किए।

भारत का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा तथा इंग्लैंड की तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाली डैनी वाट और नेट साइवर ब्रंट दोनों को जीवनदान मिले, जो भारतीय टीम को महंगे पड़े। भारत की तरफ से गेंदबाजी में केवल तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के पहले ओवर में ही दो विकेट निकालकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा पाई और उसने इंग्लैंड को वापसी का मौका दिया।

संजय बांगड़ की आईपीएल में वापसी, पंजाब किंग्स के क्रिकेट विकास प्रमुख के तौर पर हुई वापसी

मुंबई । पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए अपना क्रिकेट विकास

प्रमुख नियुक्त किया। पूर्व भारतीय आल राउंडर 2014 में फ्रेंचाइजी के सहायक कोच थे जब टीम उप विजेता रही थी। अगले दो सत्र में वह मुख्य कोच थे जब टीम तालिका में निचले स्थान पर रही थी। बांगड़ ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''फिर से पंजाब किंग्स के साथ होना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' बांगड़ टीम के मुख्य कोच ट्रेवर बेलिस के साथ मिलकर काम करेंगे और दोनों 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली आईपीएल नीलामी के लिए योजना बनायेंगे। बांगड़ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बल्लेबाजी सलाहकार थे जिसके बाद अगले दो साल के लिए उन्हें टीम का मुख्य कोच नियुक्त कर दिया गया। पंजाब किंग्स ने पांच खिलाड़ियों को रिलीज किया है जिसमें तमिलनाडु के शाहरूख खान भी शामिल हैं।

डब्ल्यूपीएल सीजन 2024: 9 दिसंबर को डब्ल्यूपीएल नीलामी का आयोजन

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन की नीलामी शनिवार 9 दिसंबर को मुंबई में होगी। वहीं इस बार नीलामी में कुल 165 खिलाड़ियों की बोली लगेगी जिसमें 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगी। इन 61 विदेशी खिलाड़ियों में 15 एसोसिएट नेशन की प्लेयर्स होंगी। डब्ल्यूपीएल 2024 का आगाज अगले साल फरवरी मार्च में होने की संभावनाएं हैं, हालांकि अभी तक अधिकारिक तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। नीलामी के बाद बीसीसीआई जल्द इसका भी ऐलान करेगा। नीलामी में शामिल 5 टीमों- दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स, यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास कुल 30 स्लॉट खाली हैं। जिसमें 9 स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के हैं। अब देखने वाली बात ये होगी कि इन 165 खिलाड़ियों में से किन 30 प्लेयर्स की किस्मत चमकती है। आइए डब्ल्यूपीएल ऑक्शन से जुड़ी कुछ अहम जानकारियों पर एक नजर डालते हैं।

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप: भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में कोरिया को हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारत ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके जूनियर महिला हॉकी विश्व कप के नौवें से 12वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया। गुरुवार को खेले गए इस मैच में भारत की तरफ से रोपनी कुमारी (23वें मिनट), मुमताज खान (44वें) और अन्नू (46वें) ने गोल किए। कोरिया की तरफ से एकमात्र गोल जियुन चोई (19वें) ने किया।

पहले क्वार्टर में कोरिया का दबदबा रहा और इस दौरान उसने पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीम ने एक दूसरे पर दबाव बनाने का प्रयास किया। चोई ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके कोरिया को बढ़त दिलाई लेकिन रोपनी ने भी पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को बराबरी दिला दी।

मध्यांतर तक दोनों टीम 1-1 से बराबरी पर थी। भारत ने तीसरे क्वार्टर में दबदबा बनाया और इस बीच मुमताज ने पेनाल्टी कार्नर पर गोल करके टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद अन्नू ने चौथे क्वार्टर के शुरू में मैदानी गोल करके भारत की जीत सुनिश्चित की। भारत के पास अभी नौवें स्थान पर रहने का मौका है। वह टूर्नामेंट के अपने अंतिम मैच में शनिवार को चिली या अमेरिका से भिड़ेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे के लिए कीवी टीम का ऐलान

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के साथ शुरु होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए तीन नए खिलाड़ियों वाली 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। वनडे कप्तान केन विलियमसन, टिम साउदी, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर, ग्लेन फिलिप्स और डेवोन कॉनवे को घरेलू सत्र से पहले आराम दिया गया है। इसकारण टॉम लैथम को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया गया है और इस टीम में तीन नए खिलाड़ियों में ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन, तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के और लेगस्पिनर आदि अशोक को टीम में शामिल किया गया है। माइकल ब्रेसवेल, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, जेम्स नीशम, बेन लिस्टर और हेनरी शिपली चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। ट्रेंट बोल्ट ने खुद को चयन के अलग कर दिया था न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा, 'इस साल सर्दियों में क्रिकेट की मात्रा और तीव्रता का मतलब है कि हमें खिलाड़ियों के लिए कार्यभार के साथ संतुलन बनाने की जरूरत है, विशेषकर उन खिलाड़ियों के लिए जो कई प्रारूप खेलते हैं उन्हें संतुलन की आवश्यकता भी होगी और कुछ खिलाड़ियों को उनका पहला कॉल-अप देने में सक्षम होना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा, 'जोश वह व्यक्ति है, जिसने अभी भी युवा होते हुए भी स्टैग्स के लिए 150 से अधिक मैच खेले हैं, लगातार योगदानकर्ता बनने के लिए बल्ले और गेंद के साथ अपने कौशल को विकसित किया है। वे और विल दोनों अभी भी घरेलू क्रिकेट में नए हैं, लेकिन शुरुआती दौर में प्रभावशाली रहे हैं इस साल ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड 17 दिसंबर को बंगलादेश के खिलाफ पहला एकदिवसीय मैच खेलेगा। दूसरा एकदिवसीय मुकाबला 20 दिसंबर को नेल्सन में और तीसरा 23 दिसंबर को नेपियर में होगा।

न्यूजीलैंड की टीम - टॉम लैथम (कप्तान), आदि अशोक (दूसरे और तीसरे मैच के लिए), फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूर्के, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी (पहले मैच) और विल यंग।

आज होगा अरबनाइजर्स हैदराबाद और मणिपाल टाइगर्स के बीच फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुरेश रैना की कप्तानी वाली अरबनाइजर्स हैदराबाद की टीम लीजेंड्स लीग 2023 के फाइनल में मणिपाल टाइगर्स से भिड़ेगी जिसकी अगुआई दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह कर रहे हैं। मणिपाल टाइगर्स टीम ने क्वालीफायर 2 में गौतम गंभीर की टीम इंडिया कैपिटल्स को 6 विकेट से हराकर हैदराबाद संग खिताब भिड़ंत तय की। हैदराबाद और मणिपाल टाइगर्स की टीम क्वालीफायर 1 में टकरा चुकी हैं, जहां हैदराबाद ने 75 रन से जीत दर्ज कर फाइनल में धमाकेदार एंट्री मारी। मणिपाल टाइगर्स को हैदराबाद के खूंखार बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ को जल्द आउट करना होगा जो लीग इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ चुके हैं। फाइनल शनिवार को सूरत के लालभाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम में शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा।

मणिपाल टाइगर्स ने क्वालीफायर 2 मैच में पहले बैटिंग कर 9 विकेट पर 177 रन बनाए। कप्तान गौतम गंभीर का बल्ला खामोश रहा। गंभीर 10 रन बनाकर

पवेलियन लौटे। टॉप के 4 बैटर 30 का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने 27 गेंद में 56 रन की आतिशी पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 5 छक्के और 2 चौके लगाए। मणिपाल टाइगर्स की ओर से थिसारा परेरा और मैक्लाघन ने 3-3 विकेट लिए।

178 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मणिपाल टाइगर्स ओर से ओपनर चैडविक वेल्टन ने 18 गेंद में 5 चौकों और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। एंजेलो परेरा 30 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि असेला गुणारत्ने ने टीम की जीत का जिम्मा उठाया और मैच विनिंग पारी खेली। परेरा ने 27 गेंद में 35 रन ठोक दिए। असेला गुणारत्ने 39 रन बनाकर नाबाद लौटे वहीं कोलिन डी ग्रैंडहोम ने 24 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए। इसके पहले सुरेश रैना की टीम हैदराबाद ने क्वालीफायर 1 में मणिपाल के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। उस मैच में 40 साल के विंडीज के पूर्व विस्फोटक ओपनर ड्वेन स्मिथ ने 42 गेंदों पर शतक ठोककर रिकॉर्ड बुक को तहस नहस कर दिया था। स्मिथ ने लीजेंड्स लीग इतिहास का सबसे तेज शतक ठोका।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल ने वनडे शतकवीर विराट को बताया सबसे आसान विकेट

नई दिल्ली । टीम इंडिया के विराट कोहली ने अपनी बल्लेबाजी से अनेक विश्व रिकार्ड बनाये हैं। इस सिलसिले दिग्गज गेंदबाजों को उन्होंने घुटने टेंकने पर मजबूर किया है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज पेसर मिचेल जॉनसन ने वनडे के शतकवीर विराट को सबसे आसान विकेट बताया। दरअसल, मिचेल वही गेंदबाज हैं जिनके साथ टेस्ट मैच में विराट की बीच मैदान में तीखी बहस देखने को मिली थी। विराट और मिचेल जॉन्सन की द्वंदात्मक कहानी शुरू होती है साल 2014 से, जब टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही थी। इस सीरीज में विराट कोहली टेस्ट मैच के दौरान अपनी पीक पर मिचेल पर हावी होते नजर आए थे। मैच के बीच विराट ने मिचेल की गेंद पर सामने शॉट खेला और गेंद मिचेल के हाथों में गई। बॉल पकड़ते ही तेज गेंदबाज ने विराट की ओर तेजी से थ्रो फेंक दिया जो कोहली की बॉडी पर लगी और कोहली गिर पड़े। इस घटना के बाद दोनों प्लेयर्स के बीच गर्मा-गरमी देखने को मिली। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल रहा है। वहीं, अब इंस्टाग्राम पर मिचेल जॉनसन के द्वारा एक कमेंट वायरल हो रहा है जिसे देखने के बाद लगता है कि पूर्व गेंदबाज ने उस कहानी को हवा दी है। मिचेल की एक पोस्ट पर फैन ने लिखा, 'आप विराट के पसंदीदा गेंदबाज हैं।' जिसके जवाब में जॉनसन लिखते हैं। 'वह मेरा सबसे आसान विकेट था।' विराट कोहली के खिलाफ मिचेल जॉनसन ने साल 2015 वर्ल्ड कप में कमाल की गेंदबाजी की थी। उन्होंने विराट को महज 1 के स्कोर पर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया था। नॉकआउट मुकाबले में कंगारू टीम ने भारत को करारी शिकस्त दे दी थी।

कोई भी कोच शमी जैसा गेंदबाज नहीं बना सकता, भारतीय कोच ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि मोहम्मद शमी के पास हर बार गेंद को सीधी सीम में डालने की दुर्लभ प्रतिभा है और दुनिया का कोई भी कोच इस तरह की तेज गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज तैयार नहीं कर सकता। वनडे विश्व कप के सात मैच में 24 विकेट चटकाकर गेंदबाजी सूची में शीर्ष पर रहने वाले शमी वनडे और टेस्ट में भारत के बेहतरीन गेंदबाज रहे हैं।

म्हाम्ब्रे शमी की सफलता के लिए कोई श्रेय नहीं लेना चाहते। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत को मोहम्मद शमी जैसी प्रतिभा वाला गेंदबाज मिलेगा तो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए रवाना होने से पहले पीटीआई से साक्षात्कार में कहा, 'अगर मैं कहूं कि कोच शमी जैसा गेंदबाज बना सकते हैं तो यह सच नहीं होगा। अगर कोई गेंदबाज हर बार सीधी सीम में गेंद को डाल सकता तो दुनिया का हर गेंदबाज शमी बन जाएगा।' उन्होंने कहा, 'यह ऐसा कौशल है जो शमी ने कड़ी मेहनत के दम पर हासिल किया है और खुद को ऐसा गेंदबाज बनाया है।'

म्हाम्ब्रे ने कहा, 'सीम पर ही एक के बाद एक गेंद फेंकना और वो भी परफेक्ट कलाई पॉजिशन के साथ तथा इसे दोनों तरफ घुमाना एक दुर्लभ प्रतिभा है। काफी गेंदबाज अगर सीम पर गेंद डाल भी पाते हैं तो उनकी गेंद पिच पर लगते ही सीधी हो जाती है।' पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह के बारे में भी इसी तरह की बात करते हुए कहा, 'यहां तक कि बुमराह का एक्शन असमान्य है लेकिन वह गेंद को इसी एक्शन से अंदर या दूर कर देता है। यह एक कला है और इस कला का पारखी होने में काफी कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है।'

शमी और बुमराह दुनिया भर के बल्लेबाजों पर दबदबा बनाने में सफल रहे हैं जिससे म्हाम्ब्रे काफी हैरान हैं। उनकी सफलता से काफी को ईर्ष्या भी होगी। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'मुझे लगता है कि टेस्ट मैचों में हमारे पास बुमराह, शमी और ईशांत (शर्मा) थे जिन्होंने इस तरह का जादू बिखेरा था लेकिन अगर अब आप मुझे पूछोगे कि क्या मैंने इस तरह के दबदबे की उम्मीद की थी तो मैंने इस स्तर के प्रदर्शन का सपना भी नहीं देखा था।'

उन्होंने कहा, 'मेरा मतलब कि जैसे श्रीलंका को 50 रन पर समेट देना और फिर दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम के खिलाफ भी ऐसा ही दोहराव करना कि 320 रन के करीब का स्कोर बनाना और उन्हें 80 रन पर समेट देना। यह सपना लगता है। निश्चित रूप से हमारे जैसे गेंदबाजी आक्रमण के साथ हमें उनसे अच्छा करने की उम्मीद थी, लेकिन इतने लंबे समय तक बड़े मंच पर ऐसा प्रदर्शन करना वास्तव में सराहनीय था।'

नाबालिग की इच्छा के विरुद्ध संरक्षण गृह में रखना गलत : हाईकोर्ट

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। इस फैसले के तहत किसी भी नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध राजकीय बालिका संरक्षण गृह या किसी भी अन्य संरक्षण गृह में नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने इसी के साथ राजकीय बालिका संरक्षण गृह में रखी गई पीड़िता को उसके पति के साथ जाने की अनुमति दे दी है। साथ ही पति के खिलाफ दर्ज अपहरण और रेप का मुकदमा रद्द कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने जालौन के मनोज कुमार उर्फ मोनू कटेरिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। जानकारी के मुताबिक मोनू कटारिया ने याचिका में उसके खिलाफ उरई में दर्ज अपहरण, रेप और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमे में दाखिल चार्ज शीट रद्द करने की मांग की थी। याची के अधिवक्ता का कहना था कि याची के खिलाफ यह मुकदमा पीड़िता की मां ने दर्ज कराया है। जबकि वास्तविकता यह है कि पीड़िता के साथ उसका प्रेम संबंध था और दोनों ने अपनी मर्जी से शादी कर ली। लेकिन मेडिकल रिपोर्ट में पीड़िता की आयु 16 वर्ष बताए जाने के आधार पर पीड़िता को राजकीय बालिका संरक्षण गृह भेज दिया गया और मोनू को इस मामले में जेल जाना पड़ा। बाद में हाईकोर्ट से उसकी जमानत हो गई। कहा गया कि मुकदमा दर्ज कराने के बावजूद पीड़िता की मां ने इससे अभिरक्षा में लेने से इनकार कर दिया, जिससे उसे संरक्षण गृह भेजना पड़ा। संरक्षण गृह में पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म भी दिया। पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान में अपनी आयु स्पष्ट रूप से 19 वर्ष बताई है। कहा गया कि याची पीड़िता का पति होने के कारण उसे अभिरक्षा में लेने के लिए अधिकृत है। कोर्ट ने हाईकोर्ट के कई निर्णय का हवाला दिया कहा कि इस स्थिति में यदि पीड़िता नाबालिग भी है, तब भी उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध संरक्षण गृह में नहीं रखा जा सकता है। इस न्यायालय की राय में पीड़िता की आयु 18 वर्ष से अधिक की है। पीड़िता ने एक बच्चे को भी जन्म दिया है। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं इसलिए कोर्ट ने पीड़िता की कस्टडी उसके पति मोनू कटेरिया को सौंपने का निर्देश देते हुए मोनू के खिलाफ चल रहे मुकदमे की कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

वामपंथियों पर बड़ा आरोप, हिंदुओं से शादी करने मुस्लिम महिलाओं के अपहरण में मदद कर रहे

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन जाने माने मुस्लिम जानकार की बात पर भड़क उठे। उन्होंने कहा कि लेफ्ट पार्टियां अंजरजातीय मैरिज ब्यूरो नहीं चला रही है। दरअसल, समस्त केरल जमियतुल उलेमा सुन्नी युवजन संगम के सचिव नजर फैजी कुडय्यी ने दावा किया था कि वामपंथी संगठन हिंदू समुदाय में शादी के लिए मुस्लिम महिलाओं के अपहरण में मदद कर रहे हैं। अंगामाली में विजयन ने अंतरजातीय शादियों का समर्थन किया है। उनका कहना है कि अगर एक पुरुष और महिला प्यार करते हैं, पसंद करते हैं और वे शादी करना चाहते हैं, तब उन्हें कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने पलटवार कर कहा कि वामपंथी संगठन इंटरकास्ट मैरिज ब्यूरो नहीं चला रहे हैं। इस्लामिक जानकार ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर शादियां कराने पर लेफ्ट संगठनों पर निशाना साधा था। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा था, कुछ लोगों को लगता है कि मुस्लिम और हिंदू समुदाय में शादियां धर्मनिरपेक्षता है। वे बड़े स्तर पर अंतरधार्मिक विवाह का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने लेफ्ट के नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, पार्टी के नेता भी इसका समर्थन कर रहे हैं और पार्टी के दफ्तरों का इस्तेमाल इन कामों में हो रहा है। युवा मुस्लिम लड़कियों को एएफआई, डीवाईएफआई और सीपीएम की मदद से अगवा किया जा रहा है और गैर-मुसलमानों में उनकी शादी कराई जा रही है। जो लोग मुस्लिम महिलाओं की पहचान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ महल्लु समितियों को सतर्क रहना चाहिए।

बिलेश्वर स्टेशन के निकट वंदे भारत ट्रेन पर पथराव, गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी कर रहे थे यात्रा

राजकोट। सुपरफास्ट ट्रेन वंदे भारत पर फिर एक बार पथराव की घटना सामने आई है। यह घटना राजकोट के बिलेश्वर स्टेशन के निकट हुई। देर रात 9 बजे यह घटना उस समय हुई जब गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी भी ट्रेन में सवार थे और राजकोट से अहमदाबाद आ रहे थे। जानकारी के मुताबिक राजकोट के बिलेश्वर स्टेशन के निकट पथराव कर ट्रेन के शीशों को नुकसान पहुंचाया गया। हालांकि इसमें कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और ना ही किसी को चोट पहुंची। राजकोट स्टेशन से 4 किलोमीटर पहले हुए इस पथराव में सी 4 और सी 5 कोच के शीशे टूट गए। इस रूट पर कई झुग्गी बस्तियां हैं और वहां कई बार बच्चे के बच्चे भी पत्थर फेंकते हैं। जिसे लेकर जागृति अभियान चलाया जाता है। फिलहाल रेलवे पुलिस ने 154 के तहत केस दर्ज कर लिया है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि पथराव बच्चों की शरारत हो सकती है। हालांकि पथराव किसने और क्यों किया? यह जानने के लिए रेलवे पुलिसकी अलग अलग टीमें जांच में जुट गई हैं। गौरतलब है सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वाले लोगों को कोई समस्या तो नहीं है, यह जानने के लिए खुद गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने ट्रेन और रोडवेज की बस में मुसाफरी की थी। ट्रेन और बस में सवार यात्रियों से उनकी समस्याएं जानी। हर्ष संघवी अहमदाबाद से राजकोट वंदे भारत ट्रेन से पहुंचे और राजकोट से रोडवेज की बस में सवार होकर अहमदाबाद लौट आए।

अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ सोमवार को फैसला सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 11 दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगा। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बी.आर. गवई और सूर्यकांत की संविधान पीठ पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दिए गए विशेष दर्जे को छीनने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने वाले साल 2019 के राष्ट्रपति के आदेश की संवैधानिकता पर फैसला करेंगे। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के भंग होने के बाद संविधान के अनुच्छेद 370 ने स्थायी स्वरूप ले लिया है। मार्च 2020 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने इस मुद्दे को सात न्यायाधीशों की बड़ी पीठ को सौंपने के याचिकाकर्ताओं के तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। तत्कालीन सीजेआई एन.वी. रमण की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने तर्क दिया कि अनुच्छेद 370 की व्याख्या से संबंधित प्रेम नाथ कौल मामले और संपत प्रकाश मामले में शीर्ष अदालत द्वारा दिए गए पहले के फैसले विरोधाभासी नहीं थे। 5 जजों की संविधान पीठ ने 5 सितंबर को दोनों पक्षों की मौखिक दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि वह कोई सटीक समय सीमा नहीं दे सकती है और जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल करने में कुछ समय लगेगा, जबकि यह दोहराते हुए कि इसकी केंद्र शासित प्रदेश की स्थिति अस्थायी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि संविधान पीठ का फैसला चाहे जो भी हो, ऐतिहासिक होगा और कश्मीर घाटी के निवासियों के मन में मौजूद मनोवैज्ञानिक द्वंद्व को खत्म कर देगा। उन्होंने कहा था कि यह मनोवैज्ञानिक द्वंद्व अनुच्छेद 370 की प्रकृति से उत्पन्न भ्रम के कारण उत्पन्न हुआ है कि क्या विशेष प्रावधान अस्थायी हैं या स्थायी।

रास सत्र : 3 वर्षों में गुजरात में लगभग 400 शेरों की मौत

नई दिल्ली। गुजरात में साल 2019 और साल 2021 के बीच 182 शावकों सहित कुल 397 शेरों की मौत हुई, जिनमें से लगभग 10 प्रतिशत अप्राकृतिक कारणों का शिकार हुए हैं। संसद में गुरुवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में पर्यावरण राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। वर्ष-वार विश्लेषण के अनुसार, साल 2019 में 66 वयस्क शेरों और 60 शावकों की मृत्यु हुई। जबकि साल 2020 में 73 वयस्क शेरों और 76 शावकों की मृत्यु हुई। वहीं वर्ष 2021 में 76 वयस्क शेरों और 46 शावकों की मृत्यु हुई। इनमें से लगभग 10.53 प्रतिशत मौत में 3.82 प्रतिशत शावकों की अप्राकृतिक मृत्यु शामिल है। इन चिंताजनक आंकड़ों के जवाब में अश्विनी कुमार चौबे ने केंद्र सरकार के समर्थन पर गुजरात में शेर संरक्षण पर जोर दिया। राज्य को वन्यजीव आवासों के एकीकृत विकास की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत वित्त पोषण सहायता प्राप्त होती है, जो एशियाई शेरों के संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और आवासों के प्रबंधन सहित विभिन्न पहलों पर केंद्रित है। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने गुजरात से मध्य प्रदेश में शेरों के स्थानांतरण के संबंध में चल रहे कानूनी विचार-विमर्श पर प्रकाश डाला। यह मामला वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय के दायरे में है। स्थानांतरण के निर्णय को एशियाई शेरों के अस्तित्व और आनुवंशिक विविधता को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाता है।

अमरीका और कनाडा के साथ समान व्यवहार का सवाल नहीं : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अमेरिकी धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की कथित साजिश के बारे में अमेरिका से प्राप्त इनपुट पर गौर करने के लिए एक समिति का गठन किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा को यह जानकारी देते हुए बताया कि एक अमेरिकी और कनाडाई नागरिक, गुरपतवंत सिंह पन्नू, अमेरिका स्थित सिख फॉर जस्टिस के नेता हैं। भारत ने सिख फॉर जस्टिस को आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया है।

राज्यसभा सदस्य के सवाल के जवाब में, जयशंकर ने बताया कि खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर कोई न्यायसंगत व्यवहार नहीं होगा क्योंकि कोई विशिष्ट सबूत या ओटावा द्वारा भारत को इनपुट प्रदान किए गए थे।

संसद के उच्च सदन में जयशंकर ने कहा, कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हमारे सुरक्षा सहयोग के हिस्से के रूप में हमें कुछ इनपुट दिए गए थे जो चिंता का विषय थे। उन्होंने कहा, मामले की जांच कराने के लिए एक जांच समिति का गठन किया गया है। यह पूछे जाने पर कि कनाडाई सरकार द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में कोई न्यायसंगत व्यवहार क्यों नहीं किया गया, जयशंकर ने कहा, जहां तक कनाडा का संबंध है, हमें कोई विशेष सबूत या जानकारी प्रदान नहीं की गई। इसलिए दो देशों के साथ न्यायसंगत व्यवहार का सवाल है, एक किसी ने इनपुट प्रदान किया है और किसी ने नहीं किया है, इसका सवाल ही नहीं उठता।

विशेष रूप से, अमेरिकी न्याय विभाग ने पन्नू को मारने की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने के लिए निखिल गुप्ता नाम के एक भारतीय व्यक्ति के खिलाफ आरोप लगाए हैं। इससे पहले सितंबर में, जी20 शिखर सम्मेलन के ठीक बाद, कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 18 जून को कनाडाई धरती पर निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित भागीदारी के बारे में एक विस्फोटक आरोप लगाया था। हालांकि, भारत ने आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है।

इस बीच, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक प्रेस बैठक में इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक क्रिस्टोफर रे की आगामी भारत यात्रा के दौरान यह मुद्दा उठाया जाएगा। विफल साजिश मामले में वाशिंगटन के आरोपों पर भारत की जांच के बारे में अपडेट के बारे में पूछे जाने पर बागची ने कहा कि उनके पास साझा करने के लिए कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पन्नून द्वारा भारत के खिलाफ की गई हालिया धमकियों को अमेरिका और कनाडा के समक्ष उठाया है।

तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर बाथरुम में गिरे, कूल्हे की हड्डी टूटी

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की तबीयत अचानक खराब हो गई है। उन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि घर पर पैर फिसलने से वह घायल हो गए। ऐसा लगता है कि केसीआर की कूल्हे की हड्डी टूट गई है। फिलहाल सोमाजीगुडा के यशोदा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। केसीआर की बीमारी के बारे में पता चलते ही परिवार के सभी सदस्य हॉस्पिटल पहुंच गए। रात में हरीश राव के साथ केटीआर का परिवार भी यशोदा के पास गया। बताया जा रहा है कि केसीआर आज सुबह तक वहीं रुके रहे। डॉक्टरों ने शीघ्र ही किए जाने वाले मेडिकल परीक्षणों पर सलाह दी और घर चले गए। केसीआर का यशोदा अस्पताल की 9वीं मंजिल पर इलाज चल रहा है। ऐसा लग रहा है कि आज डॉक्टर टेस्ट करने के बाद हेल्थ बुलेटिन देंगे। फिलहाल केसीआर की तबीयत स्थिर है। वह एरावल्ली में अपने फार्म हाउस पर थे। केसीआर की बेटी के कविता ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, बीआरएस सुप्रीमो केसीआर को मामूली चोट आई है और फिलहाल वह अस्पताल में विशेषज्ञों की देखरेख में हैं। मिल रहे समर्थन और शुभकामनाओं से पिताजी जल्द ही बिल्कुल ठीक हो जाएंगे। पूर्व सीएम केसीआर 3 दिसंबर से अपने एर्रवेली स्थित फार्म हाउस में रह रहे हैं। तेलंगाना विधानसभा चुनाव समाप्त होने और कांग्रेस के हाथों मिली मात के तुरंत बाद सरकारी भवन छोड़ दिया था। इसके बाद से वह फार्म हाउस में ही रह रहे हैं. वह पिछले दो तीन दिनों से अपने घर पर ही सबसे मुलाकात कर रहे हैं। जीत के बाद बीआरएस के कई विधायक उनसे मिलने पहुंचे, जहां वह घर पर ही मौजूद रहे।

बेहद खतरनाक है 'मेफ्टाल' पेनकिलर का सेवन, सरकार ने अलर्ट किया जारी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आमतौर पर भारतीय घरों में हल्की तबियत के बिगड़ने पर लोग घर में ही पेनकिलर या अन्य दवाइयां ले लेते है। सिर दर्द, बदन दर्द या शरीर के किसी अन्य हिस्से में होने वाले दर्द से छुटकारा पाने के लिए व्यक्ति डॉक्टर की सलाह लिए बिना ही पेनकिलर का सेवन कर लेते है। मगर ऐसा करना लोगों की सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

इसकी घोषणा भारतीय फार्माकोपिया आयोग ने भी कर दी है। आयोग ने जानकारी दी है कि कई तरह के दर्द से छुटकारा पाने के लिए लोग ÷मेफ्टाल÷ दवाई का उपयोग करते है। इस दवाई का उपयोग करने के संबंध में आयोग ने अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है कि मेफ्टाल दवाई का अधिक सेवन करने से एलर्जी अधिक होने का खतरा रहता है। ये दवाई ड्रेस सिंड्रोम जैसी एलर्डी को बढ़ा सकती है। ये एलर्जी शरीर में हो सकती है, जो काफी परेशान कर सकती है।

केंद्र सरकार ने मेफ्टाल को लेकर अलर्ट 30 नवंबर को जारी किया है। इस अलर्ट के अनुसार ये सलाह जारी की गई है कि जो भी मरीज इस दवा का सेवन करता है वो दवा के इस्तेमाल से जुड़ी उपरोक्त प्रतिकूल प्रतिक्रिया (एडीआर) की संभावना पर बारीकी से नजर रखें।''

अधिक इस्तेमाल है घातक

मेफ्टाल दवाई का सेवन करने से कई तरह के प्रतिकूल असर दिख सकते है। अगर किसी मरीज को ऐसा सेवन दिखता है तो उसे तत्काल बंद कर दिया जाना चाहिए। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि मेफ्टाल का प्रतिकूल असर दिखना काफी रेयर होता है। डॉक्टरों का कहना है कि किसी दवाई का रिएक्शन विभिन्न मरीजों पर अलग होता है। डॉक्टर भी सीमित खुराक ही मरीजों को देते है। मेफ्टाल का सेवन भी प्रिस्क्रिप्शन के जरिए ही दिया जाता है। हालांकि अगर कोई मरीज प्रिसक्राइब की गई खुराक से अधिक दवाई का सेवन करता है तो उसके लिए दवाई घातक हो सकती है। इसका सेहत पर प्रतिकूल असर देखने को मिल सकता है।

आसानी से मिलती है दवाई

बता दें कि मेफ्टॉल ऐसी दवाई है जो भारत में मेडिकल स्टोर पर आसानी से उपलब्ध होती है। इस दवाई को लोग प्रिस्क्रिप्शन के बिना भी खरीद लेते है। आमतौर पर शरीर में दर्द होने पर लोग मेफ्टॉल का सेवन कर लेते है। इसके अलावा महिलाओं को पीरियड्स में होने वाले दर्द, सिरदर्द और मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं में इस दवाई का सेवन अधिक किया जाता है। बच्चों को भी डॉक्टर मेफ्टॉल देते हैं, मगर ये दवाई सिर्फ बुखार की स्थिति में उन्हें दी जाती है। बता दें कि इस दवाई में मेफेनामिक एसिड होता है जिसका अलग-अलग उपयोग किया होता है।

केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने दिखाई बुलेट ट्रेन के पहले मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब का वीडियो

मुंबई (एजेंसी)। भारतीयों को बुलेट ट्रेन की रफ्तार का मजा लेने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की तरफ से इसके संकेत मिलने लगे हैं। वीडियो के द्वारा उन्होंने देश के पहले बुलेट ट्रेन टर्मिनल की झलक दिखाई है। सोशल मीडिया पर शेयर टर्मिनल के वीडियो में संस्कृति और आधुनिकता का मिश्रण साफ नजर आ रहा है। मोदी सरकार ने पहले ही साफ किया था कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को साल 2022-2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने साबरमती मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब का वीडियो जारी किया है। करीब 43 सेकंड के वीडियो में टर्मिनल में शामिल कई सुविधाओं और आधुनिकता को दिखाया गया है। उन्होंने लिखा, भारत की पहली बुलेट ट्रेन के लिए टर्मिनल। खास बात है कि भारत में बुलेट ट्रेन को लेकर पहल साल 2017 में की गई थी। रेल मंत्रालय की तरफ से साल 2017 में जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद स्टेशनों को जोड़ेगी। मोदी सरकार ने बताया था, साबरमती और मुंबई (508 किमी) के मध्य रेल पटरी जमीन के ऊपर स्तंभों पर आधारित होगी। इसमें 12 स्टेशन होगा। अधिकतम गति 350 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जबकि संचालन गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

रेल मंत्रालय ने बताया था, एक तेज ट्रेन के लिए मुंबई से साबरमती के बीच यात्रा अवधि 2.07 घंटे होगी। रास्ते में पड़ने वाले सभी स्टेशनों पर रूकने वाली ट्रेन के लिए यह अवधि 2.58 घंटे होगी। परियोजना की अनुमानित लागत- 1,08,000 करोड़ रूपये। कुल परियोजना लागत की 81 प्रतिशत राशि जापान सरकार द्वारा ऋण के रूप में उपलब्ध कराई गई है। 0.1 प्रतिशत ब्याज दर वाला यह ऋण 15 वर्षों की अनुग्रह अवधि के साथ 50 वर्षों में देय है। खास बात है कि भारत सरकार हाई स्पीड रेल यानी एचएसआर की योजना बना रही है। इसके तहत 6 अतिरिक्त कॉरिडोर को लेकर चर्चाएं जारी हैं।

चीन में फैली रहस्यमी बीमार को लेकर भारत में चिंता की बात नहीं

-डॉक्टरों ने इसके पीछे बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में फिर हाहाकार मचा हुआ है। यहां रहस्यमयी निमोनिया कहे रहे इन्फ्लूएंजा ए वायरस के सब-टाइप एच9एन2 का कहर देखने को मिल रहा है। कई अन्य देशों में भी वायरस के केस सामने आ रहे हैं। इसकी चपेट में कोरोना से किसी तरह बचे रह गए छोटे बच्चे आ रहे हैं। अब भारत में बीमारी के संक्रमण लेकर भी खतरे की संभावना जाहिर की जा रही है, लेकिन क्या सचमुच अब भारत के बच्चों पर खतरा मंडरा रहा है? क्या यह बीमारी चीन के बाद अन्य देशों और अब भारत में फैलने जा रही है?

नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के पूर्व निदेशक और जाने माने सर्जन डॉ.एमसी मिश्र कहते हैं कि कोरोना के बाद यह बात समझ में आ चुकी है कि कोई भी वायरल इंफेशन या वायरस का फैलाव रोकना मुश्किल है। इसकी बाउंड्रीज नहीं होती। अगर यह एक देश में फैला है, तब इसे दूसरे देशों में फैलने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि अब साधनों के चलते देशों के बीच दूरी कम हो गई है, वहीं इंटरनेशनल ट्रैवल भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। नई दिल्ली एम्स में पल्मोनरी क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन के एचओडी प्रो. अनंत मोहन कहते हैं कि चीन के एक हिस्से में निमोनिया के मामलों में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। ऐसा क्यों हो रहा है, इसका कारण अभी पता नहीं है लेकिन यह कोई नया बग या वायरस नहीं है।

इस बारे में डॉ. मिश्र कहते हैं कि एक चीज जो इन मामलों में देखी जा रही है वह यह है कि चीन में निमोनिया के अधिकांश मामलों में बच्चे मरीज हैं। वहां बड़ों में इसका संक्रमण नहीं देखने को मिल रहा है। जहां तक भारत में बच्चों पर खतरे का सवाल है,तब यहां पैनिक की जरूरत नहीं है और इस वायरस के खराब प्रभाव की आशंका भी कम है। इसकी तीन वजहें हैंज .पहला है कि जो भी इन्फ्लूएंजा ए वायरस का सब टाइप एच9एन2 के केस चीन में आ रहे हैं, इसमें देखा जा रहा है कि संक्रमण दर हाई है लेकिन मृत्यु दर काफी कम है। इससे बच्चों में इन्फेक्शन जल्दी हो रहा है लेकिन फिर वे ठीक हो रहे हैं। लिहाजा अगर यह भारत में आता भी है, तब इस बीमारी का इलाज संभव होगा। दूसरा है कि भारत में बच्चे इंटरनेशनल ट्रैवल इतना ज्यादा नहीं करते। इसलिए बच्चों में इसका एक्सपोजर कम होने की आशा है।

महाराष्ट्र की सियासत में फिर हलचल:

भाजपा को खटक रही अजीत पवार और नवाब मलिक की दोस्ती

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एक बार फिर सियासी घमासान की संभावना बढ़ गई है। वजह ये है कि राज्य के पूर्व मंत्री और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के नेता नवाब मलिक को लेकर विवादों की आहट सुनाई देने लगी है। इसका खुलासा उस समय हुआ जब शिंदे सरकार के दो उप मुख्यमंत्री आपस में बैठकर बात करने के बजाए चिट्ठी लिखने पर भरोसा करने लगे। राज्य में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी नेता अजीत पवार उप मुख्यमंत्री है। माना जा रहा है कि दोनो ही नेताओं में आपसी मतभेद की खबरें आए दिन सुनाई देती हैं। इस बार जब अजीत पवार ने अपने पुराने समर्थक और पूर्व मंत्री नवाब मलिक को एनसीपी में शामिल करने की पहल की तो देवेंद्र फडणवीस को नागवार गुजरी। उन्होंने तत्काल चिट्ठी लिखी और अंत में कहा आखिर निर्णय आपको ही लेना है।

भाजपा ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुट में शामिल होने पर कड़ी आपत्ति जताई। भाजपा के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम अजित पवार को एक पत्र लिखकर नवाब मलिक के शिवसेना-बीजेपी-एनसीपी (एपी) के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में प्रवेश पर आपत्ति जताई।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मलिक जिस तरह के देशद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं, उसे देखते हुए उन्हें महायुति गठबंधन में शामिल करना उचित नहीं होगा। हालांकि, एक विधायक के तौर पर विधानसभा में आना मलिक का अधिकार है और उन्होंने गुरुवार को कार्यवाही में हिस्सा भी लिया।इस मुद्दे पर अपनी आपत्तियों पर, देवेंद्र फडणवीस ने शुरुआत में ही स्पष्ट कर दिया कि उनके मन में मलिक के खिलाफ कोई व्यक्तिगत दुश्मनी या द्वेष नहीं है। सत्ता आती है और जाती है, लेकिन सत्ता से बड़ा देश है।

देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि फरवरी 2022 से अगस्त 2023 के बीच 18 महीने जेल में बिताने वाले मलिक को वर्तमान में केवल मेडिकल जमानत पर रिहा किया गया है। जब तक उनके खिलाफ आरोप साबित नहीं हो जाते, तब तक उनका स्वागत किया जाना चाहिए। हालांकि,जिस तरह के आरोप उन पर लग रहे हैं, उसे देखते हुए उन्हें महायुति का हिस्सा बनाना उचित नहीं होगा, यह हमारी स्पष्ट राय है। हालांकि, यह तय करना अजित पवार का पूरा विशेषाधिकार है कि उन्हें अपनी पार्टी में किसे लेना चाहिए किसे नहीं लेना चाहिए। अपने विरोध को उचित ठहराते हुए, देवेंद्र फडणवीस ने आग्रह किया कि यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाना चाहिए कि मलिक के प्रवेश से महायुति गठबंधन में समस्या न हो और सभी सहयोगियों को इसे ध्यान में रखना चाहिए।

देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, मलिक को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया और 18 महीने के लिए जेल में डाल दिया गया, लेकिन उन्हें पूर्व सीएम ने कैबिनेट में रखा और बीजेपी उस फैसले का समर्थन नहीं कर सकी।देवेंद्र फडणवीस ने उम्मीद जताते हुए हस्ताक्षर किए कि अजित पवार इस संबंध में भाजपा की भावनाओं पर ध्यान देंगे। इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा में देवेंद्र फडणवीस ने मलिक को मंत्री बनाए रखने के लिए एमवीए पर कटाक्ष किया था। हालांकि, मलिक को आतंकवादी संबंधों के आरोप में सलाखों के पीछे डाल दिया गया था।उन्होंने आगे कहा, आतंकवादियों के साथ संबंधों के आरोप में जेल जाने के बाद हमने मलिक के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन तत्कालीन ठाकरे सरकार ने इस मामले में कार्रवाई नहीं की। पहले आप उसका जवाब दें, फिर हमसे पूछें... अब आपको हमसे सवाल करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

तेलंगाना में बिना प्रशासनिक अनुभव वाले हैं सीएम और डिप्टी सीएम

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी ने शपथ से पहले सीएम हाउस की बॉउड्री बुलडोजर चलवाकर संदेश दिया है कि तेलंगाना में भी बुलडोजर चलेगा। रेड्डी के साथ उपमुख्यमंत्री के तौर मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शपथ ली है। दोनों ने इससे पहले कभी कोई प्रशासनिक पद नहीं संभाला।रेवंत रेड्डी के लिए यह एक सपना सच होने जैसा था, जब उन्होंने तेलंगाना के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। चूंकि उन्होंने पार्टी के चुनाव अभियान का आगे बढ़कर नेतृत्व किया और भारत के सबसे युवा राज्य में कांग्रेस को पहली चुनावी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें राज्य के शीर्ष पद से पुरस्कृत किया। 54 वर्षीय रेवंत ने पार्टी में नाटकीय बदलाव का नेतृत्व किया, जबकि कुछ महीने पहले तक चुनावी पराजय, दल-बदल और अंदरूनी कलह के कारण पार्टी पूरी तरह से अव्यवस्थित थी।

एक गतिशील और महत्वाकांक्षी नेता, रेवंत रेड्डी की राजनीतिक यात्रा केवल 17 साल पहले महबूबनगर जिले के एक दूरदराज के गांव में स्थानीय निकाय प्रतिनिधि के रूप में शुरू हुई थी। 8 नवंबर, 1969 को वर्तमान नगरकुर्नूल जिले के कोंगारेड्डीपल्ली में एक कृषक परिवार में जन्मे, उन्होंने वानापर्थी में एक पॉलिटेक्निक और हैदराबाद के एक कॉलेज से कला स्नातक की पढ़ाई की।परिवार की पहली पीढ़ी के राजनेता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से की। वह 2002 में तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब बीआरएस) में शामिल हुए लेकिन कुछ साल बाद पार्टी छोड़ दी क्योंकि उन्हें पार्टी में मान्यता नहीं मिली। 2006 में उन्होंने मिडजिल मंडल में जिला परिषद प्रादेशिक समिति (जेडटीपीसी) के सदस्य पद के लिए निर्दलीय चुनाव लड़ा और चुनावी राजनीति में अपने पहले ही प्रयास में सफल रहे, लेकिन उनका लक्ष्य बड़ा था।सदैव उच्च लक्ष्यों के लिए लक्ष्य रखते हुए उन्होंने 2007 में महबूबनगर जिले में स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से संयुक्त आंध्र प्रदेश की विधान परिषद के लिए चुनाव लड़ा और सत्तारूढ़ कांग्रेस के उम्मीदवार को 100 वोटों से हराया। इस जीत ने उन्हें राज्य स्तर की राजनीति में पहुंचा दिया और 2008 में वह तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल हो गए, जो विपक्ष में थी।

2009 में वह विधानसभा चुनाव में उतरे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुरुनाध रेड्डी को 6,989 वोटों से हराकर कोडंगल से चुने गए।अच्छे वक्तृत्व कौशल और आक्रामक दृष्टिकोण से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। जब तेलंगाना आंदोलन अपने चरम पर था, तब वह टीडीपी के साथ रहे और उन्हें पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का करीबी माना जाता था।वह 2014 में कोडंगल से पहली तेलंगाना विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने टीआरएस उम्मीदवार के खिलाफ 14,614 वोटों के बड़े अंतर के साथ सीट बरकरार रखी। टीडीपी के तेलंगाना कार्यकारी अध्यक्ष और विधानसभा में टीडीपी के फ्लोर लीडर के रूप में उन्होंने विधानसभा और बाहर दोनों जगह सत्तारूढ़ टीआरएस का मुकाबला किया।दिलचस्प बात यह है कि रेवंत रेड्डी ने कभी भी मंत्री पद नहीं संभाला या सत्तारूढ़ दल में भी काम नहीं किया।उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले विक्रमार्क के लिए भी यही सच है।

ऋषि सुनक को प्रीमियरशिप खोने का खतरा

लंदन। भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री, 42 वर्षीय ऋषि सुनक अपने प्रधानमंत्री पद के साथ-साथ अपने राजनीतिक करियर को बचाने के लिए पूरी ताकत से लड़ रहे हैं। सुनक, जिन्होंने ब्रिटिश संसद में आव्रजन विधेयक पारित कराने के लिए अपना भविष्य दांव पर लगा दिया है।

उनका मानना है कि यह विधेयक कानून बनकर सुनिश्चित करेगा कि यूनाइटेड किंगडम में शरण चाहने वालों को रवांडा भेजा जाए और परिणामस्वरूप ऐसे लोगों को अवैध रूप से ब्रिटेन आने से रोका जाएगा। यूनाइटेड किंगडम ने अवैध अप्रवासियों को पूर्वी अफ्रीकी देश में भेजने के लिए रवांडा के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि यह विधेयक अदालतों द्वारा किसी भी निर्वासन निर्णय को रोकने की संभावना को लुप्तप्राय बना देगा। उन्होंने कहा-इसका मतलब है कि यह बिल हर उस कारण को रोकता है, जिसका इस्तेमाल रवांडा के लिए उड़ानों को रोकने के लिए किया गया है।

कनाडा में हिंदी फिल्में दिखाने के दौरान नकाबपोश व्यक्तियों ने छिड़का अज्ञात पदार्थ

टोरंटो । कनाडा में ग्रेटर टोरंटो के तीन अलग-अलग क्षेत्रों वॉन, ब्रैम्प्टन व सकारबरो में हिंदी फिल्में दिखाने वाले सिनेमाघरों में कुछ नकाबपोश व्यक्तियों द्वारा अज्ञात पदार्थ छिड़के जाने के बाद दर्शकों को वहां से निकालकर उसके संपर्क में आने वाले कुछ लोगों का इलाज किया गया। घटना इस सप्ताह के शुरूआत की है। कनाडा की यॉर्क क्षेत्रीय पुलिस ने कहा कि ऐसी ही एक घटना वॉन के एक सिनेमा परिसर में रात लगभग 9 बजकर 20 मिनट पर हुई थी। पुलिस ने कहा कि मास्क और हुड पहने 2 व्यक्तियों ने सिनेमाघर में अज्ञात एवं एयरोसोल-आधारित एक पदार्थ हवा में छिड़क दिया जिसके बाद फिल्म देख रहे कई लोगों को खांसी आने लगी। तब सिनेमाघर में लगभग 200 लोग अंदर थे। इस दौरान सिनेमाघर में एक हिंदी फिल्म दिखाई जा रही थी। पुलिस ने कहा कि पदार्थ के संपर्क में आने के कारण कई लोगों को उपचार प्रदान किया गया और सिनेमाघर को खाली कराना पड़ा। इस छिड़काव के कारण किसी भी व्यक्ति की स्थिति गंभीर नहीं है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही संदिग्ध भाग निकले। इस घटना के सिलसिले में अब तक किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

संसद में पारित कानून - धार्मिक ग्रंथों का अनादर होगा गैरकानूनी कृत्य

कोपेनहेगन। कुरान अपमान की घटना पर कई देशों में प्रदर्शन के मद्देनजर डेनमार्क की संसद में बृहस्पतिवार को एक नया कानून पारित किया । इसके तहत किसी भी पवित्र ग्रंथ का अपमान करना गैरकानूनी है। यह कानून ऐसे समय पारित किया है, जब हाल में इस्लाम विरोधी कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से कुरान का अपमान करने की घटना के बाद कई देशों में प्रदर्शन किए गए। स्कैंडिनेवियाई राष्ट्र को एक ऐसे स्थान के रूप में देखा जाता है जो अन्य देशों की संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं का अनादर करता है। न्याय मंत्रालय ने कहा है कि कानून का उद्देश्य 'सुनियोजित तरीके से आयोजित अनादर की घटनाओं' का मुकाबला करना है, जिसने अन्य बातों के अलावा, डेनमार्क में आतंकवाद के खतरे को बढ़ाया है। संसद ने इसे 77 के मुकाबले 94 मतों से मंजूर किया जबकि आठ सांसद अनुपस्थित रहे। नया कानून ''किसी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथ या वस्तु का अनादर करना'' अपराध बना देगा। कला के तहत अभिव्यक्ति को कुछ शर्तों के साथ प्रतिबंध के दायरे से बाहर रखा गया है।

महिलाओं को शिक्षित करने की तालिबान कर रहा वकालत

काबुल। किसी भी देश में महिलाओं का शिक्षित होना बेहद जरुरी है। ये बात अब तालीबान को भी समझ आ रही है जिसने कई सालों तक महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाकर रखा था। अफगानिस्तान के तालिबान द्वारा नियुक्त उप विदेश मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने कहा है कि लोगों के तालिबान से दूर होने का मुख्य कारण महिलाओं की शिक्षा पर लगातार प्रतिबंध है। काबुल से प्रसारण होने वाले एक अफगान समाचार चैनल ने बताया तालिबान द्वारा नियुक्त उप विदेश मंत्री ने एक ग्रेजुएशन समारोह में बोलते हुए कक्षा 6 से आगे की छात्राओं के लिए स्कूलों को फिर से खोलने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि ज्ञान के बिना समाज अंधकार है। तालिबान द्वारा नियुक्त सीमा और जनजातीय मामलों के कार्यकारी मंत्री नूरुल्ला नूरी ने कहा कि दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले युवाओं के पास शिक्षा तक पहुंच नहीं है, स्कूलों में दाखिला लिया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि धार्मिक और आधुनिक शिक्षा के बीच कोई दूरी नहीं है। नूरी ने कहा, दूरी की बात सच नहीं है। कोई दूरी नहीं है। इस्लामिक अमीरात के शासन के तहत जो शिक्षा दी जा रही है, मैं आपको बता सकती हूं कि पहले ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से कक्षा छह से ऊपर की छात्राएं अपनी शिक्षा से वंचित हो गई हैं। तालिबान द्वारा नियुक्त कार्यवाहक शिक्षा मंत्री हबीबुल्लाह आगा ने हाल ही में देश के धार्मिक स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता की आलोचना की। हबीबुल्लाह आगा ने तालिबान और धार्मिक विद्वानों से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर गंभीरता से ध्यान देने के लिए कहा। बता दें कि यह समारोह तालिबान के सीमा और जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा मंत्रालय के तहत शैक्षिक संस्थाओं में अध्ययन करने वाले छात्रों के ग्रेजुएट होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।स्टैनिकजई ने कहा कि यह हर किसी का अधिकार है। यह प्राकृतिक अधिकार है जो भगवान और पैगंबर ने उन्हें दिया है, कोई उनसे यह अधिकार कैसे छीन सकता है? यदि कोई इस अधिकार का उल्लंघन करता है, तो यह अफगानों और यहां के लोगों के खिलाफ अत्याचार है। सभी के लिए शिक्षण संस्थानों के दरवाजे दोबारा खोलने का प्रयास करें।

सऊदी एफ-15 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत

रियाद । रॉयल सऊदी एयर फोर्स का एफ-15एसए लड़ाकू विमान कथित तौर पर एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार चालक दल के सभी सदस्यों की मौत हो गई। सऊदी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने पुष्टि की कि घटना गुरुवार दोपहर को हुई। यहां की एक समाचार एजेंसी ने सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि हादसा गुरुवार को पूर्वी शहर धहरान में किंग अब्दुलअज़ीज़ एयर बेस से एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान हुआ। प्रवक्ता ने कहा कि दुर्घटना की जांच चल रही है। सऊदी गजट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना में विमान पर सवार चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई।

सेशेल्स में आपातकाल घोषित, बाढ़ और भीषण विस्फोट के बाद लिया फैसला

विक्टोरिया । देश में बाढ़ और देर रात हुए भीषण विस्फोट को देखते हुए सेशेल्स के राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार को आपातकाल लगाए जाने की घोषणा कर दी है। राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन ने कहा कि देशभर में बाढ़ की स्थिति और भीषण विस्फोट को देखते हुए आपातकाल लागू किया जाता है। दरअसल देश में बाढ़ के चलते जहां तीन लोगों की मौत की खबर है वहीं विस्फोटक रखने वाले एक डिपों में बुधवार रात को भीषण विस्फोट हुआ है। बाढ़ और डिपो में हुए भीषण विस्फोट को देखते हुए आपातकाल लागू कर दिया गया है। राष्ट्रपति वेवेल ने बताया कि प्राकृतिक आपदा बाढ़ के कारण तीन लोगों की मौत हुई है। सेशेल्स के मुख्य द्वीप माहे में औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक विस्फोटक डिपो में भीषण विस्फोट हुआ जिसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। फिलहाल विस्फोट में किसी की मौत होने की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रपति कार्यालय ने बयान जारी करते हुए आपातकाल लागू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही स्कूलों को बंद करने तथा लोगों को घर में रहने का आदेश दे दिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने अपने इस बयान में आगे कहा है कि विस्फोट से बड़े पैमाने पर क्षति हुई है और बाढ़ से भारी विनाश हुआ है। इसलिए देश में आपातकाल लागू किया गया है।

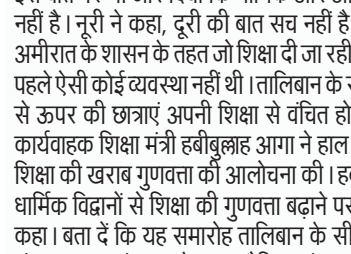

हंगरी के बुडापेस्ट में भारी बर्फबारी के बाद लोग बर्फ में फंसी कारों को चलने में मदद करते हुए।

फ्रांस की सरकार ने मुर्गों के लिए कानून पास करके दी खुलकर चिल्लाने की आजादी

पेरिस। लोग जानवरों के चिल्लाने से परेशान होते हैं तो उसकी शिकायत की जाती है। लेकिन फ्रांस में मुर्गों के लिए कानून बनाया गया है ताकि वे खुलकर चिल्ला सकें। यही वजह है कि इस वक्त यूरोपियन देश फ्रांस की सरकार चर्चा में है। सरकारों के तमाम अजीबोगरीब कानूनों के बारे में देखा सुना है, लेकिन फ्रांस में जो नया कानून चर्चा में है, वो मुर्गों को चिल्लाने का अधिकार दे रहा है। फ्रांस की सरकार इतनी मजबूती से मुर्गे के साथ खड़ी है कि कोई उसकी शिकायत भी नहीं कर सकता। अगर किसी ने इसकी शिकायत करने की कोशिश की तो भी कुछ नहीं हो सकता है। दसअसल फ्रांस में अक्सर लोग शहर की भीड़-भाड़ से बचने के लिए गांवों में अपने वेकेशन हाउस बनाकर रहते हैं। कई बार तो वे यहां शांति के माहौल में रहने ही लग जाते हैं। ले ?किन गांव में दिक्कत ये हो रही थी कि मुर्गों की सवेरे-सवेरे की बांग और कुत्तों के भौंकने से ये शहरी लोग इतने परेशान हो जाते थे कि पुलिस तक मामला पहुंच जाता था।

बता दें कि फ्रेंच अदालतों में ऐसे सैकड़ों केस पड़े हैं, जिसमें मुर्गे के बांग पर रोक लगाने की मांग की गई है। हालांकि सरकार ऐसा नहीं चाहती है, उन्होंने तो कानून भी पास कर दिया है मुर्गा गला फाड़कर चिल्लाएगा, कोई उसका कुछ नहीं कर सकता। फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रॉन ने कानून का समर्थन किया और ये सीनेट तक पहुंच गया। कानून मंत्री ने एक्स (पर जानकारी देते हुए लिखा है- 'ये कानून किसानों के खिलाफ आने वाले कानूनी केसेज़ को खत्म करेगा, वे सिर्फ अपना काम करते हैं ताकि हम खाना खा सकें। ये कॉमन सेंस की बात है।' इस कानून के बाद पड़ोसी जानवरों की आवाज़, कृषि उपकरणों की आवाज़, गंदगी और बदबू जैसी चीज़ों पर शिकायत करना अब आसान नहीं रह गया।

शरणार्थियों के ठिकानों पर भी हो सकते हमले: इजराइल

-अब गाजा के साउथ का क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं बचा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल का कहना है कि हमास उन इलाकों से भी हम पर रॉकेट दाग रहा है, जिन्हें मानवीय मदद के लिए छोड़ा गया था। चूंकि हमास इन क्षेत्रों से भी इजरायल पर हमले कर रहा है, ऐसे में उसके जवाब में हमें भी अटैक करने होंगे और ये हमले शरणार्थियों के ठिकानों पर भी हो सकते हैं।

ऐसी स्थिति में गाजा में शरण के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं बचेगी। इजरायल ने मैप, सैटेलाइट तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें दिखता है कि हमास के आतंकी रॉकेट दाग रहे हैं। ये हमले गाजा के अल-मावासी इलाके से किए गए हैं। इजरायली सेना का कहना है कि 14 रॉकेट दागे गए हैं। ये रॉकेट उस इलाके से दागे गए हैं, जहां गाजा के ही शरणार्थियों के लिए टेंट लगाए गए हैं। माना जा रहा है कि इजरायल अब इन इलाकों को भी निशाना बनाएगा और इसके चलते शरणार्थियों के लिए कोई भी क्षेत्र सुरक्षित नहीं रह गया है।

इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम यह नहीं बता सकते कि आगे हमारा ऑपरेशन क्या होगा, लेकिन गाजा के लोगों को हम लगातार अपडेट कर रहे हैं ताकि उन्हें कम से कम नुकसान हो। इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने यूएनएससी से अपील की है कि वह अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके युद्ध विराम कराए। संयुक्त राष्ट्र का

कहना है कि शरणार्थियों को अस्पताल, स्कूल और कम्युनिटी हॉल्स में रुकने दिया जाए। इन जगहों को किसी भी तरफ से निशाना न बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार नियमों के मुताबिक भी इनको निशाना नहीं बनाया जा सकता। इजरायल को भी ऐसा करने से बचना चाहिए।

वहीं इजरायल का कहना है कि ऐसे ठिकानों को हमास अपनी आतंकी हरकतों के लिए इस्तेमाल कर रहा है। यही आरोप लगाते हुए इजरायल ने पिछले दिनों गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा पर अटैक किया था और वार्ड-वार्ड में जाकर आतंकियों की तलाश की थी। इजरायल ने तो यह भी दावा किया था कि एमआरआई मशीनों तक में एके-47 राइफलें मिली थीं। बता दें कि इजरायल अब तक गाजा के उत्तरी इलाके में ही हमले बोल रहा था, लेकिन अब साउथ का क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं बचा है।

राष्ट्रहित के विपरीत मोदी को विवश नहीं किया जा सकता : पुतिन

-रुस-भारत संबंध सभी दिशाओं में विकसित हो रहे

-भारत द्वारा अपनाई गई नीति दोनों देशों के बीच संबंधों की मुख्य 'गारंटी'

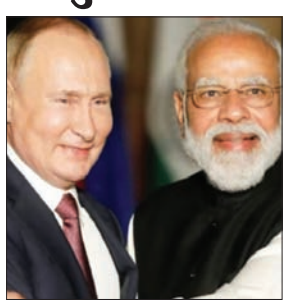

मास्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि राष्ट्रीय हितों के विपरीत निर्णय लेने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विवश नहीं किया जा सकता। गुरुवार को 14वें वीटीबी इन्वेस्टमेंट फोरम 'रूस कॉलिंग' के दौरान रुसी राष्ट्रपति ने कहा कि जब राष्ट्रीय हितों की रक्षा की बात आती है तो पीएम मोदी के सख्त रुख की सराहना की जाती है। मैं कल्पना नहीं कर सकता कि मोदी को कोई भी कार्य, कदम और निर्णय लेने के लिए डराया, धमकाया या मजबूर किया जा सकता है जो भारत और भारतीय लोगों के राष्ट्रीय हितों के विपरीत हो।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, कि मैं सिर्फ यह देखता हूं कि बाहर क्या हो रहा है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो, मैं भारतीय राज्य के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पीएम मोदी के सख्त रुख से आश्चर्यचकित होता हूं। भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करते हुए पुतिन ने कहा, कि दोनों देशों के बीच संबंध सभी दिशाओं में विकसित हो रहे हैं।' रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा अपनाई गई 'नीति' दोनों देशों के बीच संबंधों की मुख्य 'गारंटी' है।

द्विपक्षीय व्यापार के विस्तार में तेजी लाने के लिए दोनों देशों की भूमिका के बारे में पूछे गये सवाल पर पुतिन ने कहा कि रूस और भारत के बीच संबंध सभी दिशाओं में विकसित हो रहे हैं, और इसकी मुख्य गारंटी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपनाई गई नीति है। भारत और रूस के बीच व्यापार कारोबार बढ़ रहा है, पिछले साल यह प्रति वर्ष 35 बिलियन डॉलर था और इस साल की पहली छमाही में ही यह 33.5 बिलियन डॉलर था, यानी कि वृद्धि होगी। हम समझते हैं कि ,रूसी ऊर्जा संसाधनों पर छूट के कारण काफी हद तक भारत को प्राथमिकताएं मिलती हैं।

नासा को ब्रह्मांड में दिखाई दिया पिशाचा...जारी की तस्वीर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कहते हैं कि यूनिवर्स यानी ब्रह्मांड एक ऐसी जगह है, जो रहस्यों से भरी हुई है। इसके बारे में बहुत कुछ जानने का बावजूद बहुत कुछ ऐसा है, जिससे वैज्ञानिक अभी भी अंजान हैं। यूनिवर्स में कभी प्रकृति के खूबसूरती देखने को मिलती है, तब कभी उसका विकराल रूप सामने आता हैं। हाल में एरोनॉटिकल्स और स्पेस रिसर्च एजेंसी नासा ने इसी यूनिवर्स की जो तस्वीर जारी की वह जितनी खूबसूरत है उतनी ही डरावनी भी। दरअसल, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से दिखा ये नजारा कुछ ऐसा है जैसे यूनिवर्स में डीप-स्पेस ब्लॉब मॉन्स्टर यानी कोई डरावना पिशाच हो। टेलिस्कोप से प्राप्त तस्वीर में एक विशाल धूल भरी आकाशगंगा दिख रही है जो हर साल सैकड़ों सितारों को जन्म देती है। लेकिन ये कुछ ऐसी शेप में है कि डरावनी लग रही है। ये ऐसी है जैसे इसके दो बड़ी आंखें और खुले मुंह वाला कोई चेहरा हो। इस तस्वीर ने ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय (यूटी) के खगोलविदों का ध्यान खींच तब उन्होंने दूरबीन के डेटा को विश्लेशित किया। विश्लेषण के बाद उन्होंने ये समझा कि आकाशगंगा बिग बैंग के लगभग 900 मिलियन साल बाद अस्तित्व में आई थी। ध्यान से देखने पर ये गैलेक्सी नहीं बल्कि भूत सी दिखाई पड़ती है, जैसे वह चीख रहा है। इस खोज से प्रारंभिक ब्रह्मांड के बारे में वैज्ञानिकों की समझ में बदलाव आ सकता है। क्योंकि पहले, उन्होंने सोचा था कि विशाल स्टार नर्सरी दुर्लभ हैं, लेकिन इस गैलेक्सी ने संकेत दिया है कि ये वास्तव में तीन से 10 गुना अधिक दूर तक फैली हो सकती हैं।

प्रो. ब्रजेश माइक्रोबायोलॉजी डोरोथी जोन्स पुरस्कार से सम्मानित

मेलबर्न (एजेंसी)। स्थलीय जीवन की समझ और वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान का उपयोग करने के लिए भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसर ब्रजेश सिंह को साल 2023 के डोरोथी जोन्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में हॉक्सबरी इंस्टीट्यूट फॉर द एनवायरनमेंट के माइक्रोबियल फंक्शनल इकोलॉजी के क्षेत्र में वैश्विक विशेषज्ञ ब्रजेश सिंह को पिछले महीने लंदन में ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन (बीएमए) हाउस में यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

सिंह का मौलिक शोध पर्यावरणीय गिरावट और खाद्य असुरक्षा सहित वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रदान करता है। इसके लिए उन्होंने मिट्टी की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र कार्यों के बीच मात्रात्मक संबंधों की पहचान कर पता लगाया कि प्राकृतिक और मानवजनित दबावों से ये कैसे प्रभावित होते हैं। पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार, उनके शोध निष्कर्षों ने, मिट्टी के सूक्ष्मजीव और जीव-जंतुओं की मिट्टी की जैव विविधता और प्रमुख पारिस्थितिकी तंत्र कार्यों और सेवाओं के बीच कारण

संबंध की पहचान करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र विज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को उन्नत किया है। शोध के निष्कर्षों ने क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर कई नीतिगत निर्णयों की भी जानकारी दी है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, और भारत तथा यूरोपीय संघ दोनों के बीच कृषि व्यवसाय और व्यापार में द्विपक्षीय जुड़ाव के लिए प्रमुख सिफारिशें प्रदान करना शामिल है।

उन्होंने मौजूदा माइक्रोबियल उत्पादों की प्रभावकारिता को बढ़ावा देने के लिए नवाचार विकसित कर ऑस्ट्रेलिया तथा दुनिया भर के उद्योगों के लिए मिट्टी और पौधों के माइक्रोबायोम में हेरफेर के लिए नए उपकरण प्रदान किए । सिंह वर्तमान में किसानों, सलाहकारों और नीति सलाहकारों को टिकाऊ कृषि और सतत विकास लक्ष्यों में प्रशिक्षित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) सहित कई सरकारी और अंतर-सरकारी निकायों के साथ काम कर रहे हैं। इसके अलावा, वह कृषि प्रणालियों के लचीलेपन को बढ़ावा देने और विश्व स्तर पर पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ खाद्य सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र एफएओ की वैश्विक मृदा साझेदारी के साथ काम करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में स्थानांतरित होने से पहले स्कॉटलैंड में अपने ज्ञान को निखारने में 10 साल बिताने के बाद, सिंह जैव-अर्थव्यवस्था में उत्पादकता बढ़ाने पर यूरोपीय आयोग को भी सलाह दे रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलियाई विज्ञान अकादमी; ऑस्ट्रेलिया की मृदा विज्ञान सोसायटी; अमेरिका की मृदा विज्ञान सोसायटी और अमेरिकन एकेडमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी के फेलो हैं, और हम्बोल्ट रिसर्च पुरस्कार से सम्मानित हैं।

ईरान और रूस के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए जमीन तैयार: राष्ट्रपति इब्राहिम

- रायसी ने कहा, ईरान की पड़ोसी-उन्मुख नीति के अनुरूप रूस के साथ सहयोग महत्वपूर्ण है

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने इस बात पर जोर दिया है कि दोनों पक्षों के हितों के अनुरूप ईरान और रूस के बीच सहयोग का विस्तार करने के लिए और अधिक प्रभावी कदम उठाने के लिए जमीन तैयार है। एक समाचार एजेंसी ने ईरानी राष्ट्रपति की वेबसाइट पर जारी बयान के हवाले से बताया कि रायसी ने गुरुवार को मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक बैठक में ऊर्जा और कृषि क्षेत्रों के साथ-साथ ज्ञान-आधारित फर्मों के क्षेत्र में दोनों देशों के अच्छे द्विपक्षीय सहयोग पर टिप्पणी की। रायसी ने बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ईरान की पड़ोसी-उन्मुख नीति के अनुरूप रूस के साथ सहयोग महत्वपूर्ण है। क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास की ओर मुड़ते हुए रायसी ने कहा कि मानवता की पीड़ा का कारण एकतरफावाद और अन्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था है, जिसकी एक अभिव्यक्ति आज गाजा में देखी जा सकती है। उन्होंने गाजा पट्टी पर इजरायल के चल रहे हमलों का जिक्र करते हुए इजरायल के गाजा के असहाय लोगों के खिलाफ अपराधों को नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में निंदा की। रायसी ने कहा कि गाजा पर सैन्य हमलों में छह हजार से अधिक बच्चों की हत्या सहित इजरायल के अपराधों को संयुक्त राज्य अमेरिका और (कुछ) पश्चिमी देशों का समर्थन प्राप्त था। उन्होंने अफसोस जताया कि गाजा में हर 10 मिनट में एक बच्चा मर रहा है, तटीय क्षेत्र में फिलिस्तीनियों के खिलाफ बमबारी और अपराध को रोकने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

पुतिन ने अपनी ओर से कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध सर्वोत्तम संभव स्तर पर हैं। ईरान की व्यापार प्रदर्शनियों में रूसी व्यापारियों की आकर्षक उपस्थिति और पिछले वर्ष 5 अरब डॉलर के वार्षिक कारोबार के साथ द्विपक्षीय व्यापार में 20 प्रतिशत की वृद्धि द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय खोलने के लिए मास्को और तेहरान के दृढ़ संकल्प का संकेत है। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवहन, सड़क और रेलमार्ग परियोजनाएं अच्छी तरह से प्रगति कर रही हैं और ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। पुतिन ने क्षेत्रीय मुद्दों पर दोनों देशों के साझा रुख की ओर इशारा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि फिलिस्तीन के मुद्दे और गाजा पट्टी पर विचारों का आदान-प्रदान भी रूस और ईरान के बीच बातचीत के विषयों में से एक था। ईरान और रूस दोनों पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाया जा रहा है। उन्होंने हाल ही में अमेरिकी कदमों का मुकाबला करने के लिए द्विपक्षीय राजनीतिक और आर्थिक संबंधों का विस्तार किया है। ईरान की एक आधिकारिक समाचार एजेंसी के अनुसार दोनों देशों ने प्रतिबंधों का मुकाबला करने

और एकतरफा जबरदस्ती उपायों के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए सहयोग की एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए।

रणबीर कपूर के बाद अब आलिया भट्ट भी करेंगी एक्शन

कोविड काल के बाद से एक्शन जॉनर की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर जमकर बिजनेस कर रही हैं। पहले 'पठान', फिर 'गदर 2', इसके बाद 'जवान' और अब 'एनिमल'। इन सभी फिल्मों में दर्शकों ने एक्शन करते हुए एक्टर को खूब पसंद किया है। इस जॉनर की सफलता को देखते हुए मेकर्स अब एक्ट्रेसेस के साथ भी एक्शन फिल्में बनाने की तैयारी कर रहे हैं। नए साल में इसकी शुरुआत आलिया भट्ट से होगी। चर्चा है कि वो बैक-टू-बैक दो एक्शन फिल्में करने वाली हैं। पहली धर्मा प्रोडक्शंस की 'जिगरा' है और दूसरी यशराज फिल्म्स की एक अनटाइटल्ड फिल्म है, जिसका कनेक्शन यशराज के स्पाई यूनिवर्स से होगा। इसमें आलिया के साथ शरवरी वाघ हो सकती हैं।

फिल्म में भाई की रक्षा करती नजर आएंगी आलिया

फिल्म में आलिया के किरदार का कोई रोमांटिक एंगल नहीं है। इसके बजाय वो अपने भाई की रक्षा करती नजर आएंगी। इसमें आलिया के भाई के रोल में वेदांग रैना हैं। वेदांग इसके अलावा नेटफ्लिक्स की फिल्म 'द आर्चीज' में भी नजर आ रहे हैं। इसके अलावा फिल्म में मनोज पाहवा भी हैं। वो आलिया के पिता के किरदार में नजर आ सकते हैं। फिल्म की कहानी एक मर्डर मिस्ट्री से जुड़ी हुई हो सकती है।

एक दिन शूट के बाद दो दिन की ट्रेनिंग

फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि फिल्म में आलिया का एक्शन रियलिस्टिक लगे इसके उन्होंने शूटिंग से पहले काफी बास्केटबॉल खेला है। सूत्र बताते हैं कि, 'आलिया शूट के बीच-बीच में एक्शन ट्रेनिंग ले रही हैं। सरल शब्दों में कहा जाए तो अगर वो एक दिन शूट करती हैं तो दो दिन एक्शन और स्टंट सीखने में लगाती हैं। फिल्म की शूटिंग और ट्रेनिंग बैक एंड फोर्थ टाइमजोन में हो रही है।'

धर्मा के साथ पहली बार काम कर रहे हैं वासन

इस फिल्म को वासन बाला बना रहें हैं। उन्होंने इससे पहले 'मर्द को दर्द नहीं होता' और 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' जैसी फिल्में बनाई हैं। सिनेमैटोग्राफी का भार स्वप्निल सोनावने को दिया गया है। उनके साथ वासन पहले भी काम कर चुके हैं। आलिया और धर्मा प्रोडक्शंस के साथ जरूर वासन पहली बार काम कर रहें हैं।

मुंबई के बाद बैंकॉक जा सकते हैं मेकर्स

फिलहाल तो इस फिल्म की शूटिंग मुंबई में जारी है पर आगे कलाकार इंडिया से बाहर का भी रुख करेंगे। टेक्निकल क्रू सिंगापुर, मलेशिया और बैंकॉक में रेकी कर रही है। इन तीनों में से किसी एक जगह पर फिल्म की शूटिंग की जाएगी।

अगस्त्य नंदा ने सुहाना खान को बताया गॉसिपिंग क्वीन

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा कुछ ही दिनों में आने वाली फिल्म द आर्चीज के जरिए अपने अभिनय करियर की शुरुआत करेंगे। अगस्त के डेब्यू को लेकर पूरा बच्चन परिवार उत्साहित है। वहीं, अगस्त्य भी अपने पोस्ट से अपने फैंस को अपनी आगामी फिल्म को लेकर ढेर सारी जानकारियां साझा करते रहते हैं। अब हाल ही में, अगस्त ने सुहाना खान को गॉसिपिंग क्वीन बताया है। चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने और क्या कहा है। द आर्चीज से शाहरुख खान की बेटी सुहाना, मेगास्टार अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य और अभिनेत्री श्रीदेवी और फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी खुशी अभिनय की शुरुआत कर रही हैं। बॉलीवुड गलियारों में अभी इन स्टार किड्स की जोरों-शोरों से चर्चा चल रही है। इन सब के बीच ये स्टार किड्स भी अपने बयानों से खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस बीच सुहाना खान और अगस्त्य नंदा का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अगस्त्य नंदा को कहते सुना जा रहा है, मैं तुम्हें सबसे लंबे समय से जानता हूं और मैं पुष्टि कर सकता हूं कि तुम सबसे कम मजाकिया हो। जिस पर सुहाना कहती हैं, हां, लेकिन मजाकिया और किसी का मजाक उड़ाना दोनों में काफी फर्क है। वीडियो में अगस्त्य को यह भी कहते सुना जा सकता है कि सुहाना उनके ग्रुप की बड़ी गॉसिपिंग क्वीन हैं। सुहाना को कोई भी सीक्रेट नहीं बताया जा सकता है क्योंकि उनके पेट में कोई बात नहीं पचती है। अगस्त्य की यह बात सुनकर बाकी सभी लोग जोर से हंसने लगते हैं। बता दें कि द आर्चीज में सुहाना के अलावा फिल्म में खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा, मिहिर आहूजा, वेदांग रैना आदि नजर आएंगे। किंग खान की बेटी सुहाना खान के डेब्यू को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। बात करें शाहरुख की तो अगले महीने उनकी फिल्म डंकी भी रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 22 दिसंबर 2023 को रिलीज होगी।

रणबीर कपूर की तारीफ कर बुरे फंसे अरमान मलिक

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल अपनी रिलीज के बाद ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ दिए हैं। हालांकि, इसे तारीफ के साथ-साथ जबरदस्त आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। एनिमल के कारण गायक अरमान मलिक को भी ट्रोल्स ने आड़े हाथों ले लिया। दरअसल, गायक ने फिल्म देखने के बाद रणबीर को इस पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता कह दिया। वहीं, अब ट्रोल्स पर खुद अरमान ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही अपने बयान से सुर्खियों का हिस्सा बन गए हैं। गायक अरमान मलिक ने उन ट्रोल्स को जवाब दिया है जो रणबीर कपूर को हमारी पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता कहने के बाद उन्हें एक व्यक्ति के रूप में आंक रहे थे। रणबीर की नवीनतम फिल्म, एनिमल वर्ष की सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाली फिल्म बन गई है। जहां कई लोग फिल्म की सराहना कर रहे हैं, वहीं आलोचकों और कुछ फिल्म देखने वालों ने इसे स्त्री-द्वेषी, रक्तरंजित और अत्यधिक हिंसक होने के कारण इसकी आलोचना की है। एनिमल में रणबीर कपूर के अभिनय की सराहना करने के लिए ट्रोल किए जाने के बाद, अरमान ने एक्स पर लिखा, मुझे नफरत है कि मुझे किसी के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता होने के बारे में जो महसूस होता है उसे कहने से इतने सारे लोग मेरी तरफ आ रहे हैं। मुझे एक व्यक्ति के रूप में आंकने पर आप लोगों को वास्तव में शांत होने की जरूरत है। मैंने वह ट्वीट किसी की कला की प्रशंसा में लिखा था, और वह यही था। कृपया अपनी नफरत कहीं और ले जाएं। धन्यवाद। इसके साथ गायक ने हाथ जोड़ने वाले इमोजी का भी इस्तेमाल किया है।

पंकज त्रिपाठी के लिए कठिन था कड़क सिंह का किरदार

पंकज त्रिपाठी आज इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता हैं। करियर की शुरुआत उन्होंने छोटे-छोटे रोल निभाकर की, लेकिन अपने शानदार अभिनय की बदौलत आज उन्होंने अपना बड़ा नाम कमा लिया है। पर्दे पर अपना किरदार अदा करने के लिए वे उसमें पूरी जान झोंक देते हैं। अभिनेता जल्द ही फिल्म कड़क सिंह में नजर आएंगे। ये फिल्म इसी महीने ओटीटी पर दस्तक देगी। पंकज त्रिपाठी ने हाल ही में इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया।

बोले फिल्म को बनाना बेहद कठिन था

हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने बताया कि फिल्म कड़क सिंह में उनका रोल काफी चुनौतीपूर्ण था। अभिनेता ने कहा, लिखना, स्क्रीनप्ले करना सबकुछ कठिन था। इस फिल्म को बनाना ही बेहद कठिन रहा। इस फिल्म पर और भी काम करने की जरूरत थी, क्योंकि ये एक अलग कंटेंट है। इसके साथ ही पंकज त्रिपाठी को पूरी उम्मीद है कि फिल्म जैसी भी बनी है, अच्छी है और इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिलेगा।

ओटीटी एक्सपर्ट नहीं

फिल्म कड़क सिंह एक थ्रिलर विषय पर बनी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बेहतर काम करने के लिए अभिनेता को खासतौर से जाना जाता है। इसे लेकर पंकज त्रिपाठी ने कहा, मैं सिनेमा या ओटीटी का एक्सपर्ट नहीं हूं लेकिन मैं जानता हूं कि अच्छी एक्टिंग कैसे करते हैं। मैं जानता हूं कि आज की जनता ओटीटी पर फिल्में देखना पसंद करती है और बहुत से लोगों को डिजिटल कंटेंट ही पसंद आते हैं। तो देखते हैं ये हमें कहां ले जाता है।

इस ओटीटी पर होगी रिलीज

बता दें कि कड़क सिंह आठ दिसंबर 2023 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म कड़क सिंह का निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया है, जिसमें पंकज त्रिपाठी के अलावा जया अहसान, संजना सांगी, परेश पाहुजा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। बता दें कि इस फिल्म के अलावा पंकज त्रिपाठी अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म मैं अटल हूं को लेकर भी चर्चा में हैं। ये फिल्म 19 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मनोज बाजपेयी ने साझा किया जोरम की शूटिंग का अनुभव

मनोज बाजपेयी जल्द ही फिल्म जोरम में नजर आएंगे, जो इसी महीने रिलीज होने जा रही है। फिलहाल वे इसका जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मनोज बाजपेयी कई तरह की चुनौतियों से रूबरू हुए। हाल ही में खुद उन्होंने इस बात का जिक्र किया। अभिनेता ने बताया कि झारखंड में जोरम की शूटिंग के दौरान उन्हें मौसम संबंधी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मनोज ने टीम को कहा शुक्रिया मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने झारखंड में खराब मौसम के बीच जोरम फिल्म को शूट किया है। मनोज बाजपेयी ने जोरम फिल्म की शूटिंग का अनुभव बताते हुए कहा, इस फिल्म की शूटिंग बिल्कुल आसान नहीं थी। पूरी टीम का धन्यवाद, जिन्होंने इस मुश्किल काम को कर दिखाया। मैं गर्व महसूस कर रहा हूं कि इस फिल्म का हिस्सा बना हूं। मनोज बाजपेयी के साथ-साथ निर्देशक देवाशीष मखीजा ने भी इस फिल्म की शूटिंग के अनुभव को बेहद चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग के दौरान ऐसा लगा जैसे कि हम इस फिल्म को बनाने के लिए प्रकृति से लड़ाई लड़ रहे हैं। निर्देशक ने आगे बताया कि कोविड महामारी की वजह से लगे लॉकडाउन के चलते इस फिल्म की शूटिंग में देर हुई और इस वजह से पूरी फिल्म मई के महीने में झारखण्ड में रही। निर्देशक ने कहा, उस वक्त वहां का तापमान 51-52 डिग्री सेल्सियस था। टीम को वही सारे सेफ्टी मेजर लेने पड़े, जो खदान में उतरते वक्त कोई मजदूर लेता है। जोरम फिल्म की शूटिंग करना ऐसा था, मानों किसी युद्ध पर गए हैं।

औरों में कहां दम था में साथ काम करेंगे अजय देवगन और तब्बू

अजय देवगन और तब्बू एक साथ फिर काम करने वाले हैं। ये दोनों नीरज पांडे की डायरेक्शन में बनी फिल्म औरों में कहां दम था में साथ दिखेंगे। यह रोमांटिक-ड्रामा फिल्म अगले साल 26 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अजय देवगन और तब्बू ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट की है। अजय देवगन ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- नीरज पांडे के साथ मेरा कोलैबरेशन। औरों में कहां दम था 26 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म की कहानी 2002 से 2023 के बीच की होगी। इन बीस सालों की म्यूजिकल लव स्टोरी पर्दे पर दिखाई जाएगी। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म में जिमी शेरगिल, साई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक एम एम क्रीम ने कंपोज किया है। दृश्यम 2 में अजय देवगन, तब्बू के साथ नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी। अजय देवगन को आखिरी बार एक्शन-थ्रिलर ड्रामा भोला में देखा गया था। उन्होंने इस फिल्म का डायरेक्शन भी किया था और साथ ही फिल्म को प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म को मिक्स्ड रिव्यूज मिले थे और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कलेक्शन किया था। अजय फिलहाल रोहित शेट्टी की कॉप सीरीज सिंघम अगेन में दिखेंगे।

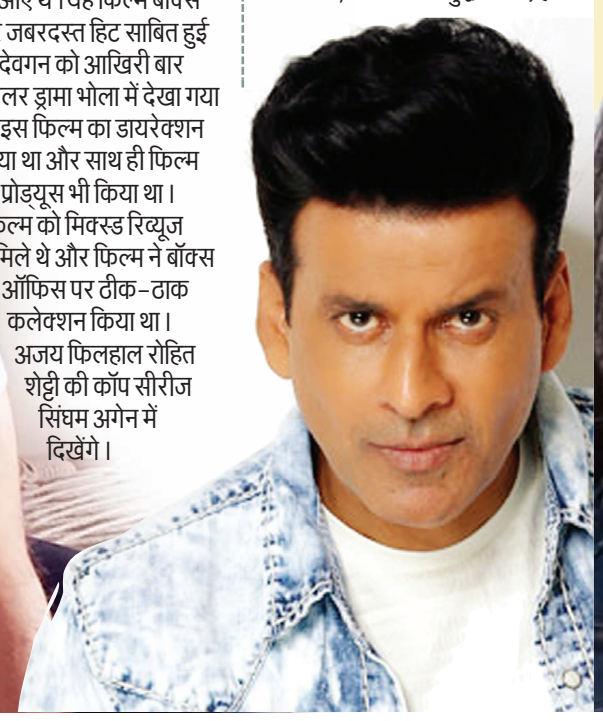

फाइटर के बाद इस फिल्म में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फाइटर को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उनकी अगली फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। अभिनेत्री इंग्लिश फिल्म द इंटर्न के हिंदी रीमेक में नजर आएंगी। इसका शूटिंग शेड्यूल भी आ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अगले साल जनवरी या फरवरी में फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि फिल्म में अमिताभ बच्चन की भूमिका हो सकती है। हालांकि, बिग बी की भूमिका को लेकर अभी आधिकारिक रूप से कोई खुलासा नहीं हुआ है। बताते चलें कि पहले द इंटर्न के रीमेक को बीते वर्ष यानी 2022 में रिलीज करने की बात की जा रही थी, लेकिन कुछ वजहों के चलते ऐसा संभव नहीं हो सका। वर्ष 2021 में दीपिका पादुकोण ने इंग्लिश फिल्म द इंटर्न के हिंदी रीमेक को ऋषि कपूर के साथ बनाने की घोषणा की थी। ऋषि कपूर अब इस दुनिया में नहीं रहे। कुछ वक्त पहले इस फिल्म में ऋषि कपूर की जगह अमिताभ बच्चन को साइन किए जाने की बात भी सामने आई थी। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक रूप से कोई अपडेट अभी तक नहीं दिया गया है। अफवाह तो ये भी थी कि फिल्म बंद हो चुकी है।

जोया अख्तर ने दिया अपडेट बनने वाला है जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का सीक्वल?

साल 2011 में दस्तक देने वाली मल्टी स्टारर फिल्म जिंदगी न मिलेगी दोबारा रिलीज होते ही दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई थी। जोया अख्तर की कमाल की कहानी और फरहान, ऋतिक और अभय देओल की जानदार अदाकारी ने जिंदगी न मिलेगी दोबारा को दर्शकों का असीम प्यार पाने में सफल किया। फिल्म को लेकर सभी के दिलों में इस कदर दीवानगी है कि समय-समय पर जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2 की चर्चा शुरू हो जाती है। फैंस लंबे समय से फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं और जिंदगी न मिलेगी दोबारा फिल्म के प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है। दरअसल, हाल ही में एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में निर्देशक जोया अख्तर ने फिल्म के सीक्वल पर अपडेट दिया है। इन दिनों अपनी आगामी फिल्म द आर्चीज को लेकर सुर्खियों में बनी हुई जोया अख्तर की फिल्म जिंदगी न मिलेगी दोबारा की चर्चा भी अक्सर होती रहती है। दोस्ती... ट्रेवल और रिश्तों की कहानी को बड़ी ही सफलतापूर्वक दिखाने वाली इस फिल्म की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। जहां एक तरफ जोया अख्तर इन दिनों द आर्चीज का जमकर प्रचार-प्रसार कर रही हैं, वहीं दूसरी तरफ जिंदगी न मिलेगी दोबारा के सीक्वल को लेकर सवाल उनका पीछा नहीं छोड़ते हैं। निर्देशक जहां भी पहुंचती हैं, वहीं उनसे ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल स्टारर इस फिल्म के सीक्वल की चर्चाएं उनका पीछा करते-करते हुए वहां पहुंच जाते हैं। हाल ही में इंटरव्यू में जोया अख्तर से पूछा गया कि क्या वह जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का सीक्वल बनाने की योजना बना रही हैं, तो उन्होंने एएनआई को बताया, हां, यह हर समय सामने आता है और हर कोई इसमें रुचि रखता है। निर्माता रुचि रखते हैं, अभिनेता रुचि रखते हैं और हम रुचि रखते हैं। वह फिल्म हमारे लिए बहुत मायने रखती है... जोया अख्तर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, ... इसलिए, अगर हमें जिंदगी न मिलेगी दोबारा के सीक्वल की कहानी के लिए वह खास चीज मिल जाती है, तो हम इसे बनाएंगे।